HRCI on USIUSI The Gazette of India

्रप्राधिकार से प्रकाशित १५६४।ईम६७ ६४ ४७ १ मठ १ । ११

सं No नई बिल्ली, शनिवार फरवरी 5, 1983 (माघ 16, 1904) अप DELIE SATURDAY, FEBRUARY 5, 1983 (MAGHA 16, 1904)

भैमन पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

भाग III- खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उन्ब न्यायालयों, नियन्त्र ह और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notific us issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय (का० एवं० प्र० सृ७ विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1983

6/68 प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण पहानिरीक्षक विषेश पुलिस स्थापना श्रपने लाल, ग्रपराध सहायक, को प्रोप्तित पर 1982 से दिनांक 6 जनवरी, 1983 के लिये केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ कार्यालय श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जनवरी 1983

एस०-6/70-प्रणा०-5-निवर्त्तन की भ्रायु प्राप्त कर भी-श्रमु० एल० सेतीया ने दिनांक 31 दिसम्बर, १ में वरिष्ठ लोक ग्रभियोजक, केन्द्रीय "श्रपुर, के पद का कार्यभार स्थाग दिया।

13/71 प्रशासन-5--जत्थेदार संतोध सिंह की जांच संबंधी, जांच श्रायोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, की करतार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यूरी 1--446 GI/82 (2169)

ने दिनांक 21 दिसम्बर, 1982 के प्रपराह्न से केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो (मुख्यालय) में उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19036/8/77-प्रशासन-5-निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जी०सी० गर्मा ने विनांक 31 विसम्बर, 1982 के श्रपराञ्च से पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

विनांक 12 जनवरी 1983

सं० ए०-35013/7/82-प्रशासन-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद से जम्मू एवं कम्मीर राज्य संवर्ग के अधिकारी श्री मुहम्मद अगरफ भट्ट को दिनांक 1 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आवेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषणण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में विभूक्त करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० एम०-97/68-प्रशा०-5-निवर्तन की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर, मध्य प्रदेश, से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री एम० जी० मिश्रा, वरिष्ठ लोक ग्रमियीण की सेवाये दिनांक 31-12-1982 वे प्रपराञ्च से मध्य प्रदेश मरकार को वापस सौप दी गईं।

श्रारः एसः नागपाल, प्रशासनिक श्रिधिकारी (स्थाः) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो,

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, विनांक 12 जनवरी 1983

सं० ध्रो० दो० 140/69-स्था०---एफ० श्रार० 56 (जे) के भन्तर्गत, श्री के० एल० सचवेव कमान्डेंट 12 वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप भ्रपने पद का कार्यभार दिनांक 26-12-82 (अपराह्न) को त्यांग दिया।

धिनांक 15 जनवरी 1983

सं० श्रो० दो० 686/71 स्थापना—एफ० श्रार० 56 (जे) के धन्तर्गत, श्री मंगल सिंह उप पुलिस श्राधीक्षक के० रि० पु० बल० 34 बाहिनी ने सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप श्रपने पद का कार्यभार दिनांक 4-1-1983 (पूर्वाह्म) को त्याग दिया ।

दिनांक 17 जनवरी 1983

सं० भो० दो० 1431/79—स्थापना—भेजर सेवा सिंह ने भपनी पुनः नियुक्ति की श्रवधि समाप्त होने के फलस्बरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमांडट ए० डब्स्यू० एस० 2, रामपुर का कार्यभार 31-12-82 श्रपराह्न को छोड़ दिया।

ए० के० सूरी, सहायक निवेशक (स्था०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय मई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जनवरी 1983

सं० 10/42/82 प्रणा० 1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषण के पद पर कार्यरत श्री महल सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 14 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाये, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर भन्नसंधान अधिकारी के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री महल सिंह का मुख्यालय नई दिल्ली में श्लोगा।

3. उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति की श्री महल सिंह को उसी पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तदर्थ ग्राधार पर उनकी सेवार्थे उस ग्रेड में वरिष्ठता भीर कार्गे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जार्गेनी । उपरोक्त पद पद तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय विना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

विनांक 15 जनवरी 1983

सं० 11/12/81- प्रणा० 1—इस कार्यालय की तारीख 7 विसम्बर, 1982 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, उत्तर प्रवेश सिविल सेवा के ग्रिधकारी श्री एन० एल० गुप्त की उत्तर प्रवेश, लखनऊ मे जनगणना कार्य निदेशालय में, संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ नियुक्ति को तारीख 28 फरवरी, 1983 तक की ग्रीर ग्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री गुप्त का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/12/81-प्रणा०-1-इस कार्यालय की तारीख 7 दिसम्बर, 1982 की समसंख्यांक ग्रिधसूचना के अनुकम में राष्ट्रपति, तमिलनाडु, मद्राम में जनगणना कार्य निदेशालय में श्री टी० वी० श्रीनिवासन की संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 30 नवम्बर, 1982 तक की और अवधि के लिये पदेन क्षमता में सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय मद्रास में होगा।

विनांक 18 जनवरी 1983

सं० 11/11/80 प्रणा०-1--राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 26 नवम्बर, 1980 की समसंख्यांक धिक्षसूचना के अनुक्रम में पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री आर० एन० मुखोपाध्याय की पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में अनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक जनगणमा कार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा पूर्णतः स्थाई भीर तदंर्य आधार पर-नियुक्ति की-अवधि को 28 फरवरी, 1983 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए. जो भी अवधि कम हो, सहुष बढ़ाते हैं।

श्री मुखोपाध्याय का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।
 पी० पदमनाभ, भारत के महापंजीकार

सीमाणुल्क केन्द्रीय उत्पाद णुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण ध्रपील ग्रधिकरण नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1983

सं० 7-सी० गु० उ० शु० स्व० नि० श्र० श्र०-श्री एस० मौलिक ने केन्द्रीय उत्पाद गुरूक समाहर्तालय कलकता के सुपरिटेंडेंट, जोकि पहले राजम्ब श्रासूचना निदेशासय में कार्य कर रहे थे, 5 जनवरी, 1983 पूर्वाह्न से वेतंनमान 650-1200 तथा 75 रुपये के विशेष वेतन प्रतिमास, तक-नीकी श्रिक्षकारी सीमा शुरूक उत्पाद गुरूक तथा स्वर्ण नियंत्रण प्रपील श्रिक्षकरण, नई दिस्ली के पद का कार्यमार ग्रहुण कर लिया है।

फौजा सिंह गिल, घघ्यक्ष

ियत्त मस्रालय (श्राधिक कार्यविभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० ए० 19011/2/76-प्र० III--22-11-1982 (पूर्वाह्म) से ब्रूसेल्स स्थित भारतीय दूतावास (ग्राधिक स्कंध) में प्रयंशास्त्री के पद का भार छोड़ने पर श्री बी० ननजुदैया, श्राई० ई० एस० की सेवायें वायदा बाजार भ्रायोग के श्रध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नयी दिल्ली को सौंप दी गयी हैं।

प्रेम प्रकाण, ग्रवर सचिव

भारतीय छेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक मन्नालेखापरीक्षक का कार्यालय गई दिल्ली-2, विनांक 13 जनवरी 1983

सं० था० ले० पा०1/73-73-सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री आई० डी० माथुर, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवापिता आयु प्राप्त करने पर 31-12-82 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० ए० सोमेश्वरराय, संयुक्त निवेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालयः निदंशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-2 दिनांक 14 जगवरी 1983

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश 508—निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री हीरा सिंह को 840-1200 रुपये के समयमान में दिनांक 1-1-1983 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० एस० मोहिन्दा, संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद, विनांक 10 जनवरी 1983

स० प्रणा० I/8/132/82-83/363—श्री सी० श्री-निवासराव लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश 31-12-82 अपराह्म से सेवा से निवृत्त हुए हैं।

बी० मेसन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 1 जनवरी 1983

सं० प्रणा० एक/पी०एस० के०/431—श्री पी०एस० खंडकर (01/221) अस्थाई लेखा अधिकारी भार्यालय महालेखाकार मध्य प्रदेश प्रथम खालियर की अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर केन्द्रीय शासकीय सेवा से दिनांक 31-1-83 अपराक्ष से सेवा निवृत्त किया जाता है।

बी० के० राय, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 12 अनवरी 1983

स० प्रशा० I/11-144 अधिसूचना/7627—(1) श्री एच० एल० शर्मा, स्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय महा-लेखाकार-1, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 विसम्बर, 1982 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

2. श्री एन० बी० दास गुप्ता, स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार-1, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद स्वेच्छा से सी०सी०एस० (पेंशन) 1972, रूल 48 के अन्तर्गत 31 दिसम्बर, 1982 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

एस० जे०एस० आ**हलूवालिया** वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणा०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110066, दिनांक 6 जनवरी 1983

स० प्रणा०/1/1894/5/जिल्ब-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर छेने पर निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के समक्ष वर्णायी गई तारीखों से पेंगन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है और तदनुसार उसी तारीखा से उनके नाम रक्षा छेखा विभाग के संख्यावल से निकाल वियो गये हैं।

ऋम०	नाम	जन्म तिथि पेंशन स्थापना को
सं०		अम्सरण की तारीख
		रक्षा लेखा विभाग
		के संख्याबल से
		निकालने की तारीख

सर्वधी

1. पी॰ बनर्जी 26-6-1924 30-6-82(अपराह्र)

2. आर० एल०

सहगल 5-8-1924 31-8-82(अपराह्म)

3. जगदीश सिंह 1-9-1924 31-8-82 (अपराह्म)

4. बी० नारायण

राव 12-5-1924 31-5-82(अपराह्म)

सं० प्रणा० 1/1898/5/जिल्द-1--श्री परिमल चटर्जी आई०नी०ए०एस० जिन्होंने दिनांक 30-6-82 को (उनकी

जम्म तिथि) 1-7-1924 होने के कारण, 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, विनांक 30-6-82 (अपराह्न) से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए और तदनुसार मूल नियम 56 (ए) की शतौं के अनुसार विनांक 30-6-82 (अपराह्म) से उनका नाम, रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से मिकाल दिया गया है।

दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० प्रशा० 1/1870/5/जिल्द—58 वर्ष को आयु प्राप्त कर छेने पर निम्नलिखित आई० डी० ए० एस० अधिकारियों को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा तथा उनका नाम मूल नियम 56 (ए) की शतों के अनुसार, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से हटा दिया जाएगें।

कo संo	नाम	जन्म तिथि	वार्धक्य निवर्तन की तारीख	पेंशन स्थापना को अन्तरण/ रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से हटाये जाने की तारीख
				~

सर्वश्री

1. खेम चन्द

अग्रवाल 2-2-1925 1-2-1983 28-2-1983

2. आर० के०

रैना

1-5-1925 30-4-1983 30-4-1983

3. भान्तिस्वरूप

शर्भा

12-3-1925 11-3-1983 31-3-1983

आर० के० मायुर, रक्षा लेखा अपर महानियंस्नक (प्रशासन)

वाणिज्यि मंद्रालय (वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी, 1983

सं० ए० 19011/1/79-प्रणा० 2-राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालथ (वस्त्र विभाग) हथकरथा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्द्र में निदेशक (प्रोसेसिंग) श्री आर० एस० प्रयाग को निवर्तन की आयु होने पर 31 दिसम्बर, 1982 (अपराह्म) से सेवा निवृत्ति की अनुमति देते हैं।

> पी० के० दक्त अपर विकास आयुक्त (हथकरषा)

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास भायीग

विकास म्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी, 1983

सं० 12(227)/61 प्रशा० (राज०) बाल्यूम 3— धर्म उद्योग विकास निगम, ध्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति के भ्राधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री रजतकुमार बोस ने विकास भ्रायुक्त (लधु उद्योग) का कार्यालय, मई दिल्ली में 31-12-1982 श्रपराह्म से उप निदेशक (धर्म/पादुका) पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ए० 19018 (596)/82-प्रगा० (राज०)—राष्ट्रपति श्री एस० मसुस्वामी हस्तिशिल्प संबर्धन ग्रिधकारी, किास ग्रायुक्त (हस्तिशिल्प) तिरुपति (ग्रान्ध्र प्रदेश) को लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में 20-12-82 पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (ग्राई०एम० टी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जनवरी, 1983

सं० ए० 19018/(578)/82 प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति ने श्री पी० ग्नार० मंडल, लघु उद्योग संवर्धन ग्रधिकारी (रसायन) लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना को 13-12-82 पूर्वाह्न से श्रगले ग्रादेशों तक उसी स्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) नियुक्त किया है।

सी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन ग्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1983

सं० ए०6/247 (336)—िनिरीक्षण निदेशक, कलकत्ता, के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी-नियरी) तथा भारतीय निरीक्षण सेवा सूप "ए" के ग्रेड 3 की इंजीनियरी शाखा में स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री ए०के० घोष 31 दिसम्बर, 1982 के अपराह्म को निवर्तमान आयु होने पर सेवा से निवृत्त हो गये ।

2. श्री घोष ने 31-12 82 के अपराहन को निरिक्षण, अधिकारी (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० एव० कपूर, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महा निदेशक पूर्ति तथा निपटा । न

प्रशासन श्रन्भाग-1

नई विल्ली, दिनांक 11 अनबरी, 1983:

सं प्र-1/1 (742)—राष्ट्रपति भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड III के सहायक निदेशक (पूर्ति): की के के चकवर्ती को दिनांक 30-12-82 से 5-2-83 तक 38 विमों की भवधि के लिये पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई विल्ली में तवर्थ माधार पर उप निदेशक (पूर्ति) भारतीय पूर्ति सेवा मुप "ए" के ग्रेड 2 के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

उपनिदेशक के पव पर तदर्थ नियुक्ति से श्री के० के० श्वश्रवर्ती को नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गयी सेवा उस ग्रष्ठ में स्थायीकरण वरीयता तथा पदोक्षति की पास्नता के लिय नहीं गिनी जायेगी।

> एस० बालासुबामणियन, उप निवेशक, प्रशासन

(प्रणासन धनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी, 1983

सं०ए०/17011/159प्र० 6—निरीक्षण निवेशक, कलकता के कार्यालय, में कार्यरत श्री एम० सुम्रमनियन सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (श्रभियांक्रिकी) का विनांक 13-11-82 को देहान्त हो गया।

एस०एल० कपूर, उप निदेशक प्रशासन

ध्स्पात ग्रीर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 जनवरी, 1983

सं० ए० 19011 (6)/80 स्था० ए०—निवर्तन की आयु पूर्ण करके सेवा निवृत्त होने पर श्री जी० बी० राव क्षेत्रीय खान नियंत्रक को 28 फरवरी, 1982 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरों से कार्यभार से मुक्त कर दिया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

दिनांक 13 जनवरी, 1983

सं० ए० 19011 (316)/83 स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री जी० एस० नागराज खनिज ग्रिशिकारी (श्रिस्चिना) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खिनिज अर्थ शास्त्री (अधिसूचना) के पद पर दिनांक 31-12-82 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

व० ज० मिश्र, कार्यालय श्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरी

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, विनांक 10 जनवरी, 1983

सं 0 105 बी 0 /ए 0 32014/2 ए 0 जी 0 (1)/81-19 बी ०-भारतीय भूषेशानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिक कार्यशाला) श्री मुकेश अन्द्र सोती को सहायक भूभौतिकी बिद (उपकरण) के दप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810 द ब्रो० 35-880 40-1000 द ब्रो० 40-1200 रु के बेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में ध्रागामी धादेश होने तक 8-11-82 के पूर्वाह्न से पदोक्षति पर नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी, महानिदेशक

भाकाशवाणी महानिवेशालय

नई विल्ली, विनांक 13 जनवरी, 1983

सं० 4(30)/82 एस-1—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतयद्वारा श्री मिनिन्दर नाथ राय को 13 दिसम्बर, 1982 से अगले श्रादेश तक आकाशवाणी अगरतला में, अस्थायी रूप में 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 के वेतनमान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(31)/82 एस०एक०—महानिदेशक, ध्राकाशवाणी एतव्दारा कुमारी प्रभा डामोर, को 14 दिसम्बर, 1982 से ध्रगले आदेश तक, ध्राकाशवाणी रायपुर, में ग्रस्थाई रूप में रुपये 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 के बेतनमान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जनवरी, 1983

सं० 4 (22)/82 एस०एक—महानिदेशक आकाशवाणी श्री डी॰ सेलवराज की 10 नवम्बर, 1982 से अगले आदेशों तक अस्थाई क्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के रूप में 650-30 740-35-810 द०रो॰ 35-880-40-1000 द०रो॰ 40-1200 रुपये वेतनमान में आकाशवाणी विवेन्द्रम में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(27)/82 स्टाफ-1—महानिदेशक श्राकाशवाणी एतव् द्वारा श्री विमल कान्त येन्दे को 11-11-1982 से श्रानले भावेशों तक श्राकाशवाणी जबलपुर में, श्रस्थाई रूप में 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-12000 र ० के वेतनमान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(47)/82 स्टाफ०-1-महानिदेशक श्राकाणवाणी एतद्द्वारा श्री राम स्वरूप रतौतिया, को 22-11-82 से श्रगले श्रावेण तक श्राकाणवाणी छत्तरपुर में श्रस्थाई रूप में, 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/48/82 एस०-1--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी सुमन पाल को 18 नवस्वर, 1982 से अगले आदेश तक रुपये 650-30 740-35-810 व०रो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 के वेतनगान में रेडियो कण्मीर, जम्मू में, श्रस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उप महानिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

सं० 4/8/82 एस०-2---महानिदेशक शाकाशनाणी एतद् द्वारा श्री उमाकान्त खुबालकर, अनुसंधान सहायक केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली शाकाशनाणी तम्बर्ट के कार्यालय में रुपये 650-30-740-35-810 द०रो० 880-40-1000 द०रो० 40-1200 के बेनन्य(न से तन्धे शाधार पर प्रतिनियुक्ति पर हिन्दी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेगात्री, प्रशासन उप निदेशक

कृते महानिदेशक

स्तास्थ्य नेवा महानिदेशा 'य नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1983

सं० ए० 35021/1/81-प्रगा०1 पी०एव० (सी०डी०एंड एल०)—इस निदेशालय के 6 नवस्वर, 1980 की यविसूचना गख्या ए० 35021/2/80 (आर० एउ०टी०सी०)/प्रशासन-1 के कम में स्वास्थ्य सेवा महाविदेशन ने वर्तपान अनी पर शी सतीण चन्द्र शर्मा प्रशासन जिल्हाने, यामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफाइ के प्रभिन्मुहेन की धन्वि को 15 अक्तूबर, 1982 ने 3 मान का पानिव के दिए अवन्य अव तक उनके स्थान पर एक एवजी की निपृहित हो हो की जाती, जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजुरी देदी है।

संगत सिह, उप विदेशक प्रशासन (ई०एंड फी०)

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी, 1983

सं० ए० 38012/5/82 प्रशासन-1--सेवा निवर्तन की धायु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महाविदेशालय में श्री एन० बी० लात, उप निवेशक (प्रशासन) 31 दिसम्बर, 1982 ग्रपराह्न हो गये हैं।

सं० ए० 12026/7/82 (एच० क्यू०) प्रणासन-1--राष्ट्र-पति ने श्री एस० डी० मंटणे को 17 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से तथा श्रामाशी आदेशों तक म्हास्थ्य भेषा गहानिदेशालय, नई दिल्ली में पूर्णतया तदर्थ आधार पर वरिष्ठ शस्तुविद् के पद पर नियुक्त कर दिया है।

2. वरिष्ठ वास्तुविद् के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूग श्री एस० डीं० मंटगं ने 17 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे वास्तुविद् के पद का कार्यभार छोड दिया है।

दिनांक 14 जनवरी, 1983

सं० ए० 12026/7/82 (मुख्यालय) प्रशासन-1-राष्ट्रपति ने श्री वी०वी० पंचाल को 17 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रावेशों तक स्थास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सीनियर वास्तुविद् के पद पर पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

2. सीनियर बास्तुबिद् के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री बी॰ बी॰ पंचाल ने 17 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वास्तुबिद् के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/35/79 एच० स्यू० प्रशा०—1—राष्ट्रपति ने श्री ए० जी० पटेल को, 11 विसम्बर, 1982 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशान्य नई दिल्ली में राष्ट्रीय ग्रायुविज्ञान पुस्त-कालय में सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर पूर्णतया तदर्थं ग्राधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री ए० जी० पटेल का सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्यरूप उन्होंने 11 विसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) को राष्ट्रीय श्रायुविज्ञान पुस्तकालय में पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19020/17/82-प्रशासन-1—रक्षा मंद्रालय, के तकनीकी किकास एवं उत्पादन (ए० ग्राई० ग्रार०) निवे-शालय में सीनियर प्रशासनिक ग्रधिकारी ग्रेड-2 के पढ के विये चयन हो जाने के फलस्वरूप श्री एल० डी० विशष्ठ ने 31 विसम्बर, 1982 (ग्रपराह्न) से श्रीशोगिक स्थापना जिल्लारी (भंडार) स्वास्थ्य सेवा महानिवेशासय नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> विलोक चन्द्र जैन, उप निदेशक प्रशासन (भ्रो०एंड एम)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1983

सं०ए० 19023/24/78 प्र० 3—लीबिया सरकार के प्रधीन त्रिपोली में प्रणीतन इंजीनियर के रूप में एक वर्ष की ग्रविध दिनांक 30—11—81 (श्रपराह्म) से 30—11—82 तक भारत में बाहर विदेश सेवा पूर्ण करने पर श्री जे० के० भट्टाचार्य ने इस निदेशालय के श्रधीन फरीदाबाद में दिनांक 8—12—82 (पूर्वाह्म) से विपणन विकास श्रधिकारी (शीत संग्रह) का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० ए० 19025/1/83 प्र०3—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री वीरेन्द्र कुमार शर्मा की इस निवेशालय के श्रधीन नई दिल्ली में विनांक 24—12—82 पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन विकास ग्रधिकारी के रूप में नियक्त किया गया है।

विनांक 17 जनवरी 1983

सं० ए० 19025/43/81 प्र०-III—इस निदेशालय के प्रधीन सहायक विपणन ग्रधिकारो के पर से श्री मनोहर सिंह ढिल्लों द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र दिनांक 9-7-82 अपराह्य से स्वीकृत किया गया है।

डा० जी० म्रार० भाटिया, संयुक्त कृषि विषणन सलाहकार कृते कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग कय श्रीर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 13 जनवरी 1983

सं० क्रमिन |23|81-स्थापना|1414-इस निदेशालय की 26 नवस्वर 1982 की सममंख्यक ग्रिध्यूचना के ग्रागे क्रय ग्रीर मंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल ग्रीर स्थानापन्न लेखापाल (तदर्थ) श्री जे०जी० माठे को रुपये 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-960 के वेतन कम में तद्यर्थ ग्राधार पर 31 माच, 1983 (ग्रपराह्म) या अन्य ग्रादेशों में जो भी पहले हो तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा ग्रिधकारी नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दमहर, विनांक 17 जनवरी 1983

कर्नं न प वि प | प्रशा 26 (1) | 83 | ए.स 566 - नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना ध्रिभ्यंता, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के भ्रद्धं स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं तदर्थं भ्राधार पर परियोजना स्थाना-पन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी श्री एन के शर्मा को दिनांक १ नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से ६० 650-30-740-35 880 द रो 40-960 |- के वेतनमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव, मुख्य प्रणासन अधिकारी

नाभिकीय इँघन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 4 जनवरी 1983

सं० का० प्र भ०/0704/7—सक्षम प्राधिकारी जी, प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगोपालन को नाभिकीय ईवन सम्मिश्र में प्रवकाश रिक्ति पर दिनांक 27-11-82 से 13-12-1982 पर्यन्त तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। संग्रहार न/0704/8 - नाक्षम प्रशिक्षिती जी, प्रवरण भोगी शिषक अन्यान तामांभागत की दिलाँ । 17-12-1982 भी प्रमोगे अन्देशी गर्वे १८०५ आप्रत्य पर स्थानापन्न सहायक कार्यिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी, प्रबन्धक, कार्मिक व प्रणासन

परमाणु चिनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनाक 13 जनवरी 1983

सं २ प ख प्र-16/3/82 भर्ती—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक व स्थानापन्न नियापाल भी जें० कें० शर्मी को उसी प्रभाग में 18-10-82 के पूर्वीह्म में नेत्र 18-12-82 तक तदर्थ हम में स्थानापन्न प्रमायक नेका श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प्र च प-16/3/82 भर्ती—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायों उच्च श्रेणी लिपिक व स्थालापत सहायक लेखापाल श्री जे० पी० शर्मा को उसी प्रभाग में 25-10-1982 के पूर्वाह्म में लेकर 27-10-82 तक तदर्ज रूप में रथानापत्त सहायक लेखा ग्रिधकारी नियुक्त करने हैं।

सं० प ख प्र-16/3/82 गर्ती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उन्च श्रेणी निपिक व स्थानापन्न सहायक श्री टी०पी० जार्ज को उमी प्रभाग मेश्री बी०एच०एल० जी० शास्त्री, सहायक कार्मिक श्रिधकारी जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 3-1-83 के पूर्वाह्न से लेकर 11-2-83 तक 40 दिन के लिये तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-16/3/82 भर्ती—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनि। प्रभाग के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक व स्थानात्रस्न सहायक नेखापात श्री जे० पी० शर्मा को उसी प्रभाग में 25-10-1982 के पूर्वाह्म से लेकर 27-11-82 तक तदर्थ रूप. में स्थानापत यहायक नेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडने, वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

रिगेक्टर श्रानुसंधान केन्द्र

कलपाकस, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

सं० मार जार मी/ए 32023/1/77 आर/17298—रिए-क्टर अनुपधान केन्द्र के निदेशक रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थामी प्रहारक विखापाल श्री किल्लीकुलंगारा मामन वैला-पुधन को 11-12-82 में 9-1-83 तक की अवधि के लिए इसी केन्द्र में तदर्थ आधार परस्थानापन रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त श्री एम० गुरसानी सहायक लेखा श्रधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर गए हए हैं।

> एस० पद्मनाभन प्रशासन भ्रधिकारी

श्रंतिरक्ष विभाग

विकम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र

तिचवलंतपुरम-695022, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० बी० एसएससी/स्था/एफ०/1(17)—नियंत्रक, बी० एस०एस०सी० श्रन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई शंतरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को रु० 650-30-740-35-880-द०रो०40-960/- के वेतनमान में उनके नाम के श्रागे दिये गये तारीख शौर पद पर स्थान नापन्न रूप में पदोन्नत करते हैं।

ऋ०सं० नाम	पदोन्नस पद	लागू तारीख
1. श्री जोण मात्यू 2. श्री सी० के० केरल	सहायक ऋय ग्रधिकारी	12-8-82
दासन 3. श्री एन० विजय	सहायक लेखा श्रधिकार सहायक भंडार ग्रधिका	
नाथन नायर 4. श्री पी० श्रार० बालकृष्णन	सहायक प्रशासन ग्रहि	कारी ,,
5. श्री पी० स्वामि- नाथन	सहायक ऋय ग्रधिकारी	22-11-82
 श्री पी० सुकुमार पिल्लै 	सहायक लेखा ग्रधिकार	16-11-82

के० पी० भार० मेनन प्रशासन अधिकारी 2 (स्थापना) कृते नियंत्रक वी० एस० एस० सी० महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

सं०ए० 32013/7/81 ई० डक्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री हरबंग सिंह, सहायक निदेशक उपस्कर को दिनांक 30 सितम्बर 1982 से भीर छ: मास की श्रवधि के लिये श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, रुपये 1500-60-1800 के वेतनमान में उप निदेशक उपस्कर के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

उपनिदेशक उपस्कर के पद पर जारी तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप श्री हरबंस सिंह इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे श्रीर न ही ग्रेड में तदर्थं श्राधार पर की गई उनकी सेवा श्रगले उच्चतर ग्रेड में पदी- झिंत की पानता के लिये वरीयता के प्रयोजनार्थ गिनी आएगी।

विश्रुत एवं यांत्रिक वर्कशाप, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात श्री हरबंस सिंह को दिनांक 13-12-1982 से मुख्यालय में तैनात कर दिया गया था।

सं० ए० 32014/1/82 ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० के० नाथ चार्ज मैन को दिनांक 18 नवम्बर, 1982 से 10 फरवरी, 1983 तक की भ्रवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विद्युत और यांतिक श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

इस तदर्थ नियुक्ति के भ्राधार पर श्री एस० के० नाथ नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगें भौर नहीं तदर्थ धाधार पर की गई सेवा ध्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पानता के लिये ग्रेड में वरीयता के प्रयोजनार्थ गिनी जाएगी ।

श्री एस० के नाथ को विद्युत एवं यांतिक वर्कशाप, सफ-वरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है। जे० सी० गर्ग, सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

सं० ए० 32013/10/82 ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 4 जनवरी, 1982, 28 जनवरी, 82 और 30 अप्रैल, 1982 की अधिसूचना सं० ए० 32013/10/82 ई०सी० भीर दिनांक 7 दिसम्बर, 1982 की अधिसूचना सं० ए० 32013/7/81 ई०सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित आठ आधिकारियों की नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई ग्रदिध के लिये जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है :—

क्रम सं०	नाम श्रीर पद नाम	स्टेशन	भवधि बढ़ाने की स्वीकृति की तारीख	तक भवधि अदाई गई	
1	2	3	4	5	
	त्री उमेश कुमार एच० एल० श्रीवास्तव	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली वैं० सं० स्टेशन, दिल्ली	29-5-82 22-6-82	19-9-82 (30-6-82 सेवा निवृत्त 30-6-82 को)	

1 2	3	4	5
3. पी० के० कपूर	डी०जी० सी०ए० (मुख्या०)	13-6-82	19-9-82
4. ए० के० गुलाटी	बै० सं०स्टेशन, फलकत्ता	17-6-82	19-9-82
5. एस० जी० प्रसाद	वै०सं० स्टेशन, बम्बई	29-5-82	(31-7-82 सेवा निवृत्ति
			31-7-82 को)
 बी०पी० भगत 	वै०सं० स्टेगन, बम्बई,	29-5-82	31-12-82
7. एन० मुनिमांडे	मैं० सं० स्टेगन, मद्रास	27-6-82	31-12-82
 टी० सी० एस० मुसाद 	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	11-9-82	31-12-82

दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० ए० 32013/4/81 ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 26 जुलाई, 1982 की श्रिधसूचना सं० ए० 32013/4/81 ई०सी० धौर दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 की श्रिधसूचना संख्या ए० 32013/8/81-ई०सी० के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित श्रिधकारियों की विरुद्ध तिकारियों की ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने क्रक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की संस्वीकृति प्रदान की है।

ऋम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	दिनांक
सर्वश्री	·		
1. पी	তে জিমা	निदेशक, रेडियो, निर्माण एवं विकास एकक का कार्यालय,नई दिल्ली	19-9-82
2. Ų	स ० सुन्दरम	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार का कार्यालय, कलकत्ता	19-9-82
3. Ų	म० के० पाल	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	19-9-82
4. ग्र	ार० के० सिंगला	नागर विमानन प्रणिक्षण केन्द्र, इलाहवाद	19-9-82
5. पी	oजे ० प्रय्य र	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)	19-9-82
6. ए	न० शंकर	निवेशक, रेड़ियो, निर्माण एवं विकास एकक का कार्यालय, नई दिल्ली	19-9-82
7. एर	प्त ्रपी ० जैन	वैमानिक संचार स्टेशन पालम	19-9-82
8. क	म्हैया लाल	निदेशक, रेड़ियो, निर्माण एवं विकास एकक का कार्यालय, नई दिल्ली	19-9-82
9. ए	प े सी० दुरे जा	वैमानिक संचार स्टेगन, पालम	19-9-82
-	स० के० शर्मा	वैमानिक संघार स्टेशन, पालम	19-9-82
-	वि प्रकाश	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नागर विमानन का विभाग नई दिल्ली	19-9-82
	० के० शर्मा	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली	31-12-82

सं० ए० 32014/2/81 ई०सी०—महा निवेशक नागर विमानत ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, जो इस समय सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, विनांक 30-4-1982 से प्रत्येक के नाम के सामने विए गए स्टेशन पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पव पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उसी

स्टेशन	पर	सैनात	किया	है :			
ऋ०सं०	न	1म			तैनाती	स्टेशन	
सर्व	শী				, 	,	
1. सी	। • एस	० ग्राहल्	वालिया			श्रीर	विकास
2. ক		fire			नई दिव स्टेशन		
		-		पाठ सठ	स्टशन	।दल्ला ।	
		० कपूर		"	11	11	
4. Ų	स० ए	स० ग्रेवा	ल	,,	11	,,	

सं० ए० 38013/8/82 ६०सी० —नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो ग्रधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीखुसे श्रीर दिए गए तैनाती स्टेशन से, निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:

	-	•	
ऋम सं०	नाम भौर पद नाम	तारीख	म तैनाती स्टेशन
€	र्वश्री		
1. एस	त० सुबह्मण्यन, सहायक तकनीकी श्रधिकारी	30-6-82	2 (ग्रपराह्न) वै० सं० स्टेशन,
			मद्रास
2. स	क्ष्मण पालीयट, सहायक तकनीकी श्रधिकारी	30-9-82	(श्रपराह्न) वै० सं० स्टेशन, मद्रास

दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० ए० 32014/2/82 ई०सी० (पार्ट)—महानिदेशक नागर विमान्न ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके द्वारा उच्च-तर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारिख से सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ शाधार पर नियुक्त किया है भौर इन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रम सं० नाम		वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेणन कार्यभार की तारी	ग्रहण करने इ
	सर्वेश्री			
1.	ए० एन० परांजपे	वै० सं० स्टेशन, धहमदाबा द	वै० सं० स्टेशन, केशोद 🏸 1-3-8	2(पूर्वाह्म)
2.	एच० सी० सचदेव	बैं० सं० स्टेणन, विल्ली	वै० सं० स्टेशन, जम्मू 20-3-8	2(,,)
3.	श्रार० एन० मेहता	नै० सं० स्टे शन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई 24-2-8	2(,,)
4.	एन० जयरामन	वै० सं० स्टेशन, ब्रंगलीर	वै ० सं० स्टेशन, तिरूपति 25-2-8	2(,,)
5.	एस० एस० ग्रेवाल	वै०सं० स्टेशन, विस्ली	वै० सं० स्टेशन, कुद 30-4-8	•

सं० ए-31011/1/81 ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में संचार प्रधिकारी के ग्रड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:-

कम सं० नाम	तारीख
सर्वेश्री	
 एच०एल० श्रीवास्तव 	7-8-78
2. श्राई० डी० शर्मा	7-8-78
 पी० के० कपूर 	30-11-78
4. ए० के० गुलाटी	9-1-80

दिनांक 10 जनवरी 1983

सं० ए० 32013/4/80 ई०सी० (पार्ट)—इस विभाग के दिनांक 1 प्रक्तूबर, 1981, 21 जनवरी, 1982 श्रीर 5 फरवरी, 1982 की श्रिधसूचना सं० ए० 32013/4/80 ई० सी० (पार्ट) के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित पांच श्रिध-कारियों की नागर विमानन विभाग मे सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है:—

ऋम०सं	० भाम	तारीख
	सर्वश्री	
1.	एस० के० महेश्वरी	29-10-82
2.	बी० एन० एम० राव	31-10-82
3.	एस० के० सरस्वती	31-10-82
4.	सुशील कुमार	31-10-82
5.	पी० एस० मलिक	31-10-82
		<u> </u>

प्रेम **चन्द्र**, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

सं० ए० 38013/1/82 ई०ए०--क्षेत्रीय निदेशक, विस्ली के कार्यालय के श्री सी०बी० रामसिंहानी विमानक्षेत्र श्रिधकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर विमांक 30-11-1982 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० ए० 19011/22/82 ई०-I-- महानिवेशक नागर विमानन कार्यालय के श्री एम० एम० मिलक, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी, निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फल-स्वरूप दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 12 जनवरी 1983

सं०ए० 32013/10/82ई०1—राष्ट्रपति ने श्री टी० श्रार० चन्त्रमोलि, उप निदेशक विमान मार्ग श्रीर विमान क्षेत्र को जो इस समय तदर्थ श्राधार पर निदेशक, विमान मार्ग श्रीर विमान क्षेत्र के पद पर काम कर रहे हैं, विनोक 23-11-82 से नियमित श्राधार पर इसी ग्रेड में नियुक्त किया है।

> श्रोम प्रकाश जैन सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1983

सं० 1/3/83-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एसद्द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री पी० ए० काबले को 1 विसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रुप से उप परियात प्रवन्धक नियुक्त करते हैं।

सं 0 1/426/82-स्था०-विदेश संचार सेवा के महानिदेशकं एतद्दारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री यू० ए० रीझवी को 16 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में सहायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं।

सं 0 1/430/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्शारा नई दिल्ली शाखा के सहायक प्रशासन श्रधिकारी, श्री नरेन सिंह को 30 दिसम्बर, 1982 के पूर्वीह्न से श्रागामी श्रादेशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मल्होता उप निवेशक (प्रशा०) कृते महानिवेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमाणुल्क व केन्द्रीय उत्पादन णुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० 2/83—श्री दुर्गा प्रसाद ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंद्रालय, राजस्य विभाग के दिनांक 6-12-82 के मादेश सं० 207/82, फा० सं० ए० 32012/8/82-प्रशा० 2 के मनुसार सीमाशुल्क व उत्पादन शुल्क और स्वर्ण नियंवण के प्रपील प्रधिकरण की बिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानान्तरण हो जाने पर दिनांक 18-12-82 (पूर्वाह्र) को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमाशुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि (वर्ग क) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० बी० सरकार, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय अल श्रायोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० ए० 19012/989/82-स्था० पांच--- श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री एस०सी० चौधरी, पर्यवेक्षक को रु० 650-30-740-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 26 मार्च,

1982 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णत: श्रस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/1016/82 स्था० पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री के० ग्रार० शिवरामन पर्यवेक्षक को रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में ग्रिति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड मे 10 विसम्बर, 1982 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की प्रविध के लिए ग्रथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य, श्रवर संचित्र केन्दीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिंल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1983

सं० 33/3/81 ई०सी० 9—निर्माण महानिदेशक के०लो० नि०वि०, संघ लोक सेवा ध्रायोग के निम्नलिखित नामितों को सहायक उद्यान निदेशक के नाते अस्थायो पदों पर सामान्य केन्द्रीय सेवा (ग्रुप "ख") में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/के वेतनमान में उनके नामों के ध्रागे दर्शायी तिथियों से नए ध्रादेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम० सं०	नाम	-	उद्यान नियुक्ति		
1.	सर्वेश्री जिले राम			25-8	
2.	बां कें ला ल (ग्र नु० जाति	r)		•	राह्न) 8-82

- 2. दोनों श्रधिकारियों को ऊपर दर्णाये श्रनुसार सहायक उद्यान निदेशक के नाते उनकी नियुक्ति से 2 वर्ष की श्रवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा गया है।
- वह वैतनमान में कम से कम वेतन ग्रहण करेंगे श्रर्थात रुपये 650/- प्रतिमाह नियमानुसार ।

ए० के० नारंग, प्रशासन उपनिदेशक प्ररूप भार्दे .टी .एन् .एस . -----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज कार्यालय, पुणे
पूणे, दिनाक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश स० सि० ए० 5/780/एस० भ्रार० मावल/ 82-83--यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके विश्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० न० 114/1, कुणे गाव, वाकसई माधल है तथा जो जिला पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 'तारीख 15-5-1982

को पृत्रींकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का , निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ब्रुत्यरण से हुइ किसी नाम करी वावत , उच्छ अधिनियम के अधीन के इ दोने के ज़न्तुरक के वाबित्य में कमी करने या उससे ब्रुबने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए भा जियाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- 1. मैं० राजमायी एरिया डेवलपमेट कारपोरेशन, भागीदार (1) कृष्णराव घोडीबा भेगड़े, (2) हरीभाई हिराजी सोलंकी, (3) भ्रण्णा महादेव शेलार, तलेगाव दाभाड़े तालुका मावल, जिला पूना।

(भ्रन्तरक)

2. मैं ० हैपी ह्युली कारपोरेशन, भागीवार (1) नरेन्द्र सिंह जी, चुडासया, (2) डा० रामराव कलमाडी, (3) मिसेस सुनीता योगेन्द्र निवेदी, (4) सवाईलाल सेठ, (5) मिसेस बी० श्रार० पटेल, पूना काफी हाउस, 125 जगली महाराज रोड़, पूना-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबंकित स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसर्वी

बिना खेती का दुकडा जो स० नं० 114/1, कुणे गाव वाकसई मावल जिला पूना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख के 848 जो 15-5-82 को दुथ्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाबक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, पूना

तारी**ख** . 22-12-1982 मोहर प्ररूप आर^द. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कार्यालय, पुणे पुणे, दिनांक 22 दिसम्बर 198**2**

निर्देश सं० सि० ए० 5/779/एस० ग्रार० मावल/ 82-83--थतः मुझे, मिशकांत कुलकर्णी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 110 कुणे गांव (नाम मावल) है तथा जो मावल जिला पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दुव्यम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीक'रण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-5-1982

को प्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निय्निलिखत उद्योग्य से उन्त अन्तरण जिन्ति में वास्तियक कप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसत व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. मैं० राजमायी एरिया डेवलपमेंट कारपोरेशन, भागीदार (1) कृष्णराव घोंडिबा भेगड़े, (2) हरिभाई हिराजी सोलंकी, (3) भ्रण्णा महादेव शेलर, तलेगांव दायाडे तालुका मावल जिला पूणा।

(भ्रन्सरक)

2. मैं० हैपी ह्नली कारपोरेशन भागीदार (1) नरेन्द्र सिंह जी मानसिंहजी चुडासमा, (2) डा० शामराव कलयाडी (3) श्रीमती सुनीला योगेन्द्र न्निवेदी, (4) सवाईलाल सेठ

(5) श्रीमती बी० श्रार० पटेल, पूना काफी हाउस,

1250, जंगली महाराज रोड़, पूना-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नहीं को उस सम्माय में दिया ग्या है।

अनस ची

बिना खेती का टुकड़ा जो सं० नं० 110 कुणे गांव (माणे मावल) वाकसई, मावल जिला पूना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 847 जो 15-5-82 को दुय्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-12-1982

प्रस्य आइ. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज कार्यालय, पूणे पुणे, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सि० ए० 5/781/एस० ग्रार० नासिक/ 82-83--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 सं० नं० 512/3 है तथा जो न्यू बाम्बे श्राग्रा रोड़, नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ञ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-6-1982

प्रतिकल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकाल से एसे रूपमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित् में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपल बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाए/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धेनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ध्विपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा- 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारण (1) के अधीन, निम्मुलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः :---

 कुमारी शोभा भी० वाणी, जोनेश्वरी, शरणपुर रोष्ट्र, नासिक→2।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० एच० जोशी , 9, श्राद्वैत कालोनी, शरणपुर रोड़, नासिक-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त स्म्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्म सम्परित् के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सु से 45 दिन की अविध या तस्त संधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्य क्रियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत मधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

जमीन का खुला टुकड़ा तं० 12, स० नं० 512/3, बाम्बे भाग्रा रोड़, नासिक में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 4323, जो 28–6– 82 को दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत जुलकर्णी सक्षम प्राघिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कार्यालय, पुणे

पुणे, दिनांक 3 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सि० ए० 5/एस० म्रार० हवेली 1 पुणे/ 776/82-83--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नं० 732 ए, हिस्सा नं० 253, पुणे सतारा रोड़, बिबवेवाडी, पुणे-9 है. तथा जो बिबवेवाडी पुणे-9 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वुय्यम निबंधक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है औं मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 (1) मैसर्स सन्धर एन्टरप्राइजेज,
 8-2 सन्धर प्रपार्टमेंटस् लक्ष्मीनारायण थियेटर के सामने, पुणे-सतारा रोड़,

फर्म के भागीदारों के नाम:

- (1) श्री कुमारपाल मंगलदास गाह
- (2) सौ० तारामती जयंतीलाल शाह
- (3) सौ० जसुमती जयंतीलाल खचंद गाह
- (4) सौ० सुवर्णा रमेश शाह
- (5) सौ० वर्षा दीपक शाह,

1181, णुक्रवार पेठ, पुणे--2

(भ्रन्तरक)

 जिला प्रिमाईसेस को० श्राप० सोसायटी लि०, जिला चैम्बर्स, सं० नं० क32/ हिस्सा नं० 2 श्रौर 3, पुणे-सतारा रोड़, पुणे- 9

सोसायटी के सभासदों के नाम:

- (1) श्री कुमारपाल मंगलदास शाह (चीफ प्रमोटर)
- (2) श्री जयतीलाल मंगलदास शाह
- (3) सौ० तारामती जयंतीलाल शाह
- (4) सौ० उपाबेन कुमारपाल शाह
- (5) श्री श्रण्णा नकुरा माह
- (6) श्री गौतमराज चंपालाल लालेसरा
- (7) श्री नाथालाल वेणीदास पटेल
- (8) श्री रमेश बाबाजी कदम
- (9) श्री सुरेश मी० भंडारी
- (10) श्री अमरचंद बी० मूलचंदानी
- (11) श्री गिष्ठराज एस० धनवानी
- (12) डा० ग्रशोक डी० साठे
- (13) डा० एस० ह्वी० मडकीकर
- (14) डा० विजय पी० बागडे
- (15) मै० कारमेन ट्रांसपोर्ट कं० भागीदार श्री एस० पी० मेहेंदले।

(16) श्री के० एस० परदेशी।

सभी का पता—जिला चैम्बर्स, पुणे-सतारा रोड, हिस्सा नं० 2 भौर 3 पुणे-9। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी जो सं० नं० 732 ए, हिस्सा नं० 2 थ्रौर 3 जिला प्रिमाइसेंस को० थ्रा० सोसायटी लि०, जिला चैम्बर्स पुणे-सतारा रोड़, पुणे-9।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 245 जो मई 82 को दुय्यम निबंधक हवेली 1 पुणे के बफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत ्कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी

सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पुणे

पुणे-411001, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सि० ए० 5/782/एस० श्रार० करवीर/ 82-83--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर से अधिक है

श्रौर जिसकी सं सि स नं 1731/36, है तथा जो बी बाड, कोल्हापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बुय्यम निबंधक, करबीर में, रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-6-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गईं है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तद्व प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के धामित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैनधा के लिए।

अत्तः अव, उक्त अधिक्रियम की भारा 269-ण के, अबूलरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, मर्थातु:—— श्री सुरेश विष्णुपंत ऐतवडेकर सि० स० नं० 1731/ 36, बी० वार्ड, कोल्हापुर। (श्रन्तरक)

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती तानुबाई महादेव पाटील

(2) यशवंत महादेव पाटील, कसबा बीड ता० करवीर, कोल्हापुर। (अन्तृरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बंध में कोई भी म्राक्षेप ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अभ्यास में दिया गमा है।

अनुसूची

जमीन श्रौर उसके ऊपर का मकान सि० स० नं० 1731/36, बी० वार्ड कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2184 जो 11-6-82 में दुय्यम निशंधक करवीर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-6-1982

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे

पुणे-411004, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सि०ए० 5/एस० म्रार० कल्याण/770/ 82-83--यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 327ए० हाउस नं०1/2, ठाकुरली गांव, डोबिवली है तथा जो कल्याण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 1ञ्र) जके अधीन, तारीख 9-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एेसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्नीलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण निर्मित स्तिस्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मिक्या के लिए;

बत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— 3—446GI/82

1.~(1) श्री विनायक नीलकण्ठ पटवर्षेत

(2) श्रीमती वृदा मनोहर पटवर्षन

(3) कुमारी भावना मनोहर पटवर्धन

(4) कुमार हरिष मनोहर पटवर्धन

पटवर्धन हाउस, महात्मा गांधी रोड, डोबिवली (पश्चिम), .ठाणे।

(अन्तरक)

2. मै० समर्पण को० आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड 13, उषा अपार्टमेंट्स, महात्मा गांधी रोड़, डोबिवली (पिश्चम) ठाणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में फिए आ सकार :

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर का मकान सं \circ नं \circ 327-ए, हि \circ नं \circ 1/2 भाग ठाकुरली गांव ता \circ कल्याण क्षेत्र—658 स्क्वेयर मी \circ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कः 1383 जो 9-7-82 को दुस्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कृतकर्णी, सक्ष्म अधिकारी स्रहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आई°. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 643/अर्जन/82-83—अतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हीं). की धाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विहवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उीचत बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० हो० सं० 173 सर्किल सं० 9, वार्ड सं० 11 है तथा जो एग्जीवीशन रोड़ पटना 1 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता मिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 के (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1982

को पूर्वोक्त संपीत के उिच्त बाजार मृल्य से कम के दिश्यमाम प्रितफल के लिए अंतिएत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पीत्त का उिचत बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्दूह प्रसके दश्यमान प्रतिफल का पन्दूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तिरती (अन्तिरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेर िकसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, िखपाने में स्विधा के ितए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के. के उक्त अधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जधीत, निम्मतिहिहा व्यक्तियों, अर्थात :--

मै० श्रार० के० मियन बेलूर मठ हावड़ा।
 अन्तरक

2. मैसर्फ लौलीज इन्टरप्रांइसेस (प्रा०) कं० एम्जीबीग्रन रोड़, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्व में प्रकाशन की तायेख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 45293 स्क्वायर फीट (वर्ग फीट) साथ में मकान जो एग्जीबीशन रोड़ पटना 1 में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप में वसीका सं० 4815 दिनांक 19-5-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंध न जिला अवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हम्रा है।

प्रबोध कुर्मार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत, बिहार, पटना

> तारीख: 27-12-1982 मोहर:

प्रस्तप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निदेश सं० III 642 /श्रर्जन/82-83, श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाद उपन, प्रसात अधन दाकार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० सर्वे प्लाट स० 722 (पार्ट) हो० स० 213/191 (पार्ट) सिकल स० 9, वार्ड स० 2, सीट स० 32 है तथा जो बृज किशोर पथ (ए जीवीशन रोड़) पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप चे विणत है), रजिस्द्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 के (1908 का 16) है के श्रीन, तारीख 17-5-1982

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को फिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

स्तु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्टित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती म्राणा प्रसाद पत्नी प्याम नन्दन प्रसाद म्राम मुसापुर थाना पो० समस्तीपुर जिला समस्तीपुर वर्तमान पता बाकरगंज, पटना-4
 (ग्रन्तरक)
- 2 श्री करम चन्द थापर एवं ब्रद्धमं (सी० एस०) कं०, थापर हाउस, 25 बरवौरन रोड़, कलकत्ता~1 वर्तमान पता एग्जीवीमन रोड़, पटना—1 (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति क अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में निए जा सकेगी।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्तवा 1 कट्ठा है जिसमे नया गोदाम बना है, जो ब्रज किशोर पथ (एग्जीवीशन रोड़) पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वासिका सं० 4683 दिनांक 17-5-1982 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पटना के द्वारा सम्पन्न हुम्ना है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिकोस, विहार पटना

तारीख: 27-12-1982

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

जायकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्नक्तु अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खाता नं० 5, प्लाट नं० 728, 729, 730 मौजा हीरापुर नं० 7 है तथा जो धनबाद मोहल्ला हीरापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-5-1982

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हम से विश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की दायित्य में कमी अपने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री महेन्द्र नारायन सिंह पिता श्री रंजीम सिंह मोहल्ला हीरापुर, पोस्ट जिला धनबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री श्रम्भु शरण ठाकुर
 - (2) श्री शंकर शरण ठाकुर,
 - (3) श्री सुनील कुमार ठाकुर,
 - (4) ग्रशोक कुमार ठाकुर,

मोहल्ला हीरापुर, पोस्ट-धनबाद, जिला धनबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

अमीन जिसका रकवा 13 कट्टा है तथा जो मौजा हीरा-पुर, धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बसिका सं• 6262 दिनांक 20-5-1982 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक धनबाद के द्वारा संपन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सङ्खायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 24-12-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

काय्कार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निदेश सं० III 639/ग्रर्जन/82-83---ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव पुराना होल्डिंग नंव 14, नया होल्डिंग नंव 17 सर्किल नंव 8 बार्ड नंव 5 है तथा जो उर्दू बाजार रोड़, भागलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भागलपुर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14-5-1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सूर्णतः :--

- (1) श्री रामेशक्षर लाल जैन बस्द स्व० मंगी लाख जैन.
 - (2) श्री पदम कुमार जैन वल्ब श्री रामेश्वर लाल जैन,
 - (3) श्री विनोद कुमार जैन वल्द श्री रामेश्वर लाल जैन,
 - (4) श्री राज कुमार जैन ग्रवयस्क पुत्न श्री रामेश्वर लाल जैन,
 - (5) श्री धरमचन्द्र जैन बल्द स्व० मंगी लास जैन.
 - (6) सर्वश्री दिलीप कुमार जैन बस्य श्री धरम चन्द जैन, प्रदीप कुमार जैन, संजय कुमार जैन, राजेश कुमार जैन, श्रनिल कुमार जैन, सभी चारों पुल श्री धरम चन्द जैन के प्रवयस्क हैं। उपरोक्त सभी सुभाषगंज, भागलपुर के निवासी हैं। (अन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी खेमका जौजे श्री बद्री प्रसाद खेमका उर्दू बाजार रोड़, भागलपुर। (ध्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 11725 स्क्वायर फिट है तथा जो उर्दू बाजार रोड़, भागलपुर में स्थित है जो पूर्ण रूप से वासिका सं० 5926 दिनांक 14-5-82 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन, जिला भवर निबन्धक, भागलपुर के द्वारा संपन्न है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 24-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. प्स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, विनांक 27 दिसम्बर 1982

निवेश सं० III-640/ग्रर्जन/82-83---ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

बायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ांलिंडग सं 6 है तथा जो कालीमाटी रोड, साक्वी, जमगेदपुर, जिला सिंहभूम में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जमशेदपुर में रिजस्ट्रीकर्रण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 19-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिफल से (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलस्त उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त आधानयम का धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) तारील : 10-8-1982

- 1. श्री लाल चन्य मगन लाल वरूद स्व० मगन लाल कालीदास वोशी निवासी होल्डिंग सं० 6 एवं 7, काली माटी रोड़, थाना सांक्ची, जमशेवपूर (ग्रन्सरक)
 - 2. (1) श्रीमती कान्ती देवी (2) श्रीमती श्रंजू देवी
- (3) श्री राजू कुमार वर्मन, सभी निवासी गुरुद्वारा बस्ती, थाना मानगो, जमशेदपुर (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्मेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताअरी के पास निखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमा प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि वसिक सं० 4277 दिनांक 19-5-1982 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन प्रवर निबन्धक पदाधिकारी जमगोदपुर के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 27-12-1982

मोह्नर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निदेश सं० III 636/ग्रर्जन/82-83-प्रत: मुझे, प्रसोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिस्वास करने था कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० तौजी सं० 228, खाता नं० 533, खसरा नं० 69 होर्लिंडग नं० 99सी है तथा जो मौजा ढकनपुरा लोदीपुर, बोरिंग केनाल रोड़, पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखा 20-5-1982

की पूर्वीक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उल्क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- श्रीमती सबिता देवी धर्मपत्मी श्री सुनील कुमार बनर्जी निवासी बेलन बाजार, डा० जिला मंगेर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रजीत सिंह धर्मपत्नी श्री रामवतार सिंह निवासी श्रजित निकेतन, बोरिंग कैनाल रोड़, पटना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्वतीकरण:---इसमें प्रभूक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन मय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रक्का एक कट्टा साढे बारह धुरष्ट तथा जो मौजा दकनपुरा, लोदीपुर, बोरिंग कैनाल रोड़, पटना, में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बिसका सं० 4823 दिनांक 20-5-1982 में विणित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक, पटना के द्वारा संपन्न हुआ है ।

प्रकोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, परिक्षेत्र, बिह्दर, पटना

तारीख: 24-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 641/म्रर्जन/82-83-म्बतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० होल्डिंग सं० 7 है तथा जो कालीमाटी रोड़ साक्ची बाजार, जमशेदपुर, जिला सिंहभूम में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जमशेदपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यथने में सुविधा के लिए जौर/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री लाल बन्द मगन लाल वल्द स्व० मगन लाल कली दास दोशी निवासी होल्डिंग सं० 6 एवं 7, सांक्ची बाजार, थाना सांक्ची, जमशेदपुर। (श्रन्तरक)
- (1) श्रीमती गीता देवी, (2) श्रीमती कुन्ती देवी,
 (3) श्री राजेन्द्र कुमार,

सभी नियासी गुरुद्वारा बस्त्ती, जाना मानगो, जमशेदपुर । (श्रन्सरिती)

को <mark>मह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर नम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकींगे।

स्पव्योकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 600 स्क्वायर फिट है तथा जो कालीमाटी रोड़, साक्ची बाजार, बमगेदपुर जिल सिंहभूम में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संब 4278 दिनांक 19-5-1982 में विणित है तथा जो प्रवर निबंधक पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख: 27-12-1982

मोहरः

प्ररूप आहर्ः टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 24 दिराम्बर 1982

निर्देश सं III 638/ग्रर्जन/82-83--- ग्रतः मसे, प्रबोध कुमार दुवे,

नायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरः सम्पत्ति, जिसकाउचितवाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी 111/1 पूराना होल्डिंग सं० 82 नया होल्डिंग नं० 52/68 सर्किल नं० 235 है तथा जो हार्डिंग रोड, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 24-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित् बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अम्तरण सेहुई किसीबाय कीवावत, उक्त महिंप्नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए: और/या
- ं(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अद्, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ग के अनस**र**ण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री निखिल बन्धु भौमिक वल्द स्व० राय बहादुर जगत बन्धु भौमिक वर्तमान पता यू०-118, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110016। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राज कूमार जैन वल्व श्री पदम सिंह जैन निवासी जैन निकेतन, आकघर पटना जी० पी० ग्रो० जिला पटना । (भ्रन्तरिती)

को सप्त सुचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी खुसे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बन्स्यी

जमीन मय मकान जिसका रकबा 1560 स्वयायर फिट है तथा जो हांडिंग रोड, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 4934 दिनांक 24-5-82 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन, जिला ग्रवर निबन्धक, पटना के द्वारा संपन्न हुन्ना है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 24-12-1982

मोष्ठर 🕄

4-446GI/82

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III 635/म्रर्जन/82-83--म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज तौजी संज 228, खाता नंज 533, खसरा नंज 69, होडिंग नंज 99 सी है तथा जो मौजा ढकनपुरा लोदीपुर, बोरिंग कैनाल रोड, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अक्टरिव की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है मौर अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तिकों) के बीच ऐले बश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से जनत अन्तरण जिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्रीमती सविता देवी, जौजे श्री सुनील कुमार बनर्जी निवासी बेलन बाजार, डा०/जिला मुंगेर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री 'राम श्रौतार सिंह पिता श्री जितन सिंह निवासी श्रजीत निकेतन, बोरिंग कैनाल रोड, पटना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त घाटों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला पक्का का मकान जिसका रकबा एक कट्ठा साढ़े बारह धुर है तथा जो मौजा ढकनपुर, लोदोपुर, बोरिंग कैनाल रोड, पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 4824 दिनांक 20-5-82 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक, पटना में द्वारा संपन्न हुश्रा है।

> प्रबोध कुमार दू_{बे} सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन परिक्षे**ट; बिहा**र, पटना

तारीख: 24-12-1982

प्ररूप आई⁵. टो. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III 634/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टिस्को होल्डिंग नं० ए० है तथा जो इम्पेरियल बैंक एरिया (ठीकेदार क्षेत्र) थाना बिस्टुपुर, शहर जमशेदपुर, जिला सिंहभूम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जमशेदपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गिताफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--

- 1. (1) श्रीमती श्रभिता राय पुत्री स्व० डा० एस० एम० दत्ता.
 - (2) श्रीमती श्रनिता गूहा, पुत्नी स्व० डा० एस० एम० दत्ता, -सभी वर्तमान निवासी, महल्ला बिस्टुपुर, जमशेदपुर। (श्रन्तरक)

 श्री दुर्गा प्रसाद सरोगी वल्द स्व० रामेणवर लाल सरोगी, गुरुवा रोड, कैंशर बंगलो, थाना कदमा, जमणेदपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकष्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन मय पक्का दो मंजिला मकान जिसका रक्का 01-192 एकड़ है तथा जो महल्ला बिस्टुपुर थाना बिस्टुपुर शहर जमशेदपुर, जिला सिंहभूम में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका नं० 4647 दिनांक 26-5-82 में विणत है तथा जो जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा पंजीकृत है।

प्रक्षोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन परिक्षेत्न, बिहार, पटना

तारीखा: 22—12—1982

प्रस्प आइ. टी. एम. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाक 21 दिसम्बर 1982

निदेश सं० III 633/म्रर्जन/82-83--यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी तौजी सं० 91, खाता सं० 251, प्लाट सं० 311 प्रौर 340 हो० स० 316 है तथा जो पाकुर, जिला संथाल परगना मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यात्रय, पाकुर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-5-1982

को प्वांक्त संपित्त के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक क्ष्म से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- 1. (1) इलाही बक्स पिता स्व० हाजी नबी
 - (2) मो० रहमतुल्लाह पिता स्व० छेदी मियां
 - (3) (क) जमीला खातून पति मो० कमरद्दिन
 - (ख) मो० निजाम उद्दीन
 - (ग) मो० ग्रमीर उद्दीन
 - (घ) मो० शमीम उद्दीन

सभी के पिता स्व० मन्द्रल मजीज

- (4) (क) मो० खलीलुर रहमान
 - (ख) मो० जलील
 - (ग) मो० दिलदार हुसैन
 - (घ) मो० श्रनवार श्रली
 - (इ) मो० ऐनुल हक
 - (च) मो० फिदा हुसैन सभी के पिता स्व० पियार मोहम्मद
 - (छ) मोतम्मात लतीकन बेवा पति स्व० पियार मोहम्मद
 - (ज) मो० इनराफिल पिता मो० रहमान ग्राम पाकुर, हरिण बाजार, थाना-पाकुर उगां सन्थाल परगना। (ग्रन्तरक)
- 2 मैंसर्स श्याम बीडी वर्क्स, मानिकपुर बादा (यू० पी०) द्वारा पार्टनर श्री श्याम चरण गुप्ता पिता—श्री तीरथ प्रसाद गुप्ता, ग्राम मानिकपुर, पोस्ट थाना—मानिकपुर बादा, (यू० पी०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जनु के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या शत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सुकेंगे।

स्पद्धीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उन्ह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

जमीत मय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रक्षा 11 बिबा 3 कट्ठा 5 घुर है तथा जो पाकुर, जिला संधाल परगता में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 1876/ 1862 दिनाक 12-5-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पाकुर के द्वारा संपन्न हुन्ना।

प्रबोध कुमार दूव

सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 21-12-1982

मोहर 🛭

प्रकप आई० टी• एत• एस०----

1. श्री एस० रामस्वामी

(भन्तरक)

2. श्री एस० एन० सिवरामन

(अन्द्वरिखी)

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश सं० 17249—यतः, मुझे, भ्रार० पीं० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रौर जिलकी मं० 36, सेनटाफ रोड I लेन है, तथा जो जी० एस० कालोनी, मद्रास-14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेंट सं० 899/82) में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के प्रर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः --- इसये प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण-36, सेनटाफ रोड, I लेन, जी० एस० कालोनी, मद्रास-14 (डाकूमेंट सं० 899/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-U, मद्रास

मद्राभ, दिनांक 5 जनवरी 1983

निदेश मं० 17262:—यत:, मुझे, श्रार० पं/० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन मक्षम आधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर एम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक है

श्रीर निक्षका मं० 15, लिनापुरम स्ट्रीट, रायपेट्टा है तथा जो मद्राप-14 में स्थित है (श्रीर इपसे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता श्रीधकारी के कार्यात्रम, भैलापुर (डाक्र्पेट मं० 976/82) मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत से नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक कर्प से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, रिजन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिष्टित व्यक्तियों, अर्थास् :—

- 1. श्र्या ए० पी० ईसवरन श्रौर ए० पी० कन्नप्पन (श्रन्तरक)
- 2. श्री के० रामनातन सरवै

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारो करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि ग्रौर निर्माण—15, ललितापुरम स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्रास—14 (डाकूमेंट सं० 976/82)

> म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजन रोज-II, मद्रास

नारीख: 5-1-1983

मोहरः

प्रारूप आई¹.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 जनवरी 1983

मं० 17208—यत., मुझे, श्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सर्वे स० 198/24, वीरबद प्रय्यर स्ट्रीट, है, तथा जो नुनगमबाकम, मद्राम में स्थित है (श्रौर इमें उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्राम गाऊथ (डाक्सेट स० 1624/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबट, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्योक्तयो, अर्थात् :--- 1. श्रीमती के० चन्द्रकुमार कानतारे

(ग्रन्तरक)

३ श्री घौरि एटरप्राइसैस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अमिध या तत्मंबधी व्यवित्यां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिध, जो भी अमिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 198/24, वीरवद्र श्र²यर स्ट्रीट, नुनगमबाकम, मद्रास (डाक्मेड सं० 1624/82)

> म्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज-II, मदास

तारीख: 5-1-1983

मोह्नर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269•म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-11

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० 17198---यतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1/4 है, तथा जो कोतारी रोड, मद्रास-44 में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाक्मेंट सं०936/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, (1908) 1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे छह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, देशे दृश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण पे हुई किसी भाग की बावत, उक्त श्रीध-नियम, के अधीन कर देने के भग्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी वन या भरय भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः भव, उक्त ग्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कुँ अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः → 1. श्री एन० समबनदम

(भ्रन्तरक)

2. सती बरतन श्रौर ग्रदरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उरत सम्बन्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में ठोई भी प्राक्षेप ४---

- (क) इस दूवना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 कित की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविद्या वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस पूजना के राजपत में अभाषान की जारीत से 45 दिन के भीतर जब्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्राम व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रश्टो हरग:---इनमें प्रयुक्त अब्दों ग्रीर पढ़ों हा, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयंहागा, जो उन्न ग्रध्सा में दिया गया है।

जनसूची

भूमि श्रौर निर्माण 1/4, कोतारी रोड, मद्रास 34 (डाकू-मेंट सं० 936/82)

श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IIमद्रास

तारीख: 7-1-83

मोहर 😗

प्रस्तु आई. टी. एत. एस. -----

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 टार 43) को धारा

Mark Date Court Devices of the Control of the Contr

269-प (1) ः अधीन सूरका

भारत रारकार

कार्यालय, सहायक जागाज्य आपुनत (निरीक्षण)

म्रजैन रेंप-११ राजा

मद्राप्त, विलांक 10 पनानी 1983

सं । 17224-यन : सुते, यार वरीव मिल्

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसने परनात् 'उत्त अधिनियम' दना गटा हो), की धारा 269-ख के अभी शक्षम प्राधिनादी के सन् भिनाम करने का कारण है कि स्थायर सम्बंधि, 'उन्ता उध्यत दाजार सक्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रीर निका मं० मार० ए: है एम 93 नैर 93/1 जो मार्जेट रोड पद्मा- 2 में स्थित (गोन इ.ते जमाद अनुमूचं ने श्रीर पूर्ण रूप में विगम है, पीरिस्तियों

मधिकारी के कार्यान्य, दिगील ेत (इंग्यूनेट एं॰ 447/82) में भारतीय रिजर्ट्यकण्य ग $^{-1}$ म, 1903 (1908 का 16) के मधीन मई 1982

को पूर्वोत्तत संपीत्त के विनात पार राजा से एम के प्यम्भाय प्रतिफल ते लिए अन्तरित की गर्म है और मृज यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्यों से रम्पोल का टीनत बाबार मृल्य, उपके क्ष्यमान प्रतिफल से, एमें एक्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से बोधक है बार अंतरक (अंतरित्यों) को बीच एसे अन्तरण से लिए तम पामा ग्या (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्मीलीखत उद्वेशों से एका अन्तरण निनित्त में वास्तिविक रूप से किथत नहीं विकास ग्या है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीर कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उसने सचसे में स्विधा के लिए: और/या

(ब) ऐसी किसी काय या ि ये था श्रा शिंतियों को जिस्से भारतीय का गर वी 'नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भींगोनव्यम, या अनकर अधिनयस 1917 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सर्नार्ती हारा पाउ नहीं हिल्ल ग्रा था या किया जना होत्रए पा खिलारों या गृत्यसा के निए।

अतः अव उन्ता अधिनयम की भारा 269-म हो आग्रण में, में, उवत अधिनयम की यारा 269-म हो एवणारा (1) के अधीम, निम्मितिकत क्यिन्तरां, मर्थात :—— 5—44661/82

 मी द्वारा ठाल्ट्र कमन्स (पि०) लिमिटेड । (अन्तरक)

2. भी प्रसामाई किमानि।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारधाहियां श्रारू करता हूं।

उन्त समारित के सर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृष्या को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अगिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकनी के भीत पार व्यास्त अथेहस्ताक्षरी के पास तिलित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकण्यः—-इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि— आर० एस० सं० 13 और 93/1, मांडर रोड, मदास, 2 (1478/600 गेयर) (डाक्मेंट सं० 447/82)।

श्वार० पी० पिल्ले सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज- मद्रास ।

तारीख: 10-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार क्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीत सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयदार जागुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-मदार

मद्राश, दिनांफ 10 जलवरी 1983

स० 17226:—--रतः सुष्ठे, श्रार० पी० णिरले, बायकर राश्विनियम, 1361 1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात् 'टक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधी। सक्षम प्रतिपकारी को यह विशास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिनका उपित बाजार मूल्य 25,00%- क. से अधिक है श्रीर जिनकी नं० 41 है, तथा जो भन्न पालें (101/600 प्रेयर) में स्थित है, (श्रीर इपने उत्तरद्ध अपुस्चि मे श्रीर पूर्ण रूप से विणन है, रिवस्ट्री हती अधिजारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन (डाक्ट्रेंट सं० 416/82) में रिजन्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982 को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से वाम के दश्यमान प्रतिपत्न के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का राचित बाजार

मूल्य, समके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिजत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;~~

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंमी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :~~

- 1. हीराल कांस्ट्कशन्म (पि०) लिमिटेड। (धन्तरक)
- 2. थी सूरयनारायना श्रौर श्रदरस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मूमि 41. ग्रन्ना मालै, मद्रास-2 (डाकूमेंट सं० 416/82)।

श्चार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन र्रेज-II मद्रास

तारीख: 10-1-1983

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० 17419 — प्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके प्रश्वात् 'उस्त अश्वितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारा को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर संग्रीत जिसका उचित बाजार मुनः 25,000/- क• से प्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० 194, है, जो बेलन रोड मद्रात-5 में स्थित है, (श्रीर इसरो उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मद्रात नारत (डाक्मेट मं० 1791/82) में भारतीय रिजस्ट्री रूरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 82

को पूर्विक्स संपत्ति का उचित वाजार मुल्य से कम के द-श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्रा यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्विद्या सम्पत्ति का उित्त बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठा से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण तिलिन में बास्तिधक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया क्षेत्र, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 ए १९८८ श्राफ ईतवरदास नवलराय दधः नि द्वारा एक्जं १४ यूटर हनमतराय मेसाराम दधानि भीर अदरसः।

(भन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी प्रीतमदास तवानि।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरा करके पूर्वीक्त गम्पणि क अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपन्न ग प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवीर या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
 अयवित्यों में ने किसा व्यक्ति गर।;
- (ख) इस गुजना के राजपन्न में अनगरान का तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ने हितब है किसो अन्य न्यक्ति द्वारा धिश्रोहस्ताक्षरी के पान तिरिवन में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टीकरण --कामे बहुत। काटा भीर एवा ता. जो जनत प्रधितिताम है प्रध्याय 20-र में परिकाणित है ती राभे होगा जा उस प्रध्याय में विका गया है।

वन्स्यी

भूमि और निर्माण 194, बेलस राड, गद्राभ (डाक्मेट सं० 1791/82)।

> ग्रार० पी'० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज,मद्रास

तारीख: 6-1-1983

मोहर

प्ररूप द्याई० टी० एन० एस०⊸∽

1. ग्रार० मृनियापन वो० रनगस्वामी नायम्बर।

कार्यवाहियां करता हां।

को यह सूच्ता जारी करके प्वेक्त संपीत के अर्जन के लिए

उ वत संपत्ति के अर्जन के सबंध में कांडे भी आक्षेप :--

व्यक्तिय। म से नित्ती व्यक्ति द्वारा;

स्पट्टीकर्ग.--इसमें : कु अनी होर पहां का, जो उचत

विवायत में फिरए जा सकारी।

रयः हो.

(क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

(ख) इस मचन, कं राजन्त्र में प्रकादन की तारीब से

45 धिन के 'तिनर उनन स्थावर सम्पत्ति में वितबद

किया अर ीका खारा बदोहरणक्षरी के पास

वींशन्यम के व्यवास 20-क में परिभाषित हैं, गरे में होण, जो उम्म अध्यास में दिया

45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

स्चना की तःशेल से 30 दिन की अवधि, जो भी

अविध बाद में समान हांती हो, वो भीतर प्वांकत

2. श्री बनवारी लाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के ब्रधीन सूच्ता

(भन्तरिती)

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेक्षण)

प्रजीत रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० 12104:—श्रत: मुझे श्रार० पी० पिल्लै, वावकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उचत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संबीत, जिसका उीवत बाजार मृत्य

ग्रौर जिसकी सं० जी० एस० सं० 384/1 है, जो टेलुनगु-पालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता फ्रांधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्रर (डाक्मेट स० 2109/82) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 में 821 बास्तीवक रूप से की बता नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बर्धिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक की दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए:

25,000/- vs. if after 2

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हे कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संपीत्त का उीचत बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारे) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान निम्मीलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण् लिखित् में

मन सर्वा

भूमि जी एस० सं० 384/1, टेलुनगुपालयम (डाक्मेंट to 2109/82)

ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

> बत: बब, उवत विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उनत विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) को जधीन, निम्मीलिख्य व्यक्तियों, वर्थात् :--

तारीख: 7-1-1983 मोहर:

प्रकृप बाईं टी॰ एन॰ प्रा-

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269=व (1) के सबीत मुचना

भारत सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

श्रजैन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० 12105:—अतः नुझे, आर० पी० पित्लै, आपकर मधित्वम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रवाद 'उम्त भाषीत्वम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें प्रवाद प्रवाद 'उन्न भाषीत्वमारी का महिला करते का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिनका संगत सम्भार पुरुष 25,000/- रु अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जी० एस० सं० 384/1, है, जो टेलुनगु-पालयम कीयम्बदूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के जार्यालय, कोयम्बदूर (डाकूमेंट सं० 2108/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 में

नो प्रवित्त सम्पत्ति के उवित बाबार एउं। से कत हे वृश्यसान प्रतिकात के तिए प्रकार। को गई है होए एवं पर विश्वस करने का कारण है कि पश्चमंत्र करने का कारण है कि पश्चमंत्र क्ष्मण्य के पूर्व, उसके एवं एवं प्रतिकात को पूर्व, उसके एवं एवं प्रतिकात को प्रवित्त को प्रविद्य प्रतिकात से स्थित है होर अस्तरण (प्रकारकों) भी तीन ऐसे प्रकारण के लिए त्रव पाया गया प्रतिकात, तिस्तिलिखित उद्देश्य ने उसर प्रकारण कि लिए तिस्तिलिखित उद्देश्य ने उसर प्रकारण कि लिखत में वास्तिक हम से जावारण नहीं। का गया ने का स्थान से लिखत में वास्तिक हम से जावारण नहीं। का गया हो :--

- (म) मन्तरण में हुई, किये याम की बाबत, अभन प्रिमियम के घानी कर देने के प्रन्तरक के वर्णवरण में क्वी करने ना उससे बचने में सुविधा के स्थि; घौर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी यान या ग्रांच ग्रास्तियों को, जिल्ले गरतीय जायकार ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या ध्वक्कर प्रश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगंजनाय बन्तिरिती बारा अकट नहीं किसा यया या या किया जारी का हिए था, जियाने में कृषिशा के लिए;

बदः ब्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, में, उक्त की धीरा 269-व की खपपारा (1) कें बधीन, निम्निविधिद व्यक्तियों, व्यक्ति :—

- श्री वी० रंगस्त्रामी नाध्यर ग्रार मुनियप्पन । (ग्रन्तरक)
- श्री सोमसुन्दरम बिमला पलिनस्वामी । (अन्तरिती)

की यह सुबना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के मजंन के निष् कार्यनाहियाँ करता हूं।

उका सम्पति के अभैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीज से 45 िन की सर्वाध या तस्मन्त्रयी व्यक्तियों पर पूजना की नामोल से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी प्रवर्ध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीं नत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- ्व) उस पुनना के राजपत्र में प्रकामन की तारीब में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः—इमर्ने प्रमुक्त मध्य बोर पर्यो का, जो **दक्त** अधिनियम के ध्यत्याय-20क में परिमाषित है, यूनी सर्व होगा की सन प्रध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

भूमि जी एस० सं० 384/1, टेलुनगुपालयम \cdot (ठाकूमेंट सं० 2108/82)।

भार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मद्रास।

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

बार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 दिसम्बर, 1982।

सं० 9808:—यतः मुझे श्रार० पी० पिल्पै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 350, 351.1, 351.2, 399.2 402.1, 3402.2, 402.3 है, जो 408.1 बिलकनञ्पुरम श्रिरियन्लूर (डाक्सेंट सं० 942/82) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजल्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यांन्य, बिलकनञ्पुरम (डाक्सेंट सं० 942/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन गई 82 में।

को पूर्वा क्ल संपत्ति के उचित वाजार मुल्य से कम के स्वयं मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयं मान प्रतिफल से एसे स्वयं मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नि विश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किंशित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण के इन्द्र फिसी जाय की बाबत, उन्नर अधिनिका को अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में क्रजी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिस्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अक्तिक्टी हुनारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसारण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखत व्यक्तियों, अर्थास् :-- 1. श्री कृष्णमाचारी भौर भ्रदरस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रोलि मोहम्मद ग्रौर ग्रदरस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्ज़न के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपश्र भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्परिश में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाए अधंक्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकींगे।

स्थाकिरण --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**यी**

भूमि सर्वे सं॰ 350, 351.1, 351.2 399.2, 402.1 रा 402.2 402.3 408.1 बलिकनटपुरम ग्रिरियन्सूर (अन्कूमेंट सं॰ 942/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंभ रेंज, मद्रास ।

तारीख: 24-12-82

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी, 1983

एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्रित बाजार प्रय 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 121/डी है तथा जो राजा दिनेन्द्र स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है, (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-5-1982

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्दवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बीधनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त मीभरिनयम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिखिन व्यक्तियों, अर्थातु 🛶 🗝

1. श्रीमती पलका बाला साध्यां।

(श्रन्तरक)

2 श्रो यतराम उध्यां।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविविधा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वांक्त व्याप्तित्रयो में से रिहसी व्यादिस ब्रुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त र्शी भनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

121/डी, राजा दिनेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता 7 के 8छटां ---9वर्गफीट साथ भकान ! (1/3 मोयर)।

> एम० श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- Π^{\dagger} , कलकत्ता-16

तारीख: 3-1-1983

। शीमती बेला तेता।

(अन्तरक)

2 श्री मुकाजे जौर एसोधिनेट्स।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्मान्ति के अर्जन् के लिए कार्यवास्थि करता हू ।

उन्त सम्पीत के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन् की तारीख से 45 दिन की अविध्या परन्यम्बन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तायीदा से 30 दिन की सविध, जो भी अविशेष बादी में स्थाप्त होती हों, के भीतर ब्वेक्त व्यक्तियों से से किसी काबिस द्वारा,
- (व) इस सूचना के रायन्त्रों प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी बन्य व्याप्त इराय अधिस्ताक्षरी के पार विशेषत में किए या सकेंगे।

स्पाद्धीतारण:---रससं प्रमूक्त राज्यों को जो, जो चक्क जीधीनयम को अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, दृती अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिय गया है।

अनुसूची

21, मुलेन म्ट्रीट, इनकता 13 के 3 छटां 23 वर्ग फुट जमीन पर मकान।

एम॰ श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
प्रस्पक व्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रक्तेन रेज-III, कलकत्ता

प्ररूप आइ°. टी. एत्. एस. ----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं॰ 1204/एसीक्यू-प्राप्त-III/82-83:—-पत्तः गुझे,

एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ण्वनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह दिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है तथा जो मुलेन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलक त्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1982

को पूर्वोक्तत संपीत के उज़्तित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके ख्ल्यमान प्रतिकल से, एसे ख्ल्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिवात अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्को) ओर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम्र पाया गया प्रतिकल, जिन्मतिविवतं उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निविवत प्रतिकल कम से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्विधा की निए।

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित का कियाँ, अर्थात :--

तारीव: 6-1-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना . . .

(श्रन्तरक)

2 दिपान्निता मित्रा।

ा. श्रीमती परिमल कर।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 10 जनवरी 1983

म० 1205/एसीक्यू ग्रार-III/82-83 —यन \cdot मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक ही

श्रौर जिसकी स० 43 है, तथा जो जोधपुर पार्क, कलकंसा में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण व्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12~5-1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एों अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) लन्तरण मं हुई किमी याग की बाबत, पकल अधिनियम के अधीन कर दने के जन्नरक के दासित्य में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, िष्ट भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वार भारत सही किया प्रश् था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन जिम्मिलियत व्यक्तियों अर्थीन जिम्मिलियत व्यक्तियों अर्थीन जिम्मिलियत व्यक्तियों अर्थीन जिम्मिलियत व्यक्तियों अर्थीन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किपी जन्य का किए जा सकरी। अधोहरता स्था के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

43, जोधपुर पार्क, कलकत्ता 2 के-11 छटा-2 वर्ग फुट जमीन का णेयर साथ प्लाट का एक तल्ला।

> एम० स्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-III कलकक्षा

तारीख: 10-1-1983

मोहर .

प्रराभवार्यं सी एन.एसं ----- -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीम स्चना

शारत नरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जेन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1983

स॰ 1206/एसीक्यू-ग्रार-^{III}/82-83'—यतः मुझे,

एम० ग्रह्मद,

जापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'नक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उदित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 55, प्लाट-17 ै तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता से, रजिस्ट्रीवरण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख़ 6-5-1982

को पूर्वीवत तम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रति तस के निए अंतरित की गए हैं और मुक्ते यह निरुदास करने हा तरण है कि यथापुनिक्त मंगतित का उचित्र बातार गूल्य, उसकी राममान जीतफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरकी (अतिरितियों) के बीच एस अतरण के निय वय पाया गया प्रतिफल निम्नोनिक्त उथ्यक्त से छक्त अन्तरण निम्नोनिक्त उथ्यक्त से छक्त अन्तरण निम्नोनिक रूप से किया गया हैं -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादसा, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्मरिती द्वारा प्रकट प्रही किया स्था भा या किया जाना शिहए था. फिलान में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु क 1. श्री नरसिंहसहाय मदन गोपाल इजिनियरस प्र०

(अन्तरक)

1 श्रीमती गगा देवी, अगरशला।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीवत व्यक्तियों से विस्ति व्यक्ति सुत्रारा
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सम्बद्धे और पद्धे का. आं प्रक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट सं० 17, 4था प्स्रोर, 55, इजर। स्ट्रीट, कलकत्ता

ण्म० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी, 1983

मं० 1207/एत्य-म्रार- $\Pi I/82$ -83.—यत मुझे,

एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 55, दुकान सं० 12 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 14-5-1982

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरप्रभान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और भूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का रचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ात. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित ब्युक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री नर्रासह राष भवन गोपाल (इंजिनियररा) प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तच्ना शा

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हू।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामिन रो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों शौर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

दुकान सं० 12 55, इजरास्ट्रीटकलकसा।

एम० भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी निरोक्षण सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, III, कलकत्ता

तारीख 11-1-1983 मोहर: प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

मावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-III, कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनाक 11 जनवरी 1983

सं ॰ 1208/एसीक्यू ब्रार-111/82-83.—यतः मुझे एम ब्रह्मद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)' (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी स० 55, दुकान स० 26 है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुजी श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता मे, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 14-5-1983 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूलोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उद्विष्य से उक्त अंतरण किवत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के व्लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री नरसिंह सहाय मदन गोपाल (इन्जिनियस प्रा० लि०)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमिला सीबती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान सं० 26, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

ग्म० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III कलकक्षा

तरीख 11-1-1983

प्ररूप आई. टी. एम. एस.----

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी, 1983

स॰ 1209/एसीक्य आर-III/82-83.—यतः मुझे एम॰ श्रहमद,

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है तथा इसरो उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियप, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत तारीख 14-5-1982।

को पूर्वो स्न सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलित उद्श्य से उत्तर प्रस्तरण लिखा में बास्तविक रूप से काणत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के मधीन कर देने के अभ्वारक के दाविश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के निए।

ग्रतः वब, उक्त विज्ञिनियम की धारा 269-व के ग्रमुसरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित्

- 1. श्री नर्रामहमहाय मदन गोपाल (इंजी नियर्स) प्रा० लि०।
 - (ग्रन्तक)

2. धनश्याम गुप्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **जारी कर्जे पूर्वीक्त संपत्ति के अर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दोकरणः — इसम प्रयुक्त शन्वों और पदों का, जो उत्थल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एपार्ट मेंट स॰ 3, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ^{III}, कलकक्ता 16

नारीव : 11-1-1983

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शहरू रहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० ए० सी० 41 रेज-/कल/1982-83:---यतः मुझे एम० श्रहमद

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपिल जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी स० 52 है तथा जो धर्मितला रोड में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14-5-1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रात्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्य क्त सपिता का उपित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिकल से, ऐसे उत्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे मृन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल निम्निसित उनुविषय से उक्त अन्तरण निषित में बास्त विक स्पू से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव, की भावतः उक्त निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी कड़ने या उत्तर्स वचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था विश्वास जाना चाहिए था जिपाने में श्रीवधा के किए;

नतः नवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के, अनुसरणः मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपवारा (1) के बधीन निम्नसिणित व्यक्तियों, अधीत् :--

1 केदार नाथ जुटमानु को० लि०।

(श्रन्सरक)

2. श्री सञ्जन कुमार चौधुरी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना चारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्य-वाहियां गुरू करता हूं।

उनक सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी व्यविध बाद में समाप्त हाती हो के भीतर प्यांक्त अविकाशों में से किसी क्वांक्त द्वारा,
- (क) इस स्थान को राषपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विद्रुत जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भे परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समसची

जमीन 10 काठा 7 काच्या 5 स्को फि०। पता 52 धर्म्मतला रोड थाना—मालिपाचधड़ा-जिला हावड़ा। दिलल सं० 1982 का 125)

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज IV कलकत्ता

तारीख: 6-1-1982

मोहर -

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० ए० सी० 42 रेंज-IV/कल/1982-83:----यतः मुझे एम० ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् जिला अधिनियम किता गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि, जिसका उणित बाजार मला 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं० है तथा जो मौजा बामनारी जिला

भौर जिसकी मं० है तथा जो मौजा बामुनारी जिला हुगली में स्थित है। श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रीरा पुर मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीम 12-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्ति रत की गई है और मफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्र्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात ६ धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं िज्या गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में स्विधा से लिए,

जत जब जबत अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री बहायुर मल्लिक।

(अन्सरक)

2. श्री सरिषा चन्द्र श्रागरवयाला।

(अन्तरिसी)

को यह स्पाना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पाना के राजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

म्पर्काकरण:---इसमा प्रयुवत शब्दो और गवो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 34 शतक पता—गौजा--बाभुनाड़ी थाना श्रीरामपुर जिला लुगली। दलिल मं०-1982 का 2668।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्तर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज III कलकत्ता

तारीख 6--1-1983 मोहर: प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्स (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, कलकत्ता

कलकता दिनाक 6 जनवरी 1983

सं० ए० मी० 43/रेज/IV/कल1982-83---ग्रत

एम० भ्रहमद

आयकर विधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा से अधिक ह[®] भ्रौर जिसकी स० है तथा जो भौजा बामुनारी जिला हुगली स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्व भ्रमुची मे भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्री रामपुर में है रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, जलके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्म्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती

(अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, नहर अधिनियम की धारा 269-फ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् —

- श्री बिमल कुमार सरोज कुमार सरकार। (प्रन्तरक)
- 2 इनदास सारभिसेस लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्ध्रची

जमीन-42 शतक पता—मौजा बामुनारी, थाना श्रीरामपुर जिला हुगली ! दलील स० 1982 का 2675।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 6-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 6, अनवरी 1983

सं० ए० सी० $44/\overline{\text{र्रज-IV}}$ कल/1982-83:—यतः मुझे, एम० श्रामाय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ———है तथा जो मौजा-बामुनारी, जिला हुगली में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्री रामपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

अतः जन, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---7---446 GI/82 1. श्री विनोद लखन शिघेश्वर लक्ष्मीनारायन (ग्रन्तरक)

बिद्युत मुरारी मिल्लक।
2. श्री इनवास सारभिसेस लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीफरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 44 शतक पता——मौजा-बामुनारी, थाना—श्रीरामपुर लिला हुगली। विलन्सं० 1982 का 2825।

> एम० श्रामाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 6-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

सं० ए० सी० रेंज-II/कल/1982-83:---यतः मुझे, एम. श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विश्वास कहा गया है'), की धारा 269-का 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रत. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 43, श्रधर चन्द्र दास लेन हैं तथा जो

उल्टा डांगा कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची

में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के

कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल सो एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के श्रीष् एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखत उष्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मालति चन्द्र श्रौर श्रन्य।

(ग्रत्तरक)

2. श्री प्रसाद रंनजन कुन्डु ग्रौर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रेत: 3कठा 8 छिटांक जमीन के ऊपर दो तस्ला दालान है तथा जो 43, श्रधरचन्द्र दास लेन, थाना, उल्टाडांगा, कलकत्ता-67।

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 24-12-82

प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता विनांक 24 विसम्बर, 1982

सं॰ ए० सी॰ 55/ब्रार-II/क॰/82-83:---यतः मुझे एम॰ ब्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात कारने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 241/196 है तथा जो एस० एन० बनारसी रोड, बेहाला 24 परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वणित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-5-1982

की पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्विध्य से उनत अन्तरण निम्निति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की मायत, उक्त स्थिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सूदिधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री श्रोंकार प्रसाद कानइ।

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी कविता छाधा

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उस्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई सी आक्षेप:---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविश्व या सस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रेत: 4 कठा 4 छिटाक जमीन के ऊपर दालान है तथा औ थाना बेहाला 241/196 एस० एन०बनारसी रोड 24 परगना।

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II कलकक्ता

तारीख: 24-12-1982

प्रकप भाई• टी• एन• एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्णन रेंज कलकत्ता

कलकता, विनांक 24 विसम्बर 1982

सं० ए० सी० 54/म्रार-U/कल०/<math>22-8-83:---यतः मुझे एम० श्रहमद ,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 26% ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दं से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 743 है तथा जो लेकटाउन, बलाक "ए" कलकत्ता-89 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची मे ग्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ह्रीकर्त्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15-5-1982!

को पूर्वोक्त सन्तित के जिना बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ध्रम्सिरत की वई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत घिक है बीर ध्रम्तरक (अन्तरकों) जौर वम्सरिसी (ध्रम्तरित्यों) के बीच ऐसे ध्रम्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल. निम्नलिखित एहें उप ते उपत अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई कियों आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवित्यम, या धन-कर मिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा या किया जाना चाहिए वा, छिपान में सुविका के लिए;

ग्रतः अव, जवन ग्रधिनियम की घारा 269ना के धनुसरण में, में, जनत अधिनियम की घारा 269न्य की उपघारा (1) के अधीन, निकासिक्षित व्यक्तियों भवति :--- श्रीमती बेला रानी बसु।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरूदास घोष।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीका सम्पति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप !---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में तकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्होकरण --इसर्ने प्रगुक्त गम्दों भीर पदौं का, जो उक्त अखिनियम के अहवाय 20-क परिणाणित है, यही प्रयं होगा, जो उमलहवाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रेत: 2 कठा जमीन के ऊपर मकान प्लाट नं० 743, लेकटाउन ब्लाक नं० "ए" कलकत्ता 89!

> एम० श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 24-12-198**2**

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजनरेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

सं० ए० सी०53/ग्रार-II/कल/82-83:---यतः मुझे एम**् श्रहमद**,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घाउ 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2, भैन्ट जर्ज गेट रोड, चार तल्ला, तथा जो हेसटिग्स, कलकत्ता 22 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकक्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 7-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाषा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---- 1. श्री प्रमोद कुमार, श्रगरवाल।

(मन्तरक)

2. श्रीमती मीता ग्रगरवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रेत: 75.25 वर्ग मीटर, 2, सेन्ट जर्ज गेट रोड चार् तल्ला, पाना, हेसटिंग्स कलकत्ता-22।

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

तारीख: 24-12-1982

प्रस्प माई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यासय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

सं० 1200/ए०क्यू० भार-III/1982-83:—यतः मुझे एम० महमध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो सुद्दासनी गांगुलि सह, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससेउपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,1908(1908 का 16) के श्रिधीन, मई 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तपुण से शुर्क किसी जाम की बाबत, उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ज्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. भी शिवा प्रसाद रायचौधुरी।

(म्रन्तरक)

2. भी निरेन्द्र प्रसाद राय चौधुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत संपरित के वर्णम् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे नित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्वध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 मिथित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

गन्स्ची

8, सुद्दाजिनी गोनुलि सरनी, कलकत्ता-3 के०-12वर्ग फुट जमीन साथ मकान।

> एम० महमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

अतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जुभीन निम्मसिविक व्यक्तित्यों, अर्थात् क्र---

तारीच :18-12-1982

प्ररूप वार्षं . टी . एन . एस . ------

आयक्तर घषिनियम; 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के धरीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 18 दिसम्बर, 1982

सं • 1201/ए०मी०क्यू० ग्रार-III/82-83:--- मतः मुझे एम • ग्रहमद,

स्रायकर प्रविविधम, 1981 (1981 का 43) (जिने इसमें इसके परचात् 'उनन स्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन समान प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क से स्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 279 तथा जो नेताजी सुमास चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलक्त्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 125-1982।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मून उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित संहश्य से सक्त बन्तरण निक्ति में वास्तरिक कप से क्यान नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्तरण से दुई किसी बाब की बाबत, उपत प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रम्लरक के बाबिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए और/या।
- (म) ऐसी किमी प्राय ना किसी धन या अण्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया या या किया जाना चोहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जन, उन्त प्रधिनियम को घारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, धनत प्रधिनियम की घारा 269-व की छपछारा (1) के अधीन निम्नुकिन्दित व्यक्तियों, मुक्ति:— 1. श्री मती मिना रानी नक्षवतीं।

(प्रस्तरक)

2. श्री सोमामति दास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके प्रवीका सम्पत्ति के ग्राइंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप !-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीया है 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों , पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
 निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टी तरण '-इसमें प्रयुक्त सन्धें धीर पदों का, जी सकत ग्रिसियम के अध्याय 20-क में परिवाधित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

279 नेताओं सुभाष चन्द्र बोस रोड कलकत्ता । 2के-4सीएच-25 वर्ग फुट जमीन ।

> एम० ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज III कलकत्ता

तारीख:18-12-192

प्रारूप आहू^{*}.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्मालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 विसम्बर 1982

निर्देश सं० 1202/एनयू०-आर॰ III /82-83---यतः, मुझै, एम० अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 279 है तथा जो नेतार्जा सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पुणैं रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-5-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण चित्रका में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किंवा गया है:---

- (क) जन्तरण से हुवाँ किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ज्ञाने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निस्निसित्त स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मिना रागी जनवर्ती

(अन्सरक)

(2) श्री सोभा साहा

(अन्तंरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शबवों प्रौर पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**त्**ची

279, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता 2Ko-2Ch-20Sq जमीन पर मकान।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवाई रोड,

> > कलकत्ता-16

तारीख: 18-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जने रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 दिस्म्बर 1982 निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-II/कल०/ 1982

--यतः मुझे, एम० अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 8, पांच तल्ला, ब्लाक जी है तथा जो 23ए/142, डि॰ एइच रोड न्यूअलिपुर, कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर॰ ए॰ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 7-5-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्कित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :——8—446 GI/82

(1) श्री बिजय गौरी चतुरभुज और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभादेबी लहिया और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उत्तस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

क्षेत्र: 1200 वर्गफुट (एफ० नं० 8, पांच तल्ला पर है तथा जो 23 ए/142, डि० एइच० रोष्ट, न्युअलिपुर कलकत्ता-53।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-54, रफी अहंमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 20-12-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० ए० सीः/रेंजःII/कल०/82-83—यतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पि० 275, सि० आई० टि० रोड स्कीम नं० IV (एम) फुलबागान, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-82

को पूर्वीक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रतिफल, गिम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दागिरव में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था कियाने में सविशा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री असीत कुमार पाल और अन्य पश्रे तरून कुमार बनार्जी

(अन्तरक)

(2) श्री माधबीलता पाल और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इ.समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्सी

क्षेत्र : 3 कठा, 1 छिटाक, 39 बर्गफुट जमीन के ऊपर दालान है तथा जो पि०-275, सि० आई० टि० रोड, स्कीम नं० IV (एम० थाना, फुलबागान, कलकत्ता।

> एम० अहमव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमव किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीखा: 22-12-82

प्रक्ष भार[®]् टी. एस् एस<u>.</u> ------

भावभर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक भागकर भागुक्त (निरक्षिण्) अर्जन रेंज, कलकशा

कलकत्ता, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज- Π -कल०/1982—-यतः मुझे, एम० अहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 58, डि॰ आलिपुर रोड है तथा जो कलकत्ता में स्थित है, और इससे उपाद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डी॰ आर॰, अलिपुर, 24 परगना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-82

को पूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक्षण का निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तर्ण निम्नलिखित में वास्तिवृक्ष रूप से किथत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तर्ण से हुइ किसी आयः की वाबतः, उक्त अपित्यमं की अभीत कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्टु; शहर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धृत वा अन्य वास्तियाँ का, विनह भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धृन-कर अधिनियम, या धृन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । छपान में सृष्भा के निष्द;

बतः नग, उक्त विभिनियन की भार 269-ग के विमुत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

(1) श्री खगेन्द्र नाथ दासं

(अन्तरक)

(2) श्री शन्ति दे०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्%ि

क्षेत्रः 5 कठा, 5 छिटाक जमीन का 1/3 अंग है तथा जो 58 डि॰ अलिप्र रोड, कुल्कत्ता-27।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 17-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेज, कल्कत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ए० सी० रिज-Il कल०/1982---यत. मुझे,

एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह से अधिक ही

और जिसकी म० एफ० न० 1 दो तल्ला पर है तथा जो 8 भी अलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्णेस्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रस्जिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 13-5-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित्त को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ कीउपधारा (1) के अधीननिम्निजिय व्यक्तियों, अर्थात --- (1) श्री स्वराज पाल और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री सत्य पाल सेठी और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

क्षेत्र: 1981 वर्गफुट,एफ० न० 1 दो तल्लापर है तथा जी 8 बि० अलिपुर रोड, कलकत्ता।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II 54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 18-12-82

मोहर : 🕐

प्ररूप थाई. टा. एन्. एस.----

आपकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269ष(1) डें धनीन सुवसा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० ए० सी०-46/रेज-II कल०/82-83—स्यतः मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उन्द प्रधिनियम' कड़ा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मून्य 25,000/- क से आधिक है और जिसकी सं० 22/1 है तथा जो एकबलपुर, कलकत्ता-23 स्थित है (और इससे उपाबढ अनूसूची में और पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय डि० आर० अलिपुर, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-82

को पूर्वोक्त संपित्त के उजित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास मुत्रे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (अ) अन्तरण से हुई चिसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के ब्रुधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में सभी करने या उन्हों दचने में सुविधा के निए; बौद्द/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्टिसम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना आहिए जा, िष्णाने में सुविधा के स्टिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री शाहजादी हुसैन

(अन्तरक)

2. श्री समसुद्दीन अहमेद और अन्य

(अन्तरिती)

को यह प्वना जारो भरके प्रशिक्त सम्मति के स्रजैन के खिए कार्यवादियां करता ह।

जका सम्मन्ति के पर्जर में सम्बन्ध में की ⁹ नो पाक्षेप.--

- (ह) अस मुचना है राजाब में प्रकारत की नाशेख से 4 के दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी क्यिनियों पर सूचना की नामीच से 30 दिन का श्राधि, ना की प्रकाध बाद में नापन होता हो, क भीतर पूर्वीचन क्यिनियों में से किनी क्यिन द्वारा;

अनुसूची

क्षेत्र : 4 कठा 1 छिटाक, 29 वर्गफुट जमीन के उपर दालान हैं तथा जो 22/1, डेन मिपन रोड, पी० एम० एकबलपुर, कलकत्ता-23।

सि० रोखामा मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकसा-16

तारीख: 9-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ए० सी०-32/रज-IV ः/कल०/1982-83--पत , मुझे, सि० रोखामा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स॰ 67 है तथा जो 'एफ' रोड हावडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हावडा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह नारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

असः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा.(1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीत् ॥—

1. श्री उमा कोन्त घोष, श्री शाम सुन्दर घोष (अन्तरक)

2 श्री ग्रिपेन मजुमदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पब्होकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

प्रनुसूची

जमीन: 56 डेसिमाल पता: 67, "एफ" रोड, बेलगाछिया, थाना—लिलुया, जिला—हावड़ा दलिल सं०—1982 का 1168

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IV 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांवा 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी०-33/रेंज- $I_V/$ कल०/1982-83---- यतः मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 68 है तथा जो "एफ" रोड हावड़ा में स्थित है (और इससे उथापद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उच्चेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 'के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री उमा कान्त घोष, शाम सुन्दर घोष

(अन्तरक)

(2) ग्रिपेन मजुमवार

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन : 62 डेसिमाल

पता : 68, "एफ" रोड, बेलगाछिया, थाना—लिलुया, जिला-हावड़ा।

दिलिल सं०—1982 का 1182।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, 54,रफीअहमद किंदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप बाई . दी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० $34/\overline{\text{र्राज-IV}}/\text{कल०}/1982-83$ — यतः मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्ति परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 119/1 है तथा जो बेनारस रोड हाथड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हायड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-5-1982

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्मतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य मे उक्त जंतरण लिखित में वास्तिवक क्या से किथित नहीं किया गमा है:--

- (क) अन्तारण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भीभीनवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्ठ; भीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में कृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती काशिश्वरी सामन्त

(अन्तरक)

(2) श्री रेनुका घोसाल, हेरम्ब घोषाल

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृत्रांकित सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जमीन : 1 काठा 10 कच्चा जमीन का साथ मकान पता : 119/1, बेनारस रोड, शालिकया, थाना—गोलाबारि, जिला—हावड़ा । दलील सं०—1982 का 2582।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्रस्प बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० 36/रेंज-IV/ कलक०/82-83— यतः, मुझे, सि० रोखामा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा थाना उत्तरपाड़ा स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-5-1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियी त्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---9--446 G1/82

- (1) श्री तपन कुमार नाटाजी, सन्तोय कुगार वाआणी (अन्तरक)
- (2) श्री हरगोबिन्द चक्रवनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन : 2 काठा 8 काच्या 19 स्को० भिट जमीन के साथ मकान।

पता : मोजा—थाना : उत्तरपाड़ा, जिला—हुगली । दलिल मं० 1982 का 2735।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज IV/ कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

नारीख: 8-12-1982

प्रकृष आर्थः .टी. एम . एस . **************************

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० 23/-IV/ रेंज कल/1982-83---10 यतः मझे, सि० रोखाभा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मि, जिसका अधित काजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो गाणांक पल्ली, धुर्गापुर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बर्धमान में, रिज-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-5-1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एगे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिर्दिशयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिस उद्दर्य में उद्दर्श अन्तरण लिखित में यास्तिक क्य से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत, उक्त न अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी अपने या उसमे बचने में स्थिधा के लिए; और/था
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों . क्या, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 क्या 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सविधा के लिए;

अल: बब, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) श्रीमती तुलशी मुखर्जी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्राशीण कुमार बन्दोपाधय ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रा किस सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्सि के वर्जन के मम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 4.5 विन की अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्षणि नायों में से किसी व्यक्ति दूसरा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन: 3.07 काठ। जमीन के साथ मकान पता: शशांक पल्ली, सागर भांगा, दुर्गापुर, जिलाः बर्धमान दिनत मंख्या: 1982 का 3668।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV,/ कलकत्ता 54, रफीश्रहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीखाः 17-11-1982 सोहार प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० $24/\overline{\text{र}}$ ज-IV/कलक/82-83---- यतः मुझे, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 89/323 है तथा जो बांगुर पार्क, जिला: हुगली स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनूसूची में श्रौर पूर्णारूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-5-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सि हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात्:-- (1) श्री श्रनिल कुमार चाटाजी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रलेखा प्रामानिक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्ची**

जमीन :—2 का॰ 11 का ० 22 स्को० फि० जमीन के साथ मकना पता :—89/323, बांगुर एमिनिउ, :श्रीरामपुर, जिला: हुगली। दिलस सं० 1982 का 2810।

सि० रोखामा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता
54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड
कलकत्ता-16

ता**रीख**: 17-11-1982

प्रकृताहै, टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बरे 1982

निर्देख सं० ए०सी० 25/रंज-JV/ कल०/82-83——यतः, मुझे, सि० रोखामा,

मायकर मिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 6 है तथा जो रतन हालदार लेन, हायड़ा स्थित है (भौर इससे ज्याबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्णस्य से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 12-5-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फब निक्निलित स्व्देश्य से उक्त अन्तरण निक्नित में वास्तविक क्ष से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सीमिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के सिए; भीड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भून-कर अधिनियम, या भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री स्नाशुतोष घोष ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री गोरी रानी दास ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणे:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, भो उक्त अधिनियम, के स्थ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अन<u>ुस</u>्पी

जमीन:--10 काठा जमीन के साथ मकान पता:--6, रतन हालदार लेन, मौजा:---लिलुया, जिला

दिलिल संख्या: 1982 का 1228।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कंलकत्ता 54, रफीश्रहमद किंदबाई रोड

कलकत्ता-16

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण ब, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)

💐 अभीन, निम्नलिखित अपनितमों, नर्थात् ः---

तारी**ख**: 17-11-1982

मोहर

हावडा

प्रकृत बार्ष्ट, टी., एत., एच.,:-----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यासय, सञ्जाबक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० 26/रेंज-IV कल०/82-83—यत , मझे, सि० रोखामा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिजकी म० 81 है तथा जो श्रेत्र मिस्र लेन, जिला हावड़ा स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण हं में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख 12-5-1982

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृविधा के सिए:

बत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-त के बमृतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसन व्यक्तियों, अभितः —— (1) श्री मानिक चन्द्र बानाजी।

(भन्तरक)

(2) श्री भ्रारती गांगुली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्योक्त संपर्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्थव्दिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन: 1.63 काठा जमीन के साथ मकान पता: 81, श्रेन्न लेन, शालिकया, जिला: हावड़ा। दिलल मंख्या: 1982 का 1240

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रकीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 17-11-1982

मोहरः

श्रक्ष बाद. टी. एन. एस.-----

भाग्नर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- म् (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० 27/रेंज-IV कल०/82-83—यतः, मुझे, सि० रोखामा,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो ने पार्शाट जिला: हावड़ा स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रीयीन नारीख 14-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और बंतरिक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में पास्युनिक स्व से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी बाय की बाबत उवत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने का उक्त कचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एंबी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिंध;

करा: कव, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नुर्धीन निम्नीलियित व्यक्तियों, वर्षायुः— (1) श्रीमती राधा रानी जाना ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीराजुनाथ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- घव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

जमीन 1 बिघा: 2 काठा जमीन

पता : बासुक्राटि रोड नेपाटि, थाना : बाली, जिलाः हावड़ा

दलिल्य संख्या: 1982 का 1296।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी प्रार्जन रेंज कलकत्ता सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 17- 11-1982

प्रथ बाह्र ही. एन एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अधीन सुचना

भागत संबद्धान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० मी० 28/रेंज-IV कल० 82-83---यतः मुझे, सि० रोखामा,

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-इ को मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो सीतानाथ बसु लेन, जिला: हाबड़ा स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुमूची में ग्रौर,पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हाबड़ा में रजिस्ट्रीकरण शिंधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जयत किभिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के बारियल में कीमी कीरने या उससे में अर्थ में स्कृतिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की पयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किशा गण का किया जान साहिए था, ष्टिपाने भें प्रविधा के लिए;

वत. गर्भ, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अमूनरण मो, मों, उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसन न्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री श्ररुना मम्डल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राखाल चन्द्र दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध पाँ कोएं भी नाक्षेप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रीं बत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तियां ना
- (क) इस स्थान के राजपथ भा प्रकारण की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्ची

जमीन : 1.5 काठा जमीन के साथ मकान।

पता : 15, सीतानाथ बस् लेन, मलिकया, जिला . हावडा ।

दलिल संख्या : 1982 का 1356।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजेंग रेंज-II, कलकता 54, रफीग्रह्म**द** किदवाई रोड कलकत्ता 16

तारीख: 17~11-1982

प्ररूप ब्राई० टी• एत•एस•⊶--

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के अधीन मुचना

भारत सरकारं

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

निर्देश सं० ए० सी० 29/रेंज-IV, कल०/82-83—यत:, मुझे, सि० रोखामा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ≆न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

द्वीर जिसकी सं० 53/1/3/1/5 है तथा जो धर्म्मतला लेन, जिला : हावड़ा स्थित है (श्रीर इससे उपापदा अनुसूची में श्रीर, पुर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन तारीख 13-5-1982

को प्रांक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तरिक का ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी भरत या उसमे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐमी किसी भाय या किसी धन या मन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भिन्नियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या गर किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्सा के लिए।

अतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की खनभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) शिवपुर को०-आपरेटिव वाँवा लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिश्वनाथ दास ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूबना जारो करके इवीक्त नगाति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इप मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस नूचना के राज्यत में प्रकाशन को नारीख तें 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्तकारी के पास लिखान ने किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रपृक्त शम्बों धीर पदों का, जो उक्त ग्राब-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होता, जो उन अध्याय में दिया गया है '

अमुस्ची

जमीन: 1.95 काठा जमीन के साथ मकान।

पता : 53/1/3/1/5, धम्मतला लेन, याना : शिवपुर, जिला :

ह**ावडा** ।

दलिल संख्या: 1982 का 2549।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-IV कलकत्ता 54, रफीमहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 17-11-1982

प्ररूप आर्कः टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० $30/\overline{\text{रंज-IV}}$ कल०/82-83—यतः, मुझे, सि० रोखामा,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. संअधिक है

धौर जिसकी सं० 22/7 है तथा जो भ्रविनाण बानाजी लैन, जिला: हावड़ा स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पुर्णाल्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हाबड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-5-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री बिजन पाल, मिना पाल, चित्रु दे ०। (ग्रन्सरक)
- (2) कानाईलाल साधुखान । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

जमीन: 3.39, काठा जमीन के साथ मकान पता: 22/7, ग्रिबनाशा बानाजी लेन, थाना: शिवपुर, जिला: हावडा, दिलस संख्या: 1982 का 2601।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीखा 17-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० $31/\overline{\text{र}}$ ज-IV कल०/82-83—-यतः, मुझे, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर गिसकी सं० 4 है तथा जो केदार नाथ मुखार्जी लेन, जिला : हावड़ा स्थित है ग्रीर इससे उापबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूणरूप से विणत है), रजिट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन तारीख 5-5-1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत्: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री निर्मल कुमार भटटाचार्जी, प्रान बल्लभ चक्रवर्ती ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनिन्द्र नाथ दुबे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पस्टोक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुसुची

जमीन: 2 काठा जमीन के साथ मकान

पता : 4 गेदार नाथ मुखाजी लेन, बेलूर, थाना : बालि,

जिला: हाबड़ा

दलिल संख्या : 1982 का 2369।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1V, कलकत्ता 54 रफीग्रहमद किंदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 17-11-1982

प्रारूप आहू . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अक्तूबर 1982

सं० 1128/अर्जन आर०3/82-83—अतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26 है तथा जो आशुतोष चौधुरि एमिन्, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 8-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्रातियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उसत अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ब्रजबाला भट्टाचार्ज

(अन्तरक)

(2) एलेन बारि इनभसूमेंट प्राइवेट लि॰ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

26, आशुतोष चौधुरि एमिनु, कलकत्ता, 1 बी-4के, 8 स्वे० फुट जमीन पर मकान।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 4-10-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - -- -

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर, 1982

सं० जी० आई० आर० सं० एम० 147/अर्जन—अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा नं० 343 है तथा जो बाग अम्बा मोजा, भगतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनींक 15-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से क्रम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अन्यत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मो० खुर्शीद श्रीमती अकीलावेगम

(अन्तरक)

(2) मो० अवरार मो० अरूयूयब अययूब मो० साविक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्यष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक नागिकता बाग अम्बा खमरा नं० 343 रकबई 5-08 मोजा भगतपुर टान्डा तहसील मोजा व जिला मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 36-जी संख्या 4263/82 दिनांक 15-3-1982 में वर्णित है जिसका पंजीकरण मुरादाबाद में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

तारीख : 29-11-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 21 अक्तूबर 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या एस०-244/अर्जन-अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 146 है तथा जो चोखन्डी कोटगंज, इलाहा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-5-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री हरी मोहन दास टण्डन

(अन्तरक)

(2) श्री सीता राम पाण्डेय सचिव वि प्रयाग उप निवेशन आवास एवं निर्माण सरकारी समिति लि०, इलाहाबाद

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 146 का हिस्सा जो कि 1612 क्यावर मीटर (फी हांक्ड) जोकि चोखण्डो कोटगंज परगना तहसील चायल इलाहाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म 37-जी संख्या 2068 एवं संलडीड में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्टार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 6-5-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनाम: 21-10-1982

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1982

सं० जी०आई० आर० सं० एम० 141/अर्जन—अतः मुझे,, ए० प्रसाद,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट संख्या 39 है तथा जो महब्बगंज गुलशनबिगया थाना सहादतगंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-5-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कस के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उिचत बाजार म्ल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अघ, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्गात् :--

(1) श्रीमती रोशन आराबेगम

(अन्सरक)

- (2) महमूद नगर सरकारी आवास समिति लि० द्वारा मुबीन अहमद सिचव समिति उपरोक्त (अन्तरिती)
- (3) विक्रेतागण (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट संख्या 39 रक्तबा 5135 वर्गफुट स्थित महबूबगंज, गुलगनबिगया थाना सहादतगंज लखनऊ, जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 4716/82 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 29-5-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-8-1982

मोह्रर :

प्रकृप प्रार्थं - टी - एन - एप -------

शायतर प्रतिनियम, 1961 (1981 जा 43) की भार। 269-म (1) ते प्रमीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या एस० 240/अर्जन/---अतः मुक्को, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आराजी नं 422 है तथा जो इस्माइलगंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिन में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाजत, उक्क अधि-नियम के अधीन चर बेने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने वा अससे वचने में चूबिता के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी वन या प्रस्य भाकियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत अवित्यम, या धन-कर प्रवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में संविधा के लिए;

श्रतः राव, उन्त श्रविनियम की बारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रविनियम की बारा 268-च की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री सूरजबली पुत्र श्री मंकू

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती सरोज कपूर पत्नी डा० पी०एम० कपूर, निवासी मकान नं० 1/8 राजेन्द्र नगर, लखनऊ
 - श्रीमती मिथिलेश कुमारी पत्नी गणेश दश्त (अन्तरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकस्ण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी नं० 422 तादादी 10 बिस्वा 15 बिस्वासी स्थित इस्माइलगंज, लखनऊ जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 4683/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 28-5-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 5-8-1982

प्ररूप आहूरें. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० श्रमृतसर/82-83/408—श्रतः मुझे, श्रानंद सिंह इरस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धार 269-स के अधीन सक्षम प्रगीधकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक जायवाद नं० 1825/8-17 एम० सी० किला भगीया, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्स नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूजिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:-- (1) श्रीमती दरोपती परनी दुनी चन्द वासी बी-229 श्रशोक विहार, दिल्ली द्वारा दुनी चन्द्र पुत्र काशी राम मुख्तयार

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती विधवा मदन लाल वासी किला भगीया, ग्रमृतसर ग्राबादी गुरु राम दास

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिनके वारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 1825/8-17 एम०सी० 98.2 व० ग० जो किला भगीया, ग्रमृतसर में है सेल डीड नं० 6159/ 2.7.82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह इरस सक्षम प्राधिकारो सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख : 23-12-1982

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस. ------

थायक प्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बधीन सुक्ता

भारत सरकार

भावीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

सं० अमृतसर/82-83/409—अतः मुझे आनंद सिंह इरस नायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 1943-47 तथा जो एस०एस० पी० कोठी के पीछे माल रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्मान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ बहु विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त लंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्मान प्रतिफल से, एसे क्ष्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल किल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) करूरण से हुन्दें जिली नाम की बाबत उक्त विधिन नियम को क्षीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा को बिए; बीह/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्रीमती खोम कोर विधवा डा० श्रमीरत सिंह मकान नं० पी० 67 साउथ एकसटेंनशन पार्ट-2, नई दिल्ली द्वारा रिवन्दर सिंह पुत्र प्रितपाल सिंह, 384, ग्रीन एवन्यू, श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल कांता पत्नी मोहन लाल चावला प्लाट नं० 5, राम बाग, भ्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रंधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाम किस्तत में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुप्षी

एक जायदाव नं० 1943-47 जो 251 व० ग० है जो एस० एस० वी० कोठी के पीछे माल रोड, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3955/31-5-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानंद सिंह इरप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमतस्र

तारीख: 27-12-1982

प्ररूप आहे. टी एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269~**म** (1) को अभीट स्चना

भारत सरकाः

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

सं० असृतसर/82-83/410—अतः मुझे, श्रानंद सिह इरसं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 1943-47 है तथा जो एस०एस० पी० कोठी के पीछे माल रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतमर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्तिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के अधीन कर दोन के अन्तरक के शिष्ट्र में कभी करने या जससे वचने में सविधा के लिए कीर/ण
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्ह⁵ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) खोम कोर विधवा डा० श्रमीरत सिंह मकान नं० पी० 67, साउथ एक्सटेंशन पाट-2 नई दिल्ली बारा रिबन्द्र सिंह पुत्र प्रित पाल सिंह, 384 ग्रीन एक्न्यू, ग्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

- (2) मोहन लाल चावला पुत्र भगवान दास चावला प्लाट नं० 5, रामबाग, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेंदार हो (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु: ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस मूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त क्षच्यों और पतों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गण है।

अमुसूची

एक जायदाद नं० 1943-47 जो 251 व० ग० है जो एस० एस० पी० कोठी के पीछे माल रोड, भ्रमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 3954/31-5-82 में रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रिक्षकारी, भ्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानंद सिंह इरस सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 27-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० ए०एस०आर०/82-83/411—अतः, मुझे, ग्रानंद सिंह श्राइ श्रार एस,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० एक जायदाद है तथा जो चोक फुलावाता श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्विकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नर्द है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:----

- (भा) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ग्रोम कुमारी पत्नीभगवान वास, गली गंडा वाली मंडी निमक मंडी श्रमृतसर ग्रब 15 सुथरा सहाई श्रीनगर

(श्रन्तरक)

(2) मै॰ धनइया लाल शतीश कुमार चोक फलावाला श्रमृतसर द्वारा सतीश कुमार साक्षीदार फर्म का

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह घ्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

एक जायदाद 71.11 व० मी० जो चोंक फूलनवाला भ्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 7380/22-7-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है

> आनंद सिंह धाई भ्रार एस संक्षम अधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर,

तारीख: 23-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 जनवरीं, 1983

निदोण सं० ए० एस० आर/82-83/412--म्प्रतः मुझी, श्रानंद सिंह श्राई श्रार एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव धनइया के बंजर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हजारा सिंह पुत्र परताम सिंह गाव धनइया के बंजर बटाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मखाब सिंह पुत्न दलीप सिंह गांव घनइया के बंजर बटाला ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है।
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ृषि भुमि का प्लाट 31 कनाल 14 मर ले जो गांव धनह्या के बंजर बटाला में है जैसा कि सेल डीड नं० 1196/ 27-5-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी बटाला में दर्ज है

> श्रानंद सिंह श्राई श्रार एस सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्र**मृतस**र

तारीख: 1-1-83

प्रारूप बाह्रं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निदेश सं० नं० ए० एस० श्रार०/82-83--/413--श्रतः, मुझे, श्रानंद सिंह श्राह श्रार एस,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 2547/4057 है तथा जो अरबादी कोट मंडल सिंह श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के अश्रीन तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्स सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में यास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था किपाने में स्विधा के निए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिविद्य व्यक्तियों, अर्थात है—-

(1) भोला राम पुत्र श्री सुदर दास गांव पुडौंरी सिधवा, तहसील चबाल जिला श्रमृतसर

(म्रन्तरक)

(2) करतार कोर पत्नी श्री प्रीतम सिंह, कटड़ा महां सिंह श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 से कोई किरायेदार हो 1. चरन सिंह 65/1 महीना, 2. मनजीत सिंह 100/- 3. विजेकुमार 100/- 4. राज कुमार 115/- 5. सुखदेव सिंह 125/- महीना (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं।
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्ये बह सूचना जारी करके पृशाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उभत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पृष्ठिकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 2547–4058 82 व० ग० जो कोट मंगला सिंह भ्रमृतसर जैसा सेल डीड नं० 6288/ 8–7–82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज हैं।

> श्रानंद सिंह श्राई भ्रार एस सक्षम श्रिधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर,

तारी**ख** : 23—12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० श्रर्जन/82-83/414--श्रतः, मुझे, श्रानंद सिंह श्राष्ट श्रार एस,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ं उक्त अधिनियमं कहा गया है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 2547/4058 है तथा जो श्ररवादी कोट मंगल सिंह श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ह्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1982

को प्रविक्त संपत्ति के उिष्त बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विस्वास करनें का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से व्याधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्योगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) भेला राम पुत्र सुदर दास, है गांव पुडोंरी सिधवां तहसील चबाल, जिला श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) मनजीत कोर पत्नी सुरजीत सिंह कटड़ा महा सिंह ग्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो 1. चरन मिह् 65/- महीना 2. मनजीत सिंह 100/-3. विजे कुमार 100/-4. राज कुमार 115/-5 सुखदेव सिंह 125/- महीना (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजण्य सं प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं० 2547/405882 व० ग० जो कोट मंगल सिंह अमृतसर में है जैसा कि यल डीड नं० 6177/2-7-82 रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

भानंद सिंह ग्राइ ग्रार एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 23-12-1982

प्रकप् बाई. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/415---श्रतः, मुझे, श्रानंद सिंह श्राइ० श्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पर्ध न् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायवाद है 1942/53 है तथा जो एस०एस० पी० कोठी के पीछे माल रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन द्वारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योक्य से उक्त अन्तरण किस्ति में वास्तिबन इस से किश्टल नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी जाम की नावत, जनस जिमिनियम के अधीन कर दोने के जस्सरक के वाजित्व में कमी करने या उससे वचने में खुनिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग या किस् धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें। अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अजिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार उन्हों किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियण की धारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) चंपा वती विधवा जयिकशन, काहन चन्च पुत्र जद्य किशन नारंग द्वारा स्त्रार० एस० बोगा, पुत्र ए०ई० बोगा जी० टी० रोड हाइड मार्किट श्रमृतसर

(ग्रन्तरक) रविन्दर कोर पत्नी दलजीत सिंह

(2) हरविन्दर कोर पत्नी दलजीत सिंह शहीद भगत सिंह रोड श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं० 2 से कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है।
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मान क अजभ को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षीप:--

- (क) इस क्षूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याध में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदााव खसरा नं० 1942/53 एस॰एस॰ पी॰ कोठी के पीछे श्रमृतसर में है । जैसा कि सेल डीड नं० 2771/10-5-82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

श्रानंद सिंह श्राइ श्रार एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर,

तारीख : 23-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस० आर०/82-83/416—श्रतः, मुझे, भानंव सिंह श्राइ भार एस,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 1942/53 है तथा जो एस०एस० पी. कोठी के पीछे माल रोड ग्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरंक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) तारीख : 10-8-1982

- (1) श्रीमती चपावती जयरिशन, काहन चन्द पुत्र जयकिशन नारंग द्वारा श्रार. ए० बोगा पुत्र ए० डी० बोगा जी०टी० रोड, हाइड मार्किट श्रमृतसर
- (2) हरविन्दर कोर पत्नी दलजीत सिंह, शहीद भगतसिंह रोड अमृतमर

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर संख्या 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद खमरा नं 1942/53 एस. एस पी. कोठी के पीछे, माल रोड, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 2770/10-5-82 को रिजस्ट्रीक तो अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

आनन्द सिंह आई आर एस सक्ष्म प्राणिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रेज, अमृतसर,

वारीख :23-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पनग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 27 दिसम्बर, 1982

सं० नं० एम/342/82----- ग्रतः मुझे विवेक वनर्जी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 111ए/32 है तथा जो भ्रागोक नगर कानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 21-5-1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर नृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12 —446GI/82

(1) श्री इन्द्र कुमार मिश्रा पुत्र राम नरायन मिश्र, $111 \sqrt[3]{32}$ ग्रशांक नगर कानपुर, व श्रीमती मुभद्रा मिश्रा पत्नी स्वः राम नारायन मिश्रा 40/74 परेड कानपुर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती शकुन्तला देवी गुप्ता पत्नी स्वः श्री रामधन्द्र निवासी 111ए/32 श्रशोक नगर कानपुर (श्रन्तरिती)
- (3) शकुन्तला देवी (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथितिकत सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रमल सम्पत्तिं नम्बर, 111ए/32 ग्राणोक नगर कामपुर में स्थित है तथा जोकि 1,50,000/-- रुपये में वेची गई थी।

> विवेक वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-12-1982

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगल्र

बंगलूर दिनांक 10 जनवरी 1983

नोटिस नं० 469/82:83—श्रतः मुझे श्रीमती मंजू माधवन, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतः अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1/2 हैं तथा जो मलेवाडी गुलवर्गा में जमीन 10 एकड़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुलवर्गा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-

फाल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक

रूप से विधित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एोसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री मधुकर राव पुत्र श्री राव काले निवास ब्रह्मपुर, गुलवर्गा

(श्रन्तरक)

(2) संतोष कन्जूमर्स वेलफेयर सोसायटी, ^through its प्रेसीडेंट भीम शंकर पुत्र श्री शिवशरणप्पा द्रह्मपुर गुलवर्गा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

(दस्तावेज 317 तारीख 1-5-1982 मलेवाडी ग्राम गुलवर्गा में उपस्थित जमीन सर्वे नं० 1/2 ।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज बंगलोर,

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप वार्च.टी.एन.एस .-----

वायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 जनवरी, 1983

नोटिस नं० 468/82-83-ग्रतः मुझे मंजू माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सीटी पास नं० 1291 वी है, तथा जो प्रोपर्टी उपस्थित वार्ड नं० III बीजापुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बीजापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-5-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती गजराबाई पत्नी श्री हरीबा भोज शहापेर गल्ली बीजापुर

(प्रन्तरक)

(2) श्री काशीनाथ चन्नमल्लपा, सज्जन शहापेर गल्ली बीजापुर

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 362/82-83 तारीख 12-5-1982) बीजापुर शहर वार्ड नं० ^{III} सीटी पास नं० 1291 बी उपस्<mark>यीति</mark> प्रोपर्टी ।

> मंजू माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलुर.

तारीख: 10-1-1983

मोद्वर:

प्रकृप आहाँ.टी.एन.एस.-------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 जनवरी 1983

नोटिस नं० 467/82-83-अतः मुझे श्रीमती मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 449 187, 477, 487 है तथा जो प्रापर्टी बी होसहल्ली ग्राम बनकल होबली मुडीगेरे तालूक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प में वर्णिम है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिनकारी के कार्यालय मुडीगेर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-5-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाम साबिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री एच मान चन्द्रे गौड

2. श्री एच सी मंजूनाथ

3. श्री एच सी० सत्यनारायण

निवासी हेलइल्ली, मुडीगेरे तालुक

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बी० श्रब्दुल रहिमान
 - 2. श्रीमती फातुम्मा
 - 3. श्री बी० महमद
 - 4. श्री बी० रामसुद्दीन निवासी होसहल्ली, मुद्रीगेरे तालुक

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यी

(दस्तावेज सं० 120/82-83 तारीख 13-5-1982) काफी एस्टेट सर्वे नं० 449 187, 477 श्रौर 487 मी० होसहल्ली ग्राम बनकल होबली मुडीगेरे तालूक में उपस्थित।

> मंजू माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप बाइ.टी. इन. एस. ----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 जनवरी, 1983

नोटिस नं० 465/82-83—श्रतः मुझे श्रीमती मंजू माधवन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

गौर जिसकी सं० सर्व नं० 151 और 152 है तथा जो काफी एस्टेट उपस्थित हेले बेंल्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सकले शपुर में रिजस्ट्रीकरण, श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 19-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अभिनियम के जुधीन कर दोने के जुन्तरक के दादित्व में कजी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिस्त स्वित्यों, अधीत्:—— (1) श्री बी० टी० केशबसेट्टी पुत्र श्री थेलूर बी. ग्री० तिम्मरसेट्टी सरस्वतीपुरम एक्सटेनशन सक्लेशपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसूस कजेयन पिटो पुत्र श्री एल एच पिटों श्रण्णुविल्ला मिशन कंपींड बालमट्ट एक्सटेनशन मंगलुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 251/82-83 तारीख 19-5-1982) हलेबेलूर में उपस्थित कांफी एस्टेट सर्वे नं० 151 ग्रीर 152।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर।

तारीच : 10-1-1983

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी, 1983

सं० नं० 466/82-83--- प्रतः मुझे मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं प्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 67 है, तथा जो सन्नेकडूर ग्राम निडीगे होबली (शिमोगा तालूक में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय शिमोगा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूफे यहिनश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) 1. श्री मंजूनाथ होल्ला
 2. श्री पी० नारायण
 3. श्री पी० पदमनाथ पुत्र श्री पी० नरसी-हय्या
 निवासी बी० एच० रोड शिमोगा
- (2) 1. श्री मरुलप्पा पुत्र श्र कामण्णा निवासी सन्नेकडूर शिभोगा (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 546/82-83 तारीख मई, 1982 संग्ने-कडूर ग्राम, निगडे होबली, शिमोगा तालूक में उपस्थित, शेतकी जमीन सर्वे नं० 67।

> मंजू माधवन सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज बंगलूर,

नारीख: 10-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर दिनांक 22 नवम्बर 1982

नोटिस नं० 458/82-83—- ग्रतः मुझे मंजू माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हो कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 3378-सी० है तथा जो डावेरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डावेरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह पिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती पारवती बायी पत्नी श्री शंकरप्पा बुलगव्यनवर डावणगेरे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवबसप्पा वीरप्पा टोंकद फरटीलायीजर मचेंटस, बस स्टैंड के पास डावेरी

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेड्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 270/82-83 तारीख 24-5-1982) ज़बेरी शहर में रहने का प्रोपर्टी नं० सी एस डब्स्यू नम्बर, 3378-सी०।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, बंगलूर ।

तारीख: 22-11-1982

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निर्काण) अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 नवम्बर 1982

नोटिस नं० 459/82-83—प्रतः मुझे मंजू माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सिटीपास नं० 1665 है तथा जो राम-लीगाखिंड गली बेलगाव में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 12-5-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उभित बाजार मूल्य, उनके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रति-शत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नसिशित उद्वरेषों से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बागस, उनसे अधिनियम के जधीन कर दोने के अप्तरक के शामित्व में कनी कड़ने ना उससे मचने में सुविधा के सिद्ध; और/ना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त जिमियमं की भारा 269-गं के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई डी० धुपेश्वर 1615/सी०, ग्रनसूरकर गली बेलगांव

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री गोपाल श्री निवास कामत 2. श्री नारायण श्रीनिवास कामत निवासी 1665 रामर्लिंग खिण्ड गली बेलगांव

(श्रन्तरितीः)

(3) म्रन्तरिती श्री गोपाल म्रौर श्री नारायण पुत्र श्री निवास कामत बेसगांव

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बार्ड भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सकींगे।

स्त्रफ्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त ध्रम्यों और पदों का, जो उनत निभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वन्स्ची

(वस्तावेज सं० 514/82-83 तारीख 12-5-1982) रामिलगिंखंड गली बेलगांव में रहने का प्रोपर्टी सी श्राई एस नं० 1665।

मंजू माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त निरीक्षण श्रर्ज रेंज बंगलूर

तारीख: 22-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

सं० नं० 449/82-83--- ग्रतः मुझे, श्रीमिति मंजू माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मुनसीपल नं० पुराना 652, 1532 है, तथा जो जेल रोड, चिकमंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 25-5-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13—446GI/82

(1) श्रीमती श्रार० वी० सीथम्मा, पुर्ती श्री श्रार० वी० रामस्वामी 71, श्रापस्टेर्स, रंगराव रोड णंकरपुरम, बंगलूर 560004

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रोम ग्रपरना हेंगडे पत्नी श्री एम० गणपति हेगडे एम० के० हेगडे एण्ड सन्स एम० जी रोड चिकमंगलुर 577101

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विक के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया 'गया है।

अमुसुची

(दस्तावेज मं० 331/82-83 तारीख 25-5-1982) जेल रोड चिकसंगलूर में रहने का प्रापर्टी मुनसीपल नं० पुराना नं० 652, 1532, खाता नं० 1553 श्रासेसमेन्ट नं० 1584/2439/2724।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेंज, बंगलुर

तारीख: 15-9-1982

मोहरः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

सं० 453/82-83-यतः मुझ, श्रीमती मंजू माधवन श्रायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ।जार मेल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हो

श्रौर जिसकी स० डोर नं० पुराना 1687 ए पुराना खाता न० 2357, 3351 श्रौर नया नं० 4452, 2861. 1236, नया नं० 4450/3750

है तथा जो बसवन इल्ली मेन रोड चिकमंगलूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-5-1982।

कां पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह दिख्याय करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नेष्ठ प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे मृत्रिया के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्री बी० के० रामराव
 - 2. श्री धार० श्रीधर
 - 3. श्री पापू सम्र निवासी शिमोगा
 - श्री श्रार० कृष्णमूर्ति श्रौर उनके बेटे
 - 5 श्री दल्तव्रय, कोंग्टगेरे, तुमकूर, जील्हा, (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सी० श्रीनिवास मूर्ति बसवन गली मेन रोड, चिकमंगलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्ययाहियां शृक्ष कारता हू।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवें भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी किसी दिवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 365/82-83 तारीख 10-6-1982) बसवन हली मेन रोड चिकमंगलूर में रहने का प्रापर्टी डोर नं. पुराना 1687-ए, पुरा खाता नं० 2357, 3351 और नया नंबर 4452, 2864, 1236, नया नं० 4450/3750।

मंजू माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 15-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज एरनाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 5 जनवरी, 1983

मं० एलं०सी० 600/82-83—श्रतः मुझे, बी० श्रार० नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो कोणिकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध्विकारी के कार्यालय कोणिकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 17-5-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (६) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने मा सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमति रत्नवल्ली विजयन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्नार० गोपालकृष्णन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ऑधनियम, के अधीन 20-क म परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

150 acres of land with two buildings in Survey No. 333 and 334/2 Ward 16 block 16 in Kozhikode.

वी० श्रार० नायर मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

नारीख: 5-1-1983

प्ररूपु आर्द. टी. एन. एस.----

(1) श्री के० पी० रवीन्द्रन

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एम० गंगाधरन

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज एणनाकूलम

कोचीन-16, दिनाक 5 जनवरी 1983

म० एल०सी० 602/82~83—श्रत मुझे, बी० श्रार० नायर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो तिष्वूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिच्चूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21~5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबद्ध िक सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

87 Cents of land with a buildings in Survey nos 195/1, 2, 3, 194/1, 210/2, 209/2 and 196 in Trichure village

वी० श्रार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, एरणाकुलम

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 5-1-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं०पी० आर० नं० 1978 ए०सी० क्यू० 23-11/82-83---श्रतः सुझे, प्रार० श्रार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने या कारण है कि स्थादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं नोंच नं 442 वार्ड नं 10 है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियस, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) श्री ग्रमरनलाल जबराज गांधी ब्लाक नं० 18 पी० एंड टी० सोसायटी, पहली मंजिल मनीनगर, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) डाहयाभाई दुर्लभ भाई माधवाला, 10-2335 चौक बाजार चारगली, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकात नोंध नं० 442 जो गाधी चोक भनशाली फलया वार्ड नं० 10 पर स्थित है । रजिस्ट्रार कार्यालय सूरत में मई, 1982 में रजिस्टर्ड किया हुआ है।

> न्नार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, महमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदेश म० पी० आर० न० 1979 ए०मी० वयू० 23—II/82—83— अन मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंग इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी में सी एम ने 2120 एस ने 72/ए 1/1/3 है। नथा जो बलसार, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बलसार, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम $1908 (1908 \text{ m} \cdot 16)$ के अधीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) 1 श्री रूपा सेन कवजीभाडनी
 कोटा (राजस्थान)
 2. श्री रूपानापेन लवजीभाडनी
 माथन ओरिया,
 बलसार,

(अन्तरक)

(2) श्री अमर बिल्डर्स बलसार,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस न्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि रा तत्राम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमध्दीकरण:--- इसमें पयुवत शब्यों और पदों का, जा उक्त अधिनिषम, के अध्याय 20-क में परिशांतिक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मिलकत सी॰एस॰ न॰ 2120 एस॰ न॰ 72|v| $|\Im \xi| 1/3 बलसार, पर स्थित है। रिजस्ट्रार कार्यालय बलसार मई, <math>1982$ में रिजस्टर्ड हुआ है।

आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-^{II}, अ**हमदाबाद**

तारी**ख** 1-12-1982 . मोहर: प्ररूप आह. टी. एन. एस.--

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 दिसम्बर 1982 निर्देश नं०मं०पी० आर० नं० 1980 ए०सी० क्यू० 23—II/

82-83--अनः मुझे आर० आर० शाह्

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी स० सी० एम० न० 4918 है तथा जो निथल रोड, बलसार, में स्थित हैं (अंतर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बलसार, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्ति संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिगत प्रधिक है धोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अम्तरितियो) के भीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गय प्रतिफन, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रकारण निखित में वासन विक स्व से स्वित नहीं विभा गया है:---

- (त) अन्तरण से हुई किया आय की बाबत उक्य छिट नियम के श्रष्टीन करदेने के श्रम्यरक के दाशिस्त्र यें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; श्रौर/या
- (स) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मकी सेवाआ धनपुरा 'टोर्नणाप क्यू' गनसी स्ट्रीट सम्सई—400001

(अन्तरक)

(2) छिजेन्द्र आर० कन्याली, सेट पोलेस आंख की येस्पीटल, लीवरपुल (इंग्लेड (यू० के०) लीवरपुल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी जम्य व्यक्ति द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकींगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबइब किसी जन्म व्यक्ति इवारा व्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्करेंगे।

स्थव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्घी

मिलकत जिसका सी० एस० नं० 4918 है जो निथल रोड बलसार, पर स्थिन है। रजिस्ट्रार कार्यालय बलसार में मई, 1982। में रजिस्टर्ड हुई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1981 ए० मी० क्यु॰ 23-II/82-83—अतः मुझे आर० आर० भाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

और जिसकी सं० सीं०एस० नं० 4918/ओ०/I है तथा जो नियल रोड बलसार, में स्थित है (और इसमे उपाबाढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1982। को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् .~~

- (1) श्री दयाराम भगवान दास बलसारा
 - 2. जसवन्तीषेन दयाराम
 - त्रणेसलेन, निथल रोड बलसार,

(अन्तरक)

(2) श्री नरोशम दास करसनदास. मरचेंट 98-ए, पारेख बाडी 202, पी॰पी॰ रोड, बम्बई, 400004

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों, का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अक्षाय में दिया गया है।

अनसची

मिलकत सी॰एस॰ नं॰ $4918/\sqrt{1}$ जो निथल रोज पर स्थित है। रजिस्टार कार्यालय बलसार में मई. 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

आर० आर० णाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख: 1-12-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982 निर्देश सं०पी०आर०नं० 1982 ए० सी० क्य० 23-II/

82-83-अतः मुझे आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1169 शेरी नं० 29 है। तथा जो वायी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय पारश्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखं मई, 1982।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

(1) श्रीमती भीखीयेन ईश्वरलाल, नाथुभाआ रामाकी ओख, स्वष्यं और माइनोट श्री जयशेकुमार ईश्वरलाल का वाली और अन्य वापी ता पारडी,

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री दिलीप जोगीभाडवी दयनीया,
 - 2. श्री केशवभाई कीक,भाई भाडवी दमनीया
 - कुमारी कलावतीवेन जोगीभाई दमनीया,
 - 4. राजुभाई, गोदिदभाई दमनीया, नानी दमन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मिलकत जिसका नं० 1169, (पी) है जो वायी रिजस्टार आफिस में मई, 1982 में रिजस्टार हुआ है। आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 14—446 GI/82

सारीख: 1-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवस्थर 1982

सं०पी० घार० नं० 1983 एस० क्यू० 23—II/82—83— घत: मुझे, घार० घार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 232 है तथा जो करिली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कामरेज में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रिशीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री नरेन्द्र भाई मुलचन्द भाई पटेल, गांव---तुण्डी, तहसील---पलसाना जिला---सूरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र भाई दलपत भाई पटेल, गांव—भरथाना (बसो) तहसील—चोदोसी, जिला—सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

मिलकत ब्लाक नं० 232 जो कारेली गांव में स्थित है श्रीर जिसका रजिस्टर्ड मई, 1982 में हुआ है।

> म्रार० म्रार० माह, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) 'म्रर्जन-रेंज-2, म्रहमदाबाद

नारीख : 29-11-1982

प्ररूप थाईं. टी. एन. एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 29 नवस्वर, 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1983 एस०क्यू० 23-II/82-83--ग्रत: मुझे, ग्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 267 है तथा जो कारोली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कामरोज में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982।

को पृवां कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान शांतफल का पन्द्रह प्रतिशाय में अधिक है और अन्तरफ (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निजिस उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्नरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधीनसम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के किएत जीर/ना
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जानकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्मीसिचित व्यक्तियों अधितः :— (1) श्री ईश्वर भाई गोकुल भाई पटेल, गांव तुण्डी, तहसील---पलसाना, जिला----सूरत,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजुभायी दलपत भाई पटेल, गांव—भरथाना तहसील—चौर्यासी, जिला—सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी बर्बीय बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत ब्लाक नं० 267 जो कारोली में स्थित है । श्रोर मई, 1982 में रजिस्टार हुई है।

> श्रार० ग्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 29-11-1982

प्ररूप आहे. टी. एन., एस्.-----

नायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायक र वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज 2, ग्रहमवाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं० पी० भ्रार० नं० 1983 एस० क्यू०/ 23-II/82-83---भ्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 231 है तथा जो कारोली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय कामरोज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीतिषत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिकृत में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त जिल्ला नियम के जुनीन कर दोने में जम्त्रक के दाशित्व में कभी करने वा उद्यो बचने में सुविधा के निये; बीद्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सूबिधा के लिए:

अतः अभ, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् क् (1) श्री नथभाई बुर्लभ भाई, पटेस, गांव----चुण्डी तहसील---पलसाना जिला----सूरत

(ग्रस्तरक)

(2) श्री दलपत भाई, कानजी भाई, पटेल, गांव--भरथाना, तहसील--चोर्मासी, जिला--सुरत

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हो।

चनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलरोकत ब्लाक नं० 231 जो कारोली में स्थित है भौर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुमा है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप नाइ^{*}., टी., एन्., एख्.-------नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स् (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, विनांक 29 नवम्बर 1982

सं० पी० शार० 1984/एस० क्यू० 23-II/82-83--मतः मुझे, श्रार० शार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 220, कडोदरा, है तथा जो कामरोज में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण ख्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कामरोज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्थत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिंधीनयम के अधीन कर देने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँदु/वा
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिये था स्त्रिवाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अभितः— (1) श्री बापूधाई मीमभाई वेसाई, मडोवरा तहसील—कामरोज, जिला—सुरत

(भन्तरक)

(2) श्री मिलनकुमार मोन्टार भाई पटेल, रामपुरा मुख्य मार्ग, नटकर निवास, सुरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गंभा

मन्यूची

मिलकत जिसका ब्लाक नं० 220 है जो कडोदरा रजिस्ट्रार ग्राफिस में मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुन्ना है।

> भार० मार० माह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, भ्रहमदाबाद

तारीच : 29-11-1982

प्रस्प माइ टी. एन. एस -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1985—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 551 वार्ड न० 10 है तथा जो खपाटिया चकला, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1982

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिएल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का टाएण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ।तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नितिष्ठित उद्वेश्य से स्वत अन्तरण सिनित में वास्तविक रूप स कि बित नहीं किया गया है:--

- (क) जनतरण से शुर्श किसी जाम की मावत, उन्तर जिमिनम्स के अभीत कर बोने के अन्तरक के वासित्व में कमी कड़ने या उनसे बचने में सुविधा के ज़िए; ज़र्दि/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बूबारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्रीमती भंदनगौरी, विट्ठलदास लालजी भाई, घाटेन खपाटिया चकला, सूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप चन्द्र जितेन्द्र लाल गाँधी भीर श्रन्य द्वीगली फलिया, बड़ेखान चाक्तना, सुरत ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति झ्वारा अधोहम्ताक्षरी के णस निश्चित में किए जा सकेंगे :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 दिन की अवित्र या तरसम्बन्धी स्वित्तियाँ पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुवारा;

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जोधनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

मिलकत जिसका नोंध नं० 551, वार्ड नं० 10 है जो खपाटिया चकला, सूरत में स्थित है ग्रीर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुग्रा है।

> स्रार० ग्रार० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 29 नवम्बर 1982

सं०पी०श्चार० नं० 1986 एस० क्यू० 23-II/82-83-श्चतः मुझे, श्चार० श्चार० शाह्र,

आयकर अधिनियम, · 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० ब्लाक न० 23 है तथा जो बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कामरोज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई, 1982

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गईं है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिल व्यक्तिचर्यों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहन भाई गोविन्दभाई गांव—टरिपुरा, तहसील—पलसाना जिला—सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाणचन्द्र श्रमीचन्द्र शाह, गांव—वरेली, तहसील—पलसाना जिला—सूरत

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्नि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

मिलकत ब्लाक गं० 23 जो गांव वरेली में स्थित है ग्रौर मर्ट, 1982 में रजिस्टर्ड हुग्रा है।

> श्चार० श्वार० णाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

तारीख 29-11-1982 मोहर: प्रारूप भाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्कण)

श्रर्जन रेंज-II शहमदानाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवस्थर 1982

सं० पी० घार० नं० 1987 ए०सी० क्यू० 23-II/82-83- अतः सुझे, घार० शार० शाह्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 272 है। तथा जो कारोली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय कामरोज में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन शारीख मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार एल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निख्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए; औंट/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्योक्तियों, सर्थात् :--- (श्रन्तरक)

(2) 1. श्री छोदुभाडवी मणीभाडवी पटेल, 2. विजयकुमार छोदुभाडवी पटेल, गांव---काथोर, तहसील--कामरोज जिला--सुरत

(भ्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत ब्लाफ नं० 272 जो करिली गांव में स्थित है। और मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुमा है।

> ग्रार० ग्रार० शार, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन-रेंज 2, ग्रहमदाबाद

ता**रीख** : 29—11—1982

प्रक्ष **आई० टी•** एग• एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-II श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1982

स०पी० घार० न० 1988 एस० क्यू० 23-JI/82-83---म्रा मुझे, भ्रार० घ्रार० घार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० ब्लाक न० 96 श्रौर 113 है। तथा जो कडोवरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कामरोज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मंई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियक के अधीन कर दीनें के अन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अप्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पर्नार्शी ह्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया निवा निवा की सिवा की सिवा

अत अव, उसत अधिनियम की भाषा 269-ग की, अनुसरण गें, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---15---446GI/82 (1) श्री डाट्या भाडवी नरोत्तम भाडवी पटेल,
2 गरीण वृतार डाट्या भाडवी, पटेल, श्रीर श्रन्य गाय—कडोदण,
तहसील—पलसाना
जिला—सूरत

(श्रन्तर**क**) ए कोकशास्त्री व्यक्ती

(2) श्री छोदुभाडवी वणी, गाव—तानिथैया, तहसील---पलसागा जिला--मूरत

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्जाने।

स्पच्छीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

मिलकत ब्लाक न० 96--113 जो कडोदरा में स्थित है। ग्रीर जो मई, 1982 में र्राजस्टर्ड हुग्रा है।

> ग्रार० म्रार० शार, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**ख** 29-11-1982 **भोहर**: प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक, 29 नवम्बर, 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1989 एस० क्यू० 23-II/82-83-श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 95 है। तथा जो कडोदण, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कामरोज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1982।

को पूर्वेक्ति सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सविधा के लिए.

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. डाटया भाई, नरोत्तम भाई, पटेस,
2 गिरीशकुमार डाटया भाई पटैल, श्रौर श्रन्य
गांव—कडोदश,
तहसील—पलसाना
जिला—सुरत

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री रमणलाल खाण्डुभाई, वशी, 2. रमेशकुमार बातूभाई वशी, गाव---नांतीथैया, तहसील---पलसाना जिला---सूरम

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सबंध में कोई भी आशंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनसको

मिलकत ब्लाक नं० 95 जो गांव कडोदण मे स्थित है भ्रौर मई, 1982 मे रजिस्टर्ड हुम्रा है।

> श्रार० श्रार० शार, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 29-11-1982

मोहर

प्ररूप आर्द्द. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाक्षाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं०पी० म्रार० नं० 1990 एस क्यू० 23—II/82—83—— म्रतः मुझे भ्रार० म्रार० भार,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एस० नं० 59-1 है। तथा जो गरिश्चर में स्थित है (भौर इसमें उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सूरत, में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख मई, 1982।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना चाहिये था खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कानजीभाई, जीणाभाई गरीग्रर,

(अन्तरक)

(2) श्री खाटया भाई, भावजी भाई

2. श्री माटन भाई गोकुल भाडवी पटेल,

3. श्रा गणेश भाई ग्रार पटेल,

4. श्री शंकर लाल महाशंकर रावल
सुरत:

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्र्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्**ची**

मिलकत नं० 500-69-1, जो गरिग्रर गांव में स्थित है। भ्रौर मई, 1982 में रिजस्टर्ड हुआ है।

> श्रार० म्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

माय्कर माि्पनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1991 एस० क्यू० 23—ॉा√82—83—-श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस नं० 464 ए० टी० पी० एस-12 एफ०पी० 3 है । तथा जो श्रडाजन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982।

को पृतिकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकश्च के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निम्नलिखित उद्दंष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण चंद्वर्द किसी आय की वायत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्रीमती लीलावती मनोहरलाल, मनहर लाल सुन्दर लाल, मोटी छीपवाड़, गोपीपुरा, सूरत,

(भ्रन्तरक)

(2) विजुभाई, देवजी भाई, पटेल, (गंगा श्रपोर्टमेंट को० -श्रो० पा० सोसायटी का प्रमुख) वांकी बोरजी सैयद पुरा, सूरत।

(अर्न्तारती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस नूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- वहुव किसी अन्य ज्योजत द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत एस० न० 464--ए, टीपीएस० 12, एस० पी०, 2 जो अडाजन गांव पर स्थित है । श्रौर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुश्रा है।

> श्रार० श्रार० शाह, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीच : 29-11-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (।) के अधीन स्चना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर, 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1993 एस० क्यू० 23-2-82-83 श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने सा कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित माजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नौंध नं० 22, वार्ड नं० 4, संधाडीवाड, है। तथा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मई, 1982!

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिरत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह मित्रात से आंधक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्क शीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे विभागे में सुन्तिधा के लिए; और/वा
- (ख) एकि किसी तथ या फिर्का धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विया किया किए;

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्भात् :— (1) श्री भगनलाल शमछोड़लाल बोरीवाली बोम्बे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामजी भाडवी, दुर्लभ भाडवी श्री लल्लू भाडवी, दुर्लभ भाडवी, ग्रौर ग्रन्य चकावाला गोरी वाडी, फलीया, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचभा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवासिस
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ही।

अनुस्ची

मिलकत नोध नं० 22, वार्ड नं० 4 जो सन्धाडीवाड, कुम्भाखाड़ सूरत में स्थित है। श्रीर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> ग्रार० ग्रार०गाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आहे . सी . एम . एस . ------

मायकर माध्यानयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) की अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद , दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं०र्पः० श्रार० नं० 1993 ए०सी० क्यू० 23-II/82-83 श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त बिश्नियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नोध नं० 9-ए, 10 ए, पारमी वाह है। तथा जो गोप पुरा सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रं कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रं करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वा बत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक स्था में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. धन माई दोराशा, उधानावाला,
 29, गणेश भुवन, नुरी बाबा रोड, थाना 400601
 2. नरीमान दोराशा उधानावाला सेठहाउस
 4, नवरोजा रोड, ठाकुर बार, बम्बई-2,
 3. विराफ दोराशा उधानावाला पारसीवाड,
 गोपीपुरा, सूरत,
 4. गैरसिस दोराशा उधानावाला 29,
 गणेश भुवन नुरीवाबा रोड थाना
 (अन्तरक)
- (2) अमोनासाई श्री चोतया भाडवी, श्रब्युल हुसन, की पुत्री दीप्ति नगर मटाराज्य, सिनेमा के सामने सलसन पुरा सूरत।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना ' चारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के कर्णन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के गर्जन के सम्बन्ध मां काई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निसम को अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस सध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्रिलक्षत नोध नं० 9 ए और 10 ए जो पारसी बाड बोर्ड नं० 8 गोपीपुरा सूरत में स्थित है और मई, 1982 में रजिस्टर्ड हम्रा है।

> भ्रार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप बाहै. टी. एन्. एस.—

यागहर यो नेयम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269व(1) के बधीन न्थन

भारत सरकार

कार्यानय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

सं० नं० पी० स्रार० नं० 1994 एस० क्यू॰ 23-II/82-83 स्रतः मुझे, स्रार० स्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकान 'उनन प्रिनेयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चाम करने का कारण है कि स्वावर सवानीत, जिमका जीवत बाजार मून्य 25.090% के से बोधक है और जिनको सं जोंद नं 551, वार्ड नं 5 है। तथा जो हिएपुरा, सूरन में स्थित है (और हीमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य ने विणित है), रिजस्ट्राकर्त्ती अधिकारों के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 कार्यालय है) के स्थान तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्त को तिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथपूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से, एसे दश्यमान प्रीतफल का बन्दह प्रतिशत से अध्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीब एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में अस्तिक स्थ से किथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) 1. श्रो कान्ती लाल हरिकिशनदास गांघी
2. श्रीमती प्रभाती कान्ती लाल गांघी
3. दिलीर कुमार कान्तीलाल गांघी

(अन्तरक)

(2) श्री बाबालाल चिमनलाल महतो, हरिपुरा, गुजैर फलिया, सूरत,

हरिपुरा सूरत।

(अन्तरिती)

को यह युवना जारी करके युवेंश्त नम्मिके अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविद्या या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का घनीख, जो भी प्रविध बाद में मगण्त होनी हो, के भी गर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यार;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति दारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा स्कॉगे।

स्वव्हीकरण:——इसमें प्रवृक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो जकत ग्रिवियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं ग्रयें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिलकतः नोद नं० 551, वार्ड नं० 5 जो हिरपुरा, पूरन में स्थिन है। सौर मई, 1982 में रिजस्टर्ड हुई। है।

श्रारः श्रारः श्रारः श्राहः, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, श्रह्मदावाद

तारीव : 14-12-1982

मं'हरः

प्ररूप आई°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनिष्णम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं० पी० आर० नं० — अतः, मुझे, आर० आर० शाह, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उीचत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० नीय नं० 2850-बी, वार्ड नं० 2, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुस्वा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्राकरण मधिनियम, 1908 कारी के मधीन मई, 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और

पन्दह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष से उक्त बंतरण तिलिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(ल) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिष्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना था, खियाने में सुविधा के निए:

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभार (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्री अन्तुल एहमान मोहमद भाई, वाएडोला वाला, चोगान ग्रीरा, सप्रामपुरा, सुरत।

(सन्तरकः)

(2) श्रीमती हलीमाषाई, ईबाहम भाई प्रब्हुल सतार, चांदो वाला की योया सिन्दीवाड, भागा तालाव, सूरत । (यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्हथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहरताक्षरी के पास जिलिखत में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्तें और पदों का, जो उक्त प्रशित्विम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं प्रथे होगा, जो उत्र अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मिलकत नोध नं० 2850 बी वार्ड नं० 2 जो गोलको-वाड, काछीयाग्रेरी सूरत मे स्थित है जी गई, 1982 मे रिजस्टर्ड हुई है।

आए० आए० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज 2, अहमदाबाद

तारोच : 29-11-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982 सं०पो०ग्रार०नं० 1996एस० क्यू० 23—II/82-83— ग्रतः मुझे ग्रार० ग्रार० ग्राह,

अयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उीचत वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० एस० नं० 25/8 है। तथा जो भोलाप में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरीच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृभे यहीवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत के से विश्वत में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निस्।

नतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 16-446 G /82

(1) शैयद इकबाल हुसैन हुसैन मियां, मशही, शैयद वाड, माकतमपुर, भरोच,

(अन्तरक)

(2) श्री भाशकरभई भाईलालभाई पटेल, गांव-काविया (वाया नभीपुर) तैह०--भरोच

(भन्तारतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत एस० नं० 25/8 पी या जो गांव भोलाव में स्थित है स्रौर जिसकी रिजस्टर्ड मई, 1982 में हुई है। स्थार० आर० शाह, असर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्थायकर स्थायक्त निरोक्षण स्थांन रेंज-11, महमदाबाद

तारीख : 29-11-1982 मोहर:

प्ररूप बार्ड. दी. एन. एस.---

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1977 ए०सं ० क्यू० 23--11 82--83---अतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव नोदं नंव 1940 ए-8 ग्रानंदनगर सोसायदी है। तथा जो सग्रामपुर वार्जनंव सूरत, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीवरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी लाय वा किसी भन या अन्य आास्तरों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था छिपानं से सृविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. पुश्पाकेन धीवभाई, मेह्रता,
 - 2. भारतीबेन जे० मेहता,
 - . ३. माईनर अनीश,
 - 4. मोना जे० मेहता
 - नितीन कुमार धीषभाई मेहता, भ्रानन्द नगर संस्तामपुरा, सूरत
 - 6. रजनी बेन नलिन चन्द्रा कापाडिया, बालजी-रोड, सुरत,
 - 7. हरबाला गुवन्तराय देसाई, जलालपुर, नवसारो,

(भ्रन्तरक)

(2) मींठालाल रियालाल राठीड ग्रीर ग्रन्य जवाहर नगर, सोसायटा, नर लाम्बे हनुमान सुरत ।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों क्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इथ किसी बच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मिलकत नोदं नं० 1940-ए-8 जो म्नानंद नगर नगर सोसायटी, संग्रामपुर में स्थित हैं भौर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुई है।

> श्रार० श्रार० शाह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद,

तारीख: 29-11-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज-II, प्रहमदाबाद

अहमदाबाद, धिनोंक 29 नवम्बर 1982

सं० पी० मार० 1998 एस० क्यू० 23- /82-83---मतः मुझे, भार० मार० मार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नोर्य नं० 507-1 वार्ड नं० 10 में स्थित है। तथा जो नागर फलिया सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारों के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के पुष्प; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उन्नत अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, भ्रों, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधार्य (1) के अभीष, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (2) श्री कालिखास रावर्जा भाई प्रजापति
2. श्री नानुभाई रावजीभाई प्रजापति
पानी की भीत, सूरत ।

(मन्तरक)

(2) श्री गोपालवास उमरणी धमानि जादा-खादी महिश्वरपुरा, सूरत,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मिलकत नोर्य नं० 507-1, वार्ड नं० 10 जो नागर फिलया सूरत में स्थित है भौर मई, 1982 में रिजस्टर्ड हुई है।

> म्नार० म्रार० मार, सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर म्राय्क्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, II, ग्रहमदाबाद,

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्.-----

मायकर ल्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

महमवाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या एस० नं० 2799, 1798, समुगाल श्रपार्ट-मेंट है तथा जो श्रप्पा लाइन्स सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के रश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिश्वत अधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) धीर अन्तरिती (धन्तिविवों) के बीच ऐस धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निधिक्त उद्देश्य से धन्त अन्तरण निधात में वास्तविक उप से कवित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नुतिश्वित व्यक्तित्यों कर्यात्ः—

(1) सहकार एसोशिएट्स, एम पी० इन्जीनियर्स और बिल्डर्स भागा तालाब, सूरत।

(भन्तरक)

(2) श्री पंकजकुमार हंसमुखलाल कापडीया, नवचेतन, सोसायटी, रींगरोड, मजुरा, सूरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अगुल्ची

मिलकत जो फ्लेट नं० 3 पहली मंजिल सुमंगल घ्रपोर्ट-मेंटस ग्रठवा लाइन्स, सूरत में स्थित है ग्रौर जिसका एस० नं० 2799 2798, है, ग्रौर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> श्रार० ग्रार० साह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमवाबाव

तारीख: 29:11-1982

मोहर 👉

त्रकप जाई• टी• दन• एस•----

जायकारु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाक 29 नवम्बर 1982

निवेश स०पी० मार० नं० 2000 ए० सी० क्यू० 23-II/ 82-83--- म्रतः मुझे, म्रार० माह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृख्य 25,000/- रूज. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० न० 195 (डी) प्लाट नं० 481, उर्वना है तथा जो उर्वना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रीध-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख गई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मति दित उद्देष्य से उक्त अन्तरण में वास्ति कृत कृत कि साम दिक्त सुदृष्टिका गया है ——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नानत उक्त आधि-नियम के अधीन कट दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्रियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अष, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शेखर रमण भाडवी, देसाई, 22, सुबादगुरु सोसायटी, सान्ताकूज, बम्बई

(भन्तरक)

(2) रामानन्द कोपारेशन का भागीदार, 3/6 रेशम भुवन, लाल दरवाजा, सूरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

लाक्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिट हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकत एस० न० 195 (पी) प्लाट नं० 4, 1, 3 भौर 2 जो उर्दना में स्थित है भौर मई 1982 में रजिस्टर्ड हुई है।

> न्नार० ग्रार० शाह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^{II}, ग्रहमदाबाद

तारीख : 29-11-1982

मोहरू 🖟

प्रकृप नाइं.टी. एन. एस. ------

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन . रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 2001 ए० सी० क्यू० 23-II/ 82-83-- श्रत. मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मृत्य 25,000/- सः से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० नोद न० 2343, वार्ड नं० 3, सलसतपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908का 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1982

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधभाष जन्ति रती व्वारा प्रकट नहीं किया का था पि किया चाना चाहिए था, कियाने में संविधा के लिए;

वतः वव, उकत विधीनयम की भारा 269-म के वनुसरण में, में, उकत विधीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन निम्मत्तिचित म्यक्तियों, वर्धात्:—

- (1) श्री प्रदिप चन्द्र नटवर लाल भाईमारे— भ्रानिलकुमार प्रदीपचन्द्र भाईमारे जनक कुमार, प्रादीप चन्द्र, कोलागेसकरन, प्रदीपचन्द्र संग्रामपुरा, सूरत ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमणलाल, हिरालाल श्री महेन्द्र हिरालाल खानगढ़ शेरी, सलधतपुरा, सूरत,

(मलरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधरेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्मिक्तमों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तमों में से किसी स्वस्ति दुवारा,
- (व) इस स्वना के राधपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पाब् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शुक्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

व्यव्या

मिलकत नोय नं० 2343, वार्ड नं० 3 जो सलसतपुरा, सूरत में स्थित है। भीर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> भार० मार० नाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, महमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्रारूप भाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, **ग्रह**मंदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 34— ए-10 है तथा जो भरुष में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वेक्ति संपोर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंजने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थीक्तयों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री नरसिंह खेमचन्द्र नकुम
 2. श्री खुमान सिंह खेमचन्द्र नकुम भरुच
 (अन्तरक)
- (2) भागीदार--श्री नाथुभाई, टीकम भाई प्रजापति भरुच

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकियो।

स्पत्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

मिलकत एस० नं० 34 जो मई, 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

न्नार० म्रार० साह, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज-II, घ्रहमदाबाद घ्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2002 ए० सी० न्यू० 23-II/82-83— प्रतः मुझे, आर० ग्रार० शाह,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० एस० नं० 108 है तथा जो नान्देलप में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारो के कार्यालय भरुच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतिरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेदेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती श्रमभीसेन मनगलाल जो भाई लाल की विधवा
 - . 2. भ्रमरतलाल हरगोबन दास मिस्त्री गांब—चापज तहसील—भरुच

(भन्तरक)

(2) श्रादम सुलेमान मोहमध गांव-नंदेलाप तहसील-भरुष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना हैं [8]

मन्सूची

मिलकत एस० नं० 108 जो नंदेलाप गांव में स्थित है ग्रीर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुन्ना है।

> न्नार० द्यार० शाह, सक्षम द्रिधिकारी सहायक द्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाध

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 2004 एसी० व्यू० 23-II/ 82-83--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 30 (पी) है तथा जो भोलाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, भरुच में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राप्तीन तारीख मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उःचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदबदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक कै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 17—446—GI/82

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री शार्द्लभाई प्रोपु लाल भाई दवे आवरवाड खड़की, भठच 2. श्री हममुखभाई, काशीभाई, पटेल, नीकोरा, भठम

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यो

मिलकत एस० नं० 20 (एफ) जो भोलाद गांव मे स्थित है श्रीर मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुई है।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. - - - ----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० एसी० क्यू० 23-II/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह्र,

बार्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० एस० नं० 26 है तथा जो भोलाप में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय भरूच में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मई, 1982

को पूर्वांक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उष्दिय से उक्त अन्तरण लिबित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरितौ व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गंक भाई सावजी भाई, पटेस गांव भोलाव जिला—भरुव

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मानारायण को० घो० हा० सोसायकी, केयर श्राफ मुक्तानंद टाइल्स, मुक्तापुर, भरुष ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं नर्ध होगा, जो उस मध्याय में विमा गया है।

अभूसूची

मिलकत एस नं० 26 (पो) जो भोलाप गांव में स्थित है और मई, 1982 में रजिस्टर्ड हुई हैं।

> श्रार० भार० **शाह** सक्षम श्रधिकारा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1982

निदेश सं ুণিত স্থাবত নত 2006:—স্ব: मुझे, স্থাবত স্থাবত গান্ত,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्थ 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० ग्रार० नं० 818, वार्ड नं० 8, सी० म स नं० 10/2, है तथा जो नवसारी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिश्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के वार्यालय, नवसारी में रिजिस्ट्रीवरण प्रधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रधान मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरल से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त वर्तिभनियम के बभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रो चुन्नीलाल बलभभाई वस्तुखाड, नवसारा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो ईवरलाल हरिकिशनदास राणा।
- (2) श्रो प्रभुगाम्रो हरिकिशन दाम राणा नरीमान बाड, नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्य सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

erred.

मिलकत मकान नं० 818, वार्ड नं० 8 जो नवसारी में स्थित है ग्रीर मई 1982 में रजिस्टर्ड दुग्ना है।

> श्रा२० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 27-11-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269क्ष (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2007 ए०सीन्यु० 25-II/

82-83—-श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह, सम्बद्धार अधिनियमः 1961 (1961 का.4

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 150 है तथा जो रडसन में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक्क अनुसूर्व) में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रनारम के नित् तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उदेश्य में उनन अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किन नहीं किया गया दे।—

- (क) ग्रस्तरण न हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देते के सम्बद्धक के दायित्व में कमी करने था. उ.स.से वचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य धास्तियां को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनक्कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे मुविधा के सिए;

ग्रतः सब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की छारा 269-व की उपचाका (1) के अधीन निक्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बाबाजी भागाजी रहेसन जिला० गांधीनगर। (धन्तरक
- श्री बुधिधान पुरूषोतम टक्कर, नानालाल चैम्बर्स, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुर करता हुं।

उपत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारी ख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हो हरण: ---- दक्षमें प्रयुक्त शक्दों घीर पढ़ों का, जो उक्त घडि-नियम के घडमाय 20-क में परिभाषित है, वही घर्ष होगा, जो उर घडकाय में दिया गया है।

वपूर्वी

मिलकत, ब्लाक नं० 150, जो 1 एकर 15 गूंठा है ग्रीर रडेसन गांव में स्थित है ग्रीर सब-रजिस्ट्रार कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्टर्ड हुग्रा है जिसका नं० 1104/मई 1982 है।

> श्रार० ग्राह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

तारी**ख:** 15-12-82

प्रकल्थ बार्च. टी. एन. एस.-----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2008 एसीक्यू० 23-II/ 82-83---श्रतः मझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हो

भीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 149 है तथा जो रडासन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रींकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रींकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, मई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है लीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथा गृहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने में अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरिसयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया की स्था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्रो बलदेवजी मगनजी, रडेसन तह० गांधीनगर। (श्रन्तरक)
- श्रो बुधिधान परषोतम टक्कर, नानालाल चेम्बर्स प्राश्नमरोड, महमदाबाद।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्याँक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन्य में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

मिलकत ब्लाक नं० 149 जो रखेसन गांव में स्थित है ग्रौर जिसका क्षेत्रफल 2 एकर 2 गाठ है। सब-रजिस्ट्रार, गांधीनगर के कार्यालय में रजिस्टर्ड हुग्रा है जिसका नं० 1097/मई 82 है।

> भ्रार० भ्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद।

तारोख: 15-12-82

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

महमवाबाद, विनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2009 एसीक्यृ० 23-II/ 82-83—अत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसको सं० ब्लाक नं० 135 है तथा जो राज्येसण में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मधीई 1982 है

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कब निम्नितिस्त संद्र्यश्य से उक्त अन्तरण मिकित में वास्तिक कप से किश्त नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण संहुदं किसी जात, की बाबत, उक्त अधिनियम के जुलीन कर बंने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; जीहर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मतः नम, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्मिलियत व्यक्तियों, वर्भात्:—

- 1. श्री शबराजी मधुजी, गांव राडेसण तह० गांधीनगर (मन्तरक)
- 2. श्री बुधिधान पुरुशोतम ठक्कर, नानालाल चेम्बर्स भाश्रमरोड, म्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुस्ची

मिलकत ब्लाक नं० 135 जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकर भौर 22 गूंठा भौर रडेसण गांव में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार गांधीनगर में मई 1982 में रजिस्टर्ड हुमा है।

> ग्रार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारो, सङ्गायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 15—12—1982

प्ररूप जाद^{*}. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) **के अभीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० भार० नं० 2010:—- ग्रतः मुझे, ग्रार० गार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 130/2, राडेसण है तथा जो राडेसण में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी में कार्यालय, गांधीनगर, में र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए जन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिपत्त अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्युविषय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्धरण से हुई किती आय की वावत, उक्त विभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भग या मन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री हनतुर्जा जवामजी, रखेसण, तह० गोधीनगर। (श्रन्तरक)
- श्री प्रताप लदुआई ठक्कर नानालाल चेम्बर्स श्राश्रम रोड, श्रहमवाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत्र स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्षीकरणः-इसमें प्रयुक्त जब्दों और पर्वों का, वो छक्छ, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्दी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्तर ची

मिलकत जो राजेसण गांव में स्वित है जिसका ब्लाक नं 130/1 ग्रीर 130/2 जिसका कुल क्षेत्रफल 4 एकड़ श्रीर 21 गूंठा है। सब-रिजस्ट्रार, गांधीनगर कार्यालय में रिजस्टर्ड हुगा है जिसका रिजस्ट्रेगन नं 1093, 1094 है।

> न्नार० मार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-12-82

प्रकप ग्राई० टी॰ एत• एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269व(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

आयकर प्रधितियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्न प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 137/1 है तथा जो राडेसण में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1982

को प्वांक्त सम्परित के उणित नाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वस्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण निखित में वास्तिक क्य से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी धन या प्रस्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री किशोरजी मधुजी राडेसण, तह० गाधीनगर। (ग्रन्तरक)
- श्री प्रताप लाखु ठक्कर, नानालाल चेम्बर्स, श्राक्षम रोड, श्रहमादाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्तिके प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्वत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्शेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजात में ग्राणन की तारीख सें 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उप अध्याय में विया गया है

अनुसुची

मिलकत ब्लाक नं० 137 जो राडेसण गांव में स्थित है। उसका कुल क्षेत्रफल 5 एकर 9 गूंठा है ग्रीर सब-रजिस्ट्रार, गांधी नगर में मई 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है। रजिस्ट्रेशन नं० 1101, 1102 है।

> न्नार० न्नार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ${f y}$ र्जन रेंज ${f I1}$, ${f y}$ हमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

सं० पी० श्रार० नं० 20/2 एसीक्यू० 23-II/82-83:----श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 126 है। तथा जो रादेसण में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनंसरण में, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :——
18—446G1/82

1 श्री शिवनारायण पुरी गुरू करसनपुरी रादेसन, सहर गाधीनगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री बुधिधान पुरुषोतम टक्कर, नानालाल चेम्बर्स, ग्राक्षम रोड, ग्रहमादाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के एजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:---इसमे प्रयुवत शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत ब्वाक नं० 126 जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ श्रीर 11 गूंडा है जो रादेसण गांव में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार गांधीतगर के कार्यालय में मई 1982 में रिजस्ट्री की गई है श्रीर उसका रिजस्ट्री नं० 1098 है।

ग्रार० प्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहसदाबाद।

तारीख: 15-12-1982

प्रकथ बाइं.टी.एन.एस. -----

भार्यकर भृभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 15 विसम्बर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 2013, एसीक्यू 23-II/82-83:---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधियारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 128, 137, 138, 139, 127, 129 है। तथा जो रादेसण में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है, रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्का, निम्नलिखित उच्चे स्था उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गना भा ना किया जाना चाहिए जा छिनाने में स्विधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) 1. श्री दयाभाई प्रहलाव भाई।
- 2. श्री जयन्तिभाई प्रहलादभाई
- 3. श्री कान्तीलाल प्रहलादभाई रादेसण, तह० गांधीनगर (श्रन्तरक)
- (2) श्री बुद्धियन परषोतम टक्कर, नानालाल चेम्बर्स, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबद । (श्रन्तरिती)

को यह स्वमा कारो करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

लक्त सम्पत्ति को अर्जन ने सम्बार में कोई भी जाक्षेप .--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधि ये नित्यक्षी व्यक्तियों पर स्चान की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की- तारील से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निष्टित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत ब्लाक नं० 128, 138, 139, 127, 12 जिसका कुल क्षेत्रफल 13 एकड 25 गूठा है जो रावेसण गांव में स्थित है। श्रौर जिसकी रजिस्ट्री मई 1982 में सब-रजिस्ट्रार गांधीनगर के कार्यालय में की गई है जिसका रजिस्ट्री नं० 1081, 1082, 1083, 1084, 1085 श्रौर 1086 है।

ग्रार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

बायुकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुख्ना

भारत नरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

सं० पी० भ्रार० नं० 2014 एसीक्यु 23-II/82-83:---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका जित्त नाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 87 है। तथा जो रादेसण में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उचत जिथिताम के जभीन कर दोने के खुनशुरक कें दाधित्व मो कामी करने या उसमें जचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निचित अधिकतकों, अर्थात् हम्म

- 1. श्री वादीलाल बाबाभाई श्रीर श्रन्य गांव रादेसण (अन्तरक)
 - 2. श्री दिलीप चन्द्रसेन श्रसार, नानालाल चेम्बर्स, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी केंरके पृथोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी खंदी 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण:-इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभोषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मिलकृत ब्लाक नं० 87, जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ भौर 27 गूंठा है भौर रादेसण गांव में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार गांधीनगर कार्यालय में मई 1982 में 1088 नम्बर पर रजिस्ट्रेशन की गई हैं।

> ग्रार० ग्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाव।

तारीख: 15-12-1982

प्रस्प आई. टी. एम. एस.-----

नायकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

स० पी० ग्रार० नं० 2015 एसीक्यू 23-II/82-83 श्रत. मुझे, ग्रार० श्रार० शाह,

मायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाकार मृल्य 25,000/-रा से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रंश नं० 46, प्लाट नं० 52 बड़ौदा है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1982

को पूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य से काम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त्रिक रूप से कथित गृहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औद्व/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुजिशा के सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

 श्रीमती रोवाबेन मोतीभाई पटेल दयाल भाऊ का खांचा, राजमरल रोड, बडौदा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० पी० महादेविया जी० एम० ग्रावि श्रायरेक्टर बुन्दी टयुक्ति भाफ इण्डिया लिमिटेश, 2 जी ग्राई० श्री० सी, मकरपुरा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सुम्प्रित के अर्धन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाच निकास मा किस जा सकते हैं।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदौ का, जो जक्त अभिनियम, के मध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमुसुची

मिलकत श्रंण नं० 46, टी० पी० एफ नं० 52 जो बड़ौदा में स्थित है। उसका कुल क्षेत्रफल 335 चौरस मीटर है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा कार्यालय में मई 1982 में 3045, 4046, नम्बर पर रजिस्ट्रेणन की गई है।

श्रार० श्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 15-12-1982

मोहर 🖟

त्ररूप नार्ह, टी. एव. एक.्-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

स० पी० भ्रार० न० 2016 एसीक्यू 23- /82-83 — अत. मुझे, भ्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी मं० भ्रार० एस० 638, गोरवा (बडौदा), है। तथा जो बडौदा में स्थित है। (भ्रौर उससे उपाबद ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बडौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान परिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उप्तत अधि-नियम के अधीन कर धीने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये बौर/श
- (स) एंगी किसी कार या किसी एस रा अस्य अभिनया की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

सत. अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुतरण मो, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिद्यु व्यक्तिसकों, अर्थात:---

- 1. श्रीमती शशी प्रभा पूजलाल, रिफाईनरी टाउनशिप जवाहरलाल, बडौदा।
- 2. श्री जयन्ती बाई दया भाई प्रजापित गोरवा, बडौदा।
- श्री कान्तीभाई बाबूभाई श्रीमाली, स्वामिनारायन सोसाइटी, गोरवा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सजय तुली, गुरूकरूपा को० श्रा० हाऊसिंग सोसायटी लि०, रेजनंग रोड, गोरवा, बड़ौदा। (श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुतारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्साक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकाँगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रमुक्त घटा जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मिलकत एस० नं० 638 जिसका कुल क्षेत्रफल 1400 चौरस मीटर है। ग्रौर 1454 चौ० मी० ग्रौर 1454 चौ० मी० है जो गोरवा बडौदा में स्थित है। उसका रजिस्ट्रेणन सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में मई 1982 में 3268, 3269 ग्रौर 3270 नम्बर पर की गई है।

म्रार० भार० साह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 15-12-1982

मोक्कर:

म्रूप् वादः टी. एन्. इस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमवाबाव, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

सं० पी० श्रार० नं० 2017 एसीक्यू 23-II/82-83:---श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० एस० नं० 159, प्लाट नं० बी 1 है तथा जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है (धौर इससे उपाबद ब्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिनिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से अभिक स्वाह कि कम स्वाह से कि

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्से बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जयेन्द्रसिंह वेंकटराव गोरपड़े कमलजी विशवमित्नी रोड, बडीबा।

(भ्रन्तरक)

 श्री रतनसिंह ईक्ज जवेरी, 'गायझी' रेसकोर्स सर्कल, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपं:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विस्तारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदौं का, जो उन्ह अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसर्ची

मिलकत एस नं० 159 जिसका कुल क्षेत्रफल 8235 चौरस फुट घौर बांघकाम का कुल ऐरिया (विस्तार) 3294 चौरस फुट है घौर उनकी रजिस्ट्रेगन मई 1982 सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में 3280 नम्बर पर किया गया है।

> भ्रार० म्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमवाबाद

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप. नाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रमहदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० पी० भार० नं० 2018 एसीक्यू- /82-83 :—थतः मुझे, भ्रार० श्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एस नं० 106/1, 109, 140, 131, 132 है तथा जो प्लाट 11 बी सर्रज (कलोल) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलोल मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने द्वा कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की वाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैसर्स एच० बी० गम इन्ड्रस्ट्रीज 11, जी आई० डी० सी० इन्डस्ट्रीयल अस्टेट कलोल, जि०---महसाण (अन्तरक)
- 2. मैसर्स एच० बी० गम इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 86, मस्जीद, बन्दर रोड बम्बई-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स् ची

मिलकत एस नं० 106/1, 109, 140, 131, 132 श्रौर 11 बी जिसका कुल क्षेत्रफल 3379 चौ० मी० है श्रौर गांद सइज (कलोल) मे स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, कलोल के कार्यालय मई 1982 में 1662 नं० में रजिस्ट्रेशन किया गया है।

श्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख 15-12-1982 मोहर प्ररूप बाइ े. टी. एन. एसं.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं०-2019 एसीक्यु-23-II/82-83—यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्का उत्तित वाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस नं० 993 ग्रीर पी० नं० 53 है तथा जो कलोल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरम को निस् त्व बाबा गया प्रतिफल निम्निवित उच्च दे उन्त क्लारण सिन्तर में बास्तरिक रूप से किया नहीं किया मना है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उसत अधि-निष्म को अधीन कार दोने के बन्तरक के दाविस्थ में कारी करने या उसते बचने में बृहिष्मा के लिए; सीर/मा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्सरिती द्वाय प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारत (1) के अधीन निमनसिम्बित व्यक्तियों, जर्थात् :---

- श्री चौहाण उमरभाई कालुभाई ग्रौर ग्रन्य कलोल। (श्रन्तरक)
- 2. विजाल को० श्रो० हार्किसम सोसाइटी श्री हितन्दर कुमार विठलभाई कलोत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

जन्य सन्परित के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यारा अधोहरूगक्षणी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इतमें प्रमुक्त सब्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

नगत्त्रची

मिलकत एस नं० 993 एफ० पी० नं० 53 जिसका कुल क्षेत्रफल 2107 चौ० मीटर है जो कलोल में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार कलोल में मई 1982 रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, **श्रहसदाबा**द

तारीख: 15-12-1982

प्राह्म आर्थः टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-II, प्रहमदाबाद

श्रहमबाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2020—यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 124/1, ग्रौर 124/2 है तथा जो रादेशन में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्यिधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
19—446QI/82

श्री मोहनभाई मगनभाई
 र्राववेन मोहनलाल
गिरीशभाई मोहनलाल
श्री मुरेन्द्र मोहनलाल
श्री रमेशभाई मोहनलाल
श्री शंकरा भाई मगनलाल
श्रीशंकरा भाई मगनलाल
श्रीमती शारदावेन शंकराभाई
श्री कान्तीलाल मगनलाल।
सब रादेशन तालुका-गांधीनगर (श्रन्तरक)

2. श्री दीलीप चंद्रसेन श्रसार नानालाल चेम्बर, श्राश्रम रोड़, श्रहमदावाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाय।

स्पद्धीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्सूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5 एकड़ 18 गुंठा है, सर्वे नं० 124/1 श्रांर 124/2 है, जो रादेशन में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार गांधीनगर रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 1077, 1078, 1079 में 1982 है।

श्चार० श्चार० गाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-12-1982

मोहरः 🕺

भायकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० मार० नं० 2021 एसीक्यु-23-II/ 82-83—यतः मुझे, म्रार० म्रार० माह,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसका सं० एस नं०' 1995 है, तथा जो महेसणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय महेसणा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दश्यमान प्रतिफान का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्त्राकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफान निम्निलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण मिसित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से शुद्दं किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना आहिए था, खिणाने में मृतिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- . (1) श्री प्रजापति मोहनलाल जईताराम
 - (2) श्री प्रजापति मोहनलाल केवलवास
 - (3) श्री रसुलिमयां नथुमियां
 - (4) श्री भिखुभाई रसुलमियां
 - (5) श्री रहेमान भाई रसुलिमया महेसणा।

(धन्तरक)

2. मैसर्स सुविध को० भ्रो० हा० सोसायटी लि० महेन्द्रकुमार चिमनलाल शाह महेसणा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पृत्ति के वर्षन के स्वकाध में कोई भी नाशीप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (च) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहिसत में किए जा सकेंगे।

स्युक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त धन्दों बौर पर्यों का, भी उच्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तक्की अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत एस नं० 1995 जिसका कुल क्षेत्रफल 7139 भी० मी० जो महेसणा में स्थित है । सब रिजस्ट्रार महेसणा के कार्यालय में 1711, 1712 ग्रौर 1781 क नंबर पर मई 1982 में रिजस्टर्ड किया हुग्रा है

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप. आइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2022 एसीक्यु० 23-II/ 82-83---यतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 48, 49, 60, 61, वार्ड नं० 12 है तथा जो सात मंजिल 'डी' सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में र्जिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहों किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सिवधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री नरोत्तम पन्नाचंद शाह पी० ओ० और श्रीमती ढेलीबेन पन्नाचंद शाह रानी तालाब सूरत।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती रमणबेन चंपकलाल पसतेजिया।
 - (2) श्री मांतिलाल चंपकलाल पसतेजिया।
 - (3) श्री रमेशचंद्र चंपकलाल पसतेजिया। राजरतन एपार्टमेंट सातवी मंजिल, रानी तालाब, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनसची

मिलकत जो राजरतन एपार्टमेंट, सातवीं मंजिल, 'डी' सुरत में स्थित है। और मई 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-12-1982

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2023 एसीक्यु-23-II/ 82-83—यतः मुझे, आर० आर० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 37 जी फार्म, न० 2900 है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधां के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा~269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री नाथु भाई बल्लभभाई देसाई लिम्बाचा फलिया, कटोरसम, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री नितिनकुमार मफतलाल शाह (सेक्रेटरी महावीर एपार्टमेंन्ट, अथवा गेट सूरत। प्रमुख श्री सुमतिलाल दयालाल शाह पहली मंजिल, समरत एपार्टमेंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विनृ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमं प्रय्क्त शब्दों और पदः का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जिसका वर्णन 37 जी फार्म में किया गया है जिसका कुल क्षेत्रफल 8945 चौ० गज है। और रजिस्टर्ड नं० 2900/13-5-82 है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-धा, अहमदाबाट

तारीख: 16-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के कथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० पी० आ४० नं०-2024 एक्वी०-23-II/ 82-83—यतः मुझे, आर० आर० शाह

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 4/1, एस० नं० 93-बी, एच० नं० 887 है तथा जो गडकरी रोड़, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1982 की पूर्वोशा सम्पत्ति है जिया शजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में प्रेस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे आर्रण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निक्तियाँ उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण विष्य में वास्तविक रूप में काचत नहीं किया गया है.

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आम की बाबत धकत अधिनियम के प्रजीन कर बेने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने था उससे बजने में सुविज्ञा के जिए; शीन/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी वाय या किसी वन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तियों शाम प्रकट नहीं किया प्रया था किया शामा नाहिए वा कियाने में स्विका के सिंध ;

ग्रस: भव, उन्त विवित्तियम की धारा 269-व के भनुसदण की मैं, उन्त अधिनियम की जारा 269-व की उपचारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् 1. श्री हरीक्षण मगतराम भट्ट, गीतांजली सोसायटी, स्टेशन रोड़, नवसारी।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नानुभाई रामभाई गांधी।

- (2) श्रीमती शांतासरण रामभाई गांधी।
- (3) श्री कौशिक कुमार नानुभाई गांधी।
- (4) श्री महेन्द्रकुमार नानुभाई गांधी।
- (5) रामेन्द्रकुमार नानुभाई गांधी, भांतिनिकेतन एपार्टमेंट गष्टकरी रोड़, नवसारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी अर्ज पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगित्त में हितबद्ध किसी अन्य विक्तमों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

मिलकत नं० 4/1, सी० एस० नं० 93-बी, एय० नं० 887 जो नवसारी में स्थित है। उनका रजिस्टर्ड मई 1982 में किया गया है।

आर० आर० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अक्षमदाबाद

तारीख: 16-12-1982

प्ररूप भार्', टी. एन्., एस., ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2026 एक्वी०-23-II/
82-83---यतः मुझे, आर० आर० शाह
आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 694, वार्ड नं० 2 एमीन स्ट्रीट है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के सिष्कृतार/या
- (क) ऐसा किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाचे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः— श्री विनशा हरमानजी बन्दरीवाला श्रीमित जारू दिनशा बी० जे० देवसुखकर रोड़ दादर, बम्बई,-400014।

(अन्तरक)

2. श्री हरिभाई परागजी भाई कलसारीआ और अन्य 694/वार्ड नं० 2 अजीत स्ट्रीट नवसारी। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस सैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत,
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से ... 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य प्रिक्त द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भे दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत नींध नं० 694 एमींन स्ट्रीट, नवसारी में स्थित है, और जिसकी रजिस्ट्री नवसारी में मई 1982 में हुई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० आर० वं० 2025 एक्नी०-23-II/ 82-83-यतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 618/3 पी है तथा जो स्टेशन रोड़, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अंतरण सेहुई किसी आयुकी बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कील्पधारा (1) के अधीन निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री देवराम भाई हीरजी भाई चावडा, आशानगर, नवसारी ।

(अन्तरक)

- (1) श्री हसमुखभाई रामभाई पटेल,
 - (2) श्री गुलाबभाई रामभाई पटेल,
 - (3) श्री ठाकोरभाई रामभाई पटेल।
 - (4) श्रीमती लक्ष्मीबेन रामभाई पटेल, नारायण गोलवाड दरवाजा, नवसारी। निवास,

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत आर० एस० नं० 618/3(पी) जो स्टेशन रोड़, नवसारी में स्थित है, और मई 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रोज, अहमदाबाद

तारीख: 16-1/2-1982

मोहर 🐠

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रार० श्रर्जन/1529—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रजमेर में स्थित है, (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजमेर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपिता का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री ताजू पुत्र श्री लालू, निवासी राती डांग ग्रजमेर (अन्तरक)
- 2. मैसर्स नगर सुधार सिमिति द्वारा श्री मुरारी लाल केयर श्राफ ग्राफिस ग्राफ दी लेवर कमीशनर, सिविल लाईन, श्रजमेर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उपस अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि चौक तेलयान, रीजनल कालेज रोड म्रजमेर उप पंजियक म्रजमेर कम संख्या 1032 दिनांक 5-5-1982 पर पंजियत विकय पत्न में म्रौर विस्तृत रूप से 3 बीघा व 7 वीसवा विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीब: 20-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1533---यतः मुझे, मोहन सिंह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2 मई 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित् बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, जुर्थात् :----

1. वीग कम्पनी बलदेव सिंह, पावर आफ अटौरनी आफ कर्नन महेन्द्र सिंह कोहिनूर कोठी, सीलिमेन्ट टाऊन, देहरादून, यू० पी०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेम सिंह एण्ड श्रीमती हर प्रीत कौर धर्मपत्नी श्री बी० डी० सिंह, जमना लाल बजाज मार्ग, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रम्बों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया हैं।]

अनुसूची

प्लाट नं० जमना लाल बजाज मार्ग, जयपुर सिविल लाईन्स रेलवे क्रोंसिंग जयपुर उप पंजियक जयुपर क्रम संख्या 996 दिनांक 12-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप में विवरिणत है।

> मोहन लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-12-1982

प्रकप् बाह्ं, टी. एन्., इस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० श्रर्जन/1534—यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर किंशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000 रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपावद सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12 मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृश्व, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना धाहिए था, खिपाने में सूविधा के किए;

असः अन्त, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, मिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री रिछपाल सिंह पायर आफ ग्रटार्नी होल्डर, करनल महेन्द्र सिंह गांधी हाऊस, श्रादर्श नगर, वर्तमान मे सवाई माधोपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री इन्द्रजीत सिंह जमनालाल बजाज मार्ग, सिविल लाईन, रेलवे कासिंग, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-. बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ती।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानिकम् के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया स्या है।

बन्स्ची

जमनालाल बजाज मार्ग, सिविल लाईन, रेलवे कासिंग रोड़ जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 950 दिनोंक 12-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> माहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जयपूर

तारीख: 23-12-1983

मोहरः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 23 विसम्बर, 1982

निर्देश स॰ राज॰/सहा॰ ग्रा॰ भर्जन/540---यतः मुझे मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० प्लाट नं० एच है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ज़क्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया, था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा को लिए।

पतः अब, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण उर्वत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री करण सिंह पुत्र श्री भूर सिंह जी श्रीमती कृष्णा धर्मपत्नी श्री करण सिंह 3. कुमारी कल्पना, कु० कामनी, कु० कुन्जाल जी पुत्र श्री करण सिंह, श्री श्रजब सिंह जयपुर।

(भ्रन्सरक)

 श्रीमतीं रवीन्द्र सिंह पत्नी श्री हात्रीमल सिंहजी जयपुर तिलक नगर, जयपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्वी

प्लाट नं० एच० पील्लवा गार्डन मोती डुगरी जयपुर उप पंजियक जयपुर कम संख्या 1037 दिनांक 22-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में धीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-12-1982

मोहरः

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1541—यतः मुझे, भोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं • प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मई 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री इन्द्रजीत सिंह पावर श्राफ श्रटानी श्राफ करनल महेन्द्र सिंह गांधी हाऊस, श्रादर्श नगर, वर्तमान निवासी सावाई माधोपुर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिछपाल सिंह, जमनालाल बजाज मार्ग, सिविल लाईन, रेलवे क्रासिंग, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रवस ची

जमनाल बजाज मार्ग, सिलि लाईन, रेलवे कार्सिंग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 970 दिनांक 12-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विसरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 23-12-1982

प्ररूप आर्ड् . टी . एन . एस . -----

जायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1542—यतः मुझे मोहन सिंह ग्रायकर ग्राविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अत्रीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्यावर सम्पति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

रू• से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं ज्लाट नं सी ०-63 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22 मई 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (सन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पांपा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से धक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, तकत धीर्धानयम के धर्मान कर देने के भग्तरक के दाविस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किनी घाय या किसी घन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धन-कर ग्रीविनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः वन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धन्सरण में, मैं, धनत प्रधिनियम की घारा 269-ग की छपधारा (1) के स्थीन निष्कृत्विकत स्थानत्यों, सुर्थात्:— मैसर्स चिरंजी लाल पाटनी पुत्र श्री हीरा लाल निवासी मिश्र राजाजी का रास्ता चौकड़ी तोपखानादेश जयपुर।

(ग्रन्सरक)

2. श्री श्याम नारायण सक्सेना पुत्र श्री साधुनारायण निवासी मोती कटला बाजार खाती बाड़ा जयपुर सी०-53 प्रभु मार्ग तिलक नगर जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रास्क्षेप।-

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अन्निध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारी ब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्प्रीत में हितबढ़
 किसी मन्य क्य कित द्वारा, ग्राभोहस्ताकारी के पास
 निवास में किए जा सर्जेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों घौर पदों का, जो उपत ग्रिष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी०-53 प्रभु मार्ग तिलक नगर जयपुर उप पंजियक जयपुर ऋम संख्या 1049 दिनांक 22-5-82 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 23-12-1982

प्रारूप **काई** ति. एन . एस . ------

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्स (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 23 दिसम्बर, 1982 निदेश सं० राज०/सहा० म्रा० मर्जन/1547—यतः मुझे, मोहन सिह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 936-सी है तथा जो ग्रजमेर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय अजमेर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 11 मई 1982

का पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रिसक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उरामे अचने में सुविधा के लिए; औरु/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुनिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित स्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती रुकमनी बाई पत्नी श्री मंगहामल निवासी उसरीगेट, अजमेर।

(म्रन्तरक)

 सुधार सभा द्वारा श्री दीपचन्द्र, म्रजमेर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्ष्मरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पर्यों का, जो जिस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिस्थावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

अनुसूची

मकान नं० 936-सी० वार्ड नं 25, पहार गंज, श्रजमेर (180 वर्ग मीटर) जो उप पंजियक, श्रजमेर द्वारा कम संख्य 1073 दिनांक 11-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-12-1982

मोहरः

प्ररूप बाइ^द. टी. एन. **एस**.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचन

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 强

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1548—यतः सुझे, मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 936-सी है, तथा जो अजमेर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजमेर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11 मई 1982

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्शेष से उच्च बन्तरण निम्नलिचत में बास्तिब्क स्प से किया गृता हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत स्थितियों, सूर्थातु :---

- श्री वयाल वास पुत्र श्री भाग चन्द, उसरीगेट, झजमेर। (भ्रन्तरक)
- मुधार सभा, म्रजमेर द्वारा प्रेमीडेन्ड श्री दीपअन्द्र।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्मृतित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाप अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ज होना के उस स्थाय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं 936-सी वार्ड नं 25, पहाड़ गंज, मजमेर (क्षेत्रफल 180 वर्ग मीटर) जो उप पंजियक, मजमेर द्वारा कम संख्या 1175 दिनांक 11-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० ग्रर्जन/1549—यतः मुझे मोहन सिंह

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उक्त 'िधनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० प्लाट नं० 62-ए है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12 मई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति रत की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कारतिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सूविधा के लिए।

- श्रीमती हमीदा बेगम पत्नी श्री एम० एम० उमर, 12 बी० डी० रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। (श्रन्तरक)
- श्री जेठानन्द पुत्र श्री जगत राम सिधी सोनार, 762-ए, 12 डी० रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 62 ए पर स्थित सम्पत्ति, 12 वी० डी० रोड़, सरदारपुरा जोधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1102 दिनांक 12-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 23-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई^६. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1550—यतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 62ए० हैं तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 मई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम विश्व कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों., भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यिक्तिया, अर्थात् :--- 21—446 GI/82

श्रीमती हमीदा बेगम पत्नी श्री एम० एम० उमर,
 12 वी० डी० रोड़, सरदारपुर, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री जय किशन पुत्र श्री जेठानन्व जी, श्री मोहन पुत्र श्री जेठानन्द ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बनुसूची

प्लाट नं॰ 62 ए पर स्थित सम्पत्ति जो 12 वी॰ डिंग रोड़, सरदारपुरा, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1103 दिनांक 12-5-82 पर पंजियद्व विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 23-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 विसम्बर 1982

निर्देश मं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1551—यतः मुझे, मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० प्लाट नं० 62 ए हैं तथा जो जौधपुर में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12 मई 1982

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त डा भागनम के अभीन अर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

- 1. श्रीमती हमीदा बेगम पत्नी श्री एम० एम० उमर, 12 बी० डी० रोड़, सरदारपुरा जौधपुर। (ग्रन्तरक)
- श्री विमल कुमार एव श्री जयन्त कुमार पुत्रान श्री श्री जेठानन्दजी सरदारपुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या शत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही धर्ष होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है ।

थमुस्ची

प्लाट नं० 62 ए, 12 बी० डी० रोड सरदारपुरा, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1104 दिनांक 12-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-12-82

प्ररूप आहु .टी.एन एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर, 1982

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/1553--यतः मुझे, मोहन सिह

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी से दुकान है तथा जो दौसा में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दौसा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3 मई 1982 को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक स्थ से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिमें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. सर्वश्री फूल चन्द पुत्र श्री केसरलाल, राजेन्द्र कुमार ताराचन्द, राजेश चन्द, पुत्रान कंजोडमल जैन स्वरूप चन्द, प्रेमचन्द, रमेश चन्द एवं श्रमोलकचन्द पुत्रान कपूरचन्द निवासी गीजगढ़ एवं श्री पदमचन्द पुत्र श्री चौथमल जैन निवासी लालमोट तह० दौसा।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सावित्रो देवी पत्नी गिरराज प्रसाद अग्रवाल निवासी गीजगढ़।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दशरा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकारी।

स्पर्व्हाकरणः — इसम प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के लक्ष्याय 20-क में परिभाधित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मन्डीमानगंज, दीसा में स्थित एक दुकान जो उप पंजियक, दौसा द्वारा ऋम संख्या 62 दिनांक 3-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 24-12-82

तारीख:

प्रश्य नार्षे . ट्री . इन . एस . ------

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1554—यतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 95 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मृद्द हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखिस में बास्तिबक रूप से किशन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्हें, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बासिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या अन्ध आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

बद्धः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीन हे—— श्री बन्सीधर तनेजा पुत्र श्री भगवान दास तनेजा, पी० ग्रो० ए० श्रीमती गोवर्धन देवी पत्नी श्री गोविन्द दासजी धवन, 244, फन्टीयर कालोनी, श्रादर्श नगर, जयपूर।

(भ्रन्तरक)

 ग्रानन्द पुर ट्रस्ट, श्री भ्रानन्दपुर तहसील भ्रशोक नगर जिला गूना (मध्य प्रदेश)।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना बारी कुरके पूर्वों का स्थ्यृतिस के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कुरता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपकु में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन् स्पी

प्लाट नं० 95 का पूर्वी हिस्सा, श्रावर्ण नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1088 विनांक 22-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-12-82

मोहर ह

प्रकप प्रार्थित ही ए एत एस •----

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० ग्रर्जन/1555—यतः मुझे, मोहन सिंह

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिथका उचित बाजार मूह्य 25,000/-द० मे अधिक है,

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 95 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसने उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक का से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उका प्रक्रितियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचन में मुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी मात्र या किसी बन या प्रस्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1922 (1923 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में एविश्रा के लिए;

बतः ग्रबः, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री बन्सीधर तनेजा पुत्र श्री भगवानवास तनेजा पी० श्रो० ए० श्रीमती गोवर्धनवास धवत, 244, फन्टीयर कालोनी श्रादर्ण नगर, जयपुर। (श्रन्तरक)
- श्री भ्रानन्दपुर ट्रस्ट, श्री मानन्दपुर तह० म्रशोकनगर, जिला गूना (मध्य प्रदेश)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रकृत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस मुक्ता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की भ्रविधि, जी भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत त्यक्तियों में ने किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र न प्रकाणन की नारी क्र में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सर्केंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त ग्रिश्वित्यम के भाष्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनसन्त्री

प्लाट नं० 95, स्थित म्रादर्श नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1087 दिनांक 22-5-82 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर, 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० मा० म्रर्जन/1556---यतः मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9-10-एस० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22 मई 1982

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसं किरी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के प्रविधा के लिए;

- श्री बिरदो चन्द, पुरुषोत्तम , रामेक्वर प्रसाद पुत्राम श्री गोविन्द नारायण सर्मा ग्राम श्रीरामपुरा। (श्रन्तरक)
- श्री बाबूलाल यादव पुत्र श्री हरीजी यादव, एस० 78, कृष्णा मार्ग, बापूगनर, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्था है।

अनुस्ची

प्लाट नं॰ 9-10 एस॰ स्थित कृष्णा मार्ग, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कंम संख्या 1020 दिनांक 22-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में स्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अभीव:——

तारीख: 24-12-1982

मोहर ा

प्रकृत नाई . टी . एन . एस . ------

थायक र प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अजीत सुचता

शास्त् संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1558—यतः मुझे मोहन सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उरावर स्कृति, जिल्ला उपना कारण मूर्ट 25,000/ रहन से अधिक है

भौर जिसकी सं० गोखा है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम-

1908 (1908 का 16) ग्रधीन, तारीख 22 मई 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्भ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकात का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जार अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिक रूप से किश्त महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य अस्तियों की, जिस्हें भारतीय सायकर अभिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिसम, या भन-कर अधिनिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

क्षतः इद्धः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निश्नितिकत व्यक्तियों, अर्थातः--- श्री कृष्णदास हिल्दिया पुत्र श्री राय बहादुर गोपीनाथ जी हिल्दिया, हिल्दिया हाऊस, जोहरी बाजार, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री रामचन्दर पुत्र श्री गप्पूलाल जी सर्राफ ग्रग्रवाल निवासी चौघरी का दरवाजा, मोत्तीसिंह भोमियां का रास्ता, जमपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित्यथ्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्तिस में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जयपुर जोहरी बाजर में हिन्दिया हाऊस के नीचे दक्षिणी गोखे का भाषा हिस्सा बिना बटा हुआ जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1070 दिनांक 21-5-82 पर पंजीबद बिकय पक्ष में और विस्सुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 24-12-1982

मोहर ∄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहाय्क गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० राज०/महा० श्वा० श्चर्जन/1522—यत: मुझे, मोहन सिंह

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथाओ पाली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शर्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे शर्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किस्तित में वास्तिक रूप किया नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एंकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

इन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. मैसर्स कुसिंग (प्रा०) लि० पाली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुत्र श्री रामछोड़ सिंह राजपुरोहित। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्यां हुँ।

ममुस्यी

447 वर्ग गज जमीन स्थित हिम्मत नगर, पुलिम लाईन के पास (लेबर कालोनी) पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 833 दिनांक 19-6-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन ^{रें}ज, जयपुर

तारीख: 20-12-1982

प्ररूप आहर्ष टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) क अधीन मचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेज जग्रपुर

जयपुर, दिनाक 20 दिसम्बर 1982

निर्देश स० राज०/महा० ग्रा॰ ग्रर्जन/1527---यत मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चार् उत्न अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मकान न० 6 ख 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीयकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 25 जून 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करन त्या कारण है कि यथागृत्तिका सम्मति का उच्चित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिय) में बीच एसा अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है ——

- (क) अतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अतरक के दायित्व म कमी करने या उसमे बचने म मुविधा के लिए और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मम्विधा के लिए

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व वी उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियो, अर्थाट —— 22—446 GI/82 1 श्री माभसन गग चाद सिह् बरार, 6 ख 12, जवाहरनगर, जयपूर।

(ग्रन्तरक)

2 श्री गैलन्द्र गग प्रवयस्क पुत्र श्री भीमसन गर्ग 6 य 12, जवाहर नगर जयपुर।

(भ्रन्त(रती)

3 श्री भीमसन गर्ग।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षप --

- (क) इस प्रचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध नाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस स्कान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरण --इसम प्रयक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहां अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 6 ख 12, जनाहर नगर जयपुर जो उप पजियकद्वारा क्रम सख्या 1462 जयपुर दिनाक 25-6-82 पर पजिबद्ध विक्रय पत्न मे स्त्रीर विस्तत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख 20-12 1982 मोहर प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आग्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आर्यास्थ सहायक मायकर मायक्त (निर्क्षिण)

भ्रजीम रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 20 दिसम्बर, 1982

सं॰ राज॰/सहा॰ आ॰ म्रर्जन/1528:——यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० हाउस नं० 6 ख 12 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 25-6-1982,

को पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामसः, उक्त अधिनियमः के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री भीमसेन गर्ग, चांद सिंह बरार, 6 ख 12, जवाहरनगर अथपूर।

(अन्तरक)

 श्रीमत्ती मंजू गर्ग पत्नी श्री भीमतीन गर्ग, 6 ख 12, जवाहरनगर जयपुर।

(अन्तरिती)

श्री भीमसैन गर्ग।
 (वह व्यक्ति जिसके ब्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनित जिमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क्षे आह; और/या
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुसूची

मकान नं० 6 ख 12 जवाहरनगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1463 दिनांक 25-6-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-12-82

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

निदेश सं० राज०/सहा० घा० श्रर्जन/1535—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हाउस नं० 1257 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 1-6-82

को प्वोंक्त सम्पिट्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेव्रह प्रतिष्ठात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिथम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री वासूधेव गोस्वामी पुत्र श्री बद्रीनारायण गोस्वामी जै-109 स्वाईजी चौक ग्रावर्ण नगर जयपुर। (ग्रन्तरक)
- श्री सीता राम सोनी.
 पुत्र श्री गोपीराम सोनी,
 1257, खीवालों का चौक,
 गोपाल जी का रास्ता जयपूर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊंस नं. 1257 मोहरा वालो का चौक गोपाल जी का रास्ता जयपुर उप पंजियक जयपुर ऋम संख्या 1286 दिनाक 1-6-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-12-82

प्रमाप कार्य - व्याप्त प्रमाणिक - ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्चर्जन हेंज, जयपुर
जयपुर, तारीख 23 दिसम्बर 1982
निदेश मं० राज० /सहा० श्चा० श्चर्जन/1536---

यतः मुझे, मोह्न सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 244 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूणं रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गर्द हा और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित अद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में पास्तिवक स्प से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त आधिनियम के अधीन कर दीन के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, इन्त ऑधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--

- (1) श्री लाल चन्द रोजोरिया, पुत्र श्री भगवान दा रोजोरिया एस०-18, भवानी सिंह रोष्ट्र, सी-स्कीम जयपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राज वहादुर पुत्र श्री लाल चन्द रोजोरिया मकान नं० 365, मण्डी खटिखान जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (हा) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिस- बन्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रश्वत शब्दों और गर्दो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क मे पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा हैं।

अनुसूची

दुकान मं० 244 चौड़ा रास्ता जयपुर (हिन्द होटल भवन) जयपुर उप पंजियक अयपुर क्रम मंख्या 1424 दिनांक 15-6-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर।

नारी**ज**: 23-12-82

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 23 दिसम्बर 1982

सं० राज ०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1537. यत. मुझे, मोहन सिह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 31-ए०, है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उणित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिएल के लिए अंतिरित की गर्र है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल में ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अतरको और अतिरती अन्तिरित के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुर्इ किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थस्य में अमा करने या उनमें बचन में स्थिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर माहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, जक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री एस० हे० सौमानी पुत्र श्री चौगान लाल, बी-76 साकेत कालोनी, श्रादर्श नगर, जयपुर पावर श्राफ ग्रटारनी होल्डर श्री सत्यनारायण जी काबरा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रामचन्द्र यादत पुत्र श्री दुला राम जी ग्राम भ्राडोया जिला जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पत्ति को अर्जन को कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नृजना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित मूँ, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्लाट नं० 31-ए 445.88 स्कावायर मीटर नाहरी का नाका (इस्टेट) जयपुर उप पंजियक जयपुर क्रम संख्या 1170 दिनांक 1-6-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर।

तारीख: 23-12-82

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, विनांक 23 विसम्बर 1982

सं० राज ०/सहा्०म्रा ० मर्जन ०/1538 — यतः मुझे, मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पराजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से धर्णित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-6-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतिरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निसित, उद्देश्य से उक्त, अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धारितक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अभीन निक्तिस्थित व्यक्तियों, अर्थात क्र-

- 1. श्रीमती पुष्प लता धार्मा पत्नी श्री मासाराम शर्मा जौहरी जी की गली गोपाल जी रास्ता, अयपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जोहेंरन वेबी पत्नी श्री कन्हेया लाल घाटी वाला श्रीमती रितू कासली वाल पत्नी श्री सुधामासू कासली वाला, एस० बी० भगवान सिंह मार्ग बापू नगर जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवव्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि 666.66 स्क्वायर गज तख्तेशाही रोड़ नियर रामबाग जयपुर उप पंजियकं जयपुर कम संख्या 1397 दिनांक 15-6-82 पर पंजिबंद विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 23-12-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

जायकर जिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 विसम्बर 1982

स॰ राज॰/सहा॰ प्रा॰ प्रजंन॰/1539:—यत. मुझे, मोहन सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धार 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट न० 20 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबड़ धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 1-6-1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उिष्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार्ग) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वापन के तिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्रीमती मुकुन्द कुमारी पत्नी श्री स्वरूप नारायण जी पुरोहित 20 गोपीनाथ पुरोहित मार्ग जयपुर। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती नीशा पुरोहित धर्म पत्नी श्री द्वुव नारायण जी गोपीनाथ मार्ग न्यू कालोनी, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्रत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वतिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20 गोपीनाथ पुरोहित मार्ग जयपुर न्यू कालोनी जयपुर उप पंजियक जयपुर कम संख्या 1275 दिनांक 1-6-82, पर पंजियद्ध विक्रय पत्र मे श्रौर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेज जयपूर।

तारीख 23-12-82 मोहर: प्ररूप आर्इ. टी एन एस. -----

जागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन०/1543---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 25,000/-रा में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 16 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-6-82,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अल्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए;

अत. शव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती कमला मेहता पत्नी श्री डाक्टर एस० ग्रार० मेहता, 5, हास्पीटल रोड, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ एस॰ ग्रार॰ मेहता, पुत्र श्री बी॰ श्रार॰ मेहता, 5, हास्पीटल रोड जयपुर, सि स्कीम जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधव में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगें, जो उस अध्याप में दिया गया है।

अन्सुची

प्लाट नं० 16 गणेश कालोनी जवाहर लाल नेहरू मार्ग जयपुर उप पंजियक जयपुर कम संख्या 1288 दिनांक 1-6-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 23-12-82

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० राज ०/सहा० म्रा० धर्जन ०/1544.—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

, और जिसकी सं० प्लाट नं० सी०-63 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-6-82,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे अधने में स्रोणिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सिक्षा के लिए;

जतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23—446 GI/82

 श्री गोपी लाल पुत्र श्री दुद्दाराम गोख्याल, सी-63, श्रादर्श नगर, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रेवा चन्द, पुत्न श्री गोपाल दास जी प्लाट नं० 724, सिन्धी कालोनी, राजा पार्क, जयपुर । (श्रन्द्वरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकोंगे।

नम्सूची

प्लाट नं० सी०-63 साकेत कालोनी, मादर्श नगर जयपुर उप पंजियक जयपुर कम संख्या 1329 दिनांक 15-6-1982, पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, मक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपूर

तारीख: 23-12-1982

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

सं० राज \circ /सहा० श्रिग् श्रर्जन \circ /1552—यतः भुन्ने, मोह्न सिंह,

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो दौसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दौसा मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-6-1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा- 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- सर्व श्री प्रकाण चन्द, महावीर प्रसाद, महेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार पुत्नान कस्तूर चन्द, श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री कस्तूर चन्द जैन।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमित्त साविक्षी देवी पत्नी श्री गिरीज प्रसाद अग्नवाल निवासी गीजगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

दुकान स्थित सानगंज मण्डी, दौसा जो उप पंजियक, दौसा द्वारा कम संख्या 174 विनांक 15-6-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 दिसम्बर 1982

स० राजा०/सहा० आ० प्रर्जन/1530—यत. मुझे, मोहन सिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० प्लाट नं० डी-254 है तथा जो जयपुर मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 8 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मूर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री हाकम श्रली पुत्र दिने खां बहैसियत मुख्तयार श्राम नूर मोहम्मद पुत्र श्री दिनेखा जाति मुसलमान निवासी रतनगढ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती मधु देवपुरा पत्नी डा० गणपत देवपुरा व श्रीमती जानकी देवी पत्नी श्री हीरा लाल जी देवपुरा निवासी बेलवाड़ा जिला उदयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपहित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पद्धीकरणः-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

प्लाट नं० डी-254, बनीपार्का, देवी मार्ग, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1531 दिनाक 6-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 21-12-82

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- जु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 दिसम्बर 1982

मं०राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन०।531--यतः मुझे, मोहन सिंह,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट नं० डी०-254 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6-7-1982

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री हाकम प्रली पुत्र विनेखां बहैसियत मुख्यार ग्राम नूर मोहम्मद पुत्र विने खां मुसलमान निवासी रतनगढ़ (ग्रन्तरक)
- श्री पुष्पा शर्मा पत्नी बजरंगलाल जी शर्मा निवासी
 डी-254, बनीपार्क देवीमार्ण, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

प्लाट नं॰ डी-254, बनीपार्क स्कीम, देवीमार्ग, जयपुर को उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1576 दिनांक 6-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न मे श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर।

तारीख: 21-12-82

मोहरः 🖁

प्रकप भाई । टी । एन । एस ---

भागमर प्रवितियम; 1961 (1961 का 43) की श्वारा 26% व (1) के प्रधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० राज/सहा थ्रा० श्रर्जन/1532:—यत: मुझे, मोहन सिंह, बायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से मिधक है

भौर जिसकी सं० श्रौद्योगिक भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22-7-1982

को पूर्वोक्त संस्मति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल स ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डस् प्रतिपत से यधिक है और प्रन्तरकों और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीब ऐसे प्रस्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं कथा गया है:—

- (क) स्राप्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, इकत स्रिधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करके गाउससे बचने में सुविधा के लिए; सीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसं धन या प्रत्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रश्चितियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त श्रश्चितियम, या स्नकर श्रश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्च के लिए;

मत: मृब, उन्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उन्कत अधिनियम की भारा 269-व की स्वयंभारा (1) के बचीन, निम्नीस्थित व्यक्तियों, स्वृत् :---

- 1. मैसर्स राजस्थान पैकिंग कम्पनी केयर भाफ इन्द्ररा दुर्लभ जी, दुर्लभ निवास, सी स्कीम, जयपुर (श्रन्तरक)
- मैसर्स भगवन्ती मैटल्स, बी-13 ग्रौद्योगिक इस्टेट साउथ जयपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजयल में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अस्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तोकरण:---इसमें प्रपुक्त गर्म और पर्धो का, ओ सक्स अधिनियम के भव्याय-205 में परिभाषित है, यही सर्च होगा को छा प्रध्याय में दिया क्या है।

वनसर्वी

श्रीद्योगिक भूमि 1600 स्क्वायर फीट बी-13 श्रीद्योगिक इस्टेट जयपुर साउथ जयपुर उप पंजियक जयपुर क्रम संख्या 1825 दिनांक 22-7-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 23-12-1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० राज/सहा श्रा०श्रर्जन/1545:;--यत: मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 22-7-82,

को पूर्वा कत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्स नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री जीवन राम पुत्र श्री मागी लाल जी निवासी हरनाम पुरा तहसील व जिला जयपूर।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स श्री जी० पालीवाल उद्योग, गंगा भवन ग्ररिवन्द मार्ग जयपुर श्री जे० सी० पाली वाल पुत्र श्री के० एल० पालीवाल, सी० स्कीम, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 5 बीघा निवासी हरनाथ पुरा तहसील जयपुर उप पंजियक जयपुरकम संख्या 1813 दिनांक 22-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप में दिवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर ।

सारी**ख**: 23-12-83

प्रश्रम प्रार्ध • टी • एन • एस • ~

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रिधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 24 दिसम्बर 1982 सं० राज/सहा ग्रा० ग्रर्जन/1557:----यतः मुझे, मोहन मिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० गोखा है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-8-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य से कम के द-श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री केसर देवी पत्नी पंडित जगन्नाथ प्रसाद शर्मा निवासी मेहन्दी का चौक, चौकड़ी घाटगेट, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सूरज देवी पत्नी श्री गापूलाल जी सराफ अग्रवाल निवासी चौधरियों का दरवाजा, एम. एस. बी. का रास्ता, जयपुर।

(अन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदो का, जो उनत ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर चौ॰ घाटवरवाजा, जोहरी वाजार, हिल्दिया हाउस के नीचे एक दक्षिणी गोखे का श्राधा भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1908 दिनांक 21-8-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 24-12-82

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बाइकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

सं० राज/सहा० श्रा० श्रर्जन/1494:—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण, ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे पश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिश्वत अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिस्त उक्वेस्य से उक्क अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से क्वेस्य बहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने धूर्य किसी बाय की बायत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए, बॉर/बा
- (ब) एंबी किसी बाय या किसी भन या अभ्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

कतः कम, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अभूतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री भूरा राम पुत्र श्री हरजी सिरवनी, कालेश रोड, पाली।

(ग्रन्तरक)

 श्री पूनम चन्द पुत्र श्री खुसाल चन्द पुरोहित, ग्रसी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा, कालैज रोड पाली जो उप पंजी-यक, पाली द्वारा कम संख्या 908 दिनांक 6-7-1982 पर पंजीयक विक्रय पन्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-82

मोहरः

प्रकृप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० राज/सहा म्रा म्रर्जन/1521:—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 19 जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल दिम्नालियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वभने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त सिंधनियम की धारा 260-ण के, जन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों. अधीत् :── 24—446GI/82

1. मैसर्स कासिंग प्राद्दवेट लिमिटेड पाली।

(भ्रन्तरक)

 कुमारी मीना कुमारी पुत्नी मोहन लाल राजपुरोहित ग्राम मोहराई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथां क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितक इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रसाक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

स्यब्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

1034 वर्ग गज जमीन स्थित हिम्मत नगर, पुलिस लाईन के पास, लेबर कालोनी, पाली जो उप पंजियक पाली द्वारा कम संख्या 838 दिनांक 19-6-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर।

तारीख 8-12-82. मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1983

सं० राज/सहा था श्रर्जन/1520:—यतः मुझे, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नगा है), की धारा 26% के मधीन मधीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थातर मन्पिन, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री कर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधि नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की वर्ष है भीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अनिक से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डाह्य प्रतिकत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्बर्य के लिए एप पाया गया प्रतिकः निम्नतिखित शहेल्य से अन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से प्रायत नहीं किया गया है।----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खोर/या
- (क) ऐप किया अप या कियो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जगत प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती तगरा प्रश्वत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए षा. लिए च में सुविधा के लिए;

श्रतः अन्, तन्त श्रविनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभ्रिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन. जिल्लासिया व्यक्तियों श्रवीत :---

- 1. मैसर्स क्रासिंग प्राइवेट लिमिटेड, पाली।
 (अन्तरक)
- 2. त्री जैम सिंह पुत्रं श्री लक्ष्मणसिंह राजपुरोहिस ग्राम नरवा जिला जालौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारी आ से 45 दिन और अपित या तत्स्वकारी व्यक्तियों पद सूचना की नामी के 30 दिन की भवित, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस अचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारी के से 45 दिन के भीतर एक्स स्वावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणम्न-व्हसमें प्रयुक्त सन्दों और पदीं का, को छका अधिनियम के अध्याय 20-क परिमाणित है, वहीं प्रयं होगा, जो उसल्डयाय में दिया गया है।

सरतची

800 वर्ग गज जमीन स्थित हिम्मत नगर, पुलिस लाईन के पास (लेबर कालोनी), पाली को उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 868 दिनांक 29-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, अयपुर

तारीख: 6-12-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

नावकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूभना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 6 दिसम्बर 1982

सं० राज/सहा श्रा श्रर्जन/1519:—यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्सा प्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख 29-6-

को पूर्वोक्स सम्पित के उिषत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उिषत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिकित व्यक्तिवाँ, अर्थात् :--

- मैसर्स ऋसिंग प्राइवेट लिमिटेड, पाली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री घ्रोमप्रकाश पुत्र श्री रामचन्द्रदास राजपुरोहित ग्राम मोहराई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1200 वर्ग गज जमीन स्थित हिम्मत नगर, पुलिस लाइन के पास (लेबर कालोनी) पाली को जो उप पंजीयक, पाली द्वारा क्रम संख्या 867 दिनांक 29-6-82 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्र में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 6-12-1982।

(म्रन्तरिती)

प्ररूप आर्थ. टी. एर. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपुर जयपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1982 सं० राज/सहा श्चा श्चर्जन/1523:—यत: मुझे, मोहन सिह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कानी का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजान मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पानी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के भ्रवीन, तारीख 19 जून, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मुभी यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं फिसी आयकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी गाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नृतिश्वित स्पृतित्यों, स्थात् १ मैसर्स क्रिसग प्राइवेट लिमिटेड, पाली।
 (ग्रन्तरक)
 श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री मोहनलाल राजपुरोहित ग्राम मोहराई।

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्स संपरित को अर्जन को लिए

उबत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुएं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंखी

1034 वर्ग गज जमीन स्थित हिम्मत नगर, पुलिस लाईन के पास (लेबर कालोनी) पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा क्रम संख्या 834 दिनांक 19-6-82 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर।

तारी**ज:** 6-12-82

प्रक्ष बार्च. टी. एन. एस.-----

भागकर मुभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1982 सं० राज/सहा श्रा श्रर्जन/1624—यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय पाली मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-6-1982

को पूर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दरुगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एस दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलियित उद्देश्य सं उक्त अन्दरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अर्थ/या
- (स) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, हिलाने भी सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिभिनियन की भार 269-ण के जनसरम में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (¹) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री मैसर्स कासिंग प्राइवेट लिमिटेड, पाली। (प्रन्तरक)
- 2. श्री मोहन लाल पुन्न श्री रणछोड़ सिंह राजपुरोहित (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परितृ के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूरारा;
- (स) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तिः य्वास अथोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त शिव-नियम को शध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, च**ही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया** हैं।

वनसर्चा

भूमि 447 वर्ग गज स्थित हिम्मत नगर, पुलिस लाईन के पास (लेबर कालोनी), पाली को उप पंजीयक, पाली बारा कम संख्या 833 दिनांक 19-6-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में ग्रीर बिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 6-12-82

भक्य अल्ड^{*}. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नाम्बत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1982

सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1526:—श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (भीर इससे उपाबक्क भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 19-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार अंत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण बेहुर्द जिल्हीं बाक की घलता, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दादित्य में कमी करने या उक्त विचनें में सुविधा के लिए आद/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिरा को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म के अन्तरूरणं में, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात् ः—

- 1. मैंसर्स क्रॉसग प्राइवेट लिमिटेड, पाली। (मन्तरक)
- श्री मदन लाल पुत्र श्री मोहन लाल राजपुरीहित निवासी मोहराई।

(मन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीवत संपत्ति के नर्जन के सिस् कार्यगिष्टियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजयभ में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाद;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्धीकरण ---इसमें प्रबुक्त शब्दों और पन्नों का, जो जनत मीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिकारिक ही, नहीं जर्थ होगा, जो उस अध्यान में दिवा गना है!

अमृत्युची

997 वर्ग गज भूमि स्थित हिम्मत नगर, पुलिस लाईन के पास (लेबर कालोनी) पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा कम संख्या 835 दिनांक 19 जून, 1982 पर पंजि-बद्ध विकय पत्न में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 6-12-82

मोहर

प्ररूप धाई । टी । एन । एव । ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चे (1) के अधीन सूचना

भारत सङ्ग्रहर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1982

सं० राज/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1525:—यतः मुझे, मोहन सिष्ठ.

भागकर मिंभियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कः रण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्म 25,000/• ४० में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (श्रीर इससे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-6-1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उनित बाबार मूल्य से कम के बृश्यनान प्रति-फल के सिए प्रन्तिरत की वर्ष है जौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्मित का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याह प्रतिकात से प्रधिक है चौर बन्तरक (प्रन्तरकों) और बन्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिये तय पामा गया प्रतिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया प्रमा है।~~

- (क) अन्तरण से हुए किसी आज की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर योगे के अन्तर्क के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरु/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अध्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना आहिए बा, डिपाने म सुविधा के लिए;

1. मैंसर्स असिंग प्राइवेट लिमिटेड, पाली। (अन्तरक)

 श्रीमती नाराणी बाई पत्नी श्री मोहन लाल राज राजपुरोहिन ग्राम मोहराई।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के श्रि**ए कार्ववा**हियां **कर**ता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि मा तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घनिया, जो भी घनिया बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, तो उनत अधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, तो सस अध्याय में दिया गया है।

यम्स्यो

भूमि 447 वर्ग गज जो हिम्मत नगर, पुलिस लाईन के पास (लेबर कालोनी) पाली में स्थित है ग्रीर उप पंजियक पाली द्वारा क्रम संख्या 831 दिनांक 18-6-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)

के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:--

तारीख: 8-12-82

प्ररूप आई टी. एन. एस. ----

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

मं० राज/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1495 — यत. मुझे, मोहन सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी गं० कृषि भूमि है तथा जो पाली मे स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाली मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-6-1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वों रह संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निभ्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री भूरा राम पुत्र श्री हरजी सिखी, कालेज रोड, पाली।

(ग्रन्तरक)

 श्री भीकमचन्द हस्तीमल, तह०, मारवाड़ जंक्शन, पाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि 8 बीघा, कालेज रोड, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा ऋम संख्या 865 दिनांक 28-6-82 पर पंजि-बद्ध विऋय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1493:—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं॰ भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण मिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22 जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री गोरधन सिंह पुत्र श्री बख्तावर सिंह, नि० मण्डली खुर्द।

(भ्रन्तरक)

 मैं • कल्पवृक्ष सह्कारी समिति लिमिटेड, पाली। (श्रन्बरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर, सूचना की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी व्यक्ति ब्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सुमेरपुरा रोड, पाली में स्थितं 10 बीघा कृषि भूमि जो उप पंजियक पाली द्वारा कम संख्या 843 दिनांक 22-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर।

सारी**ख**: 18-12-19**8**2

प्रस्पु नाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

सं० राज/सहा० भ्रा० म्रर्जन/1470:—यतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा भौर पाली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 22-6-1982

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमं के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुद् किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्शा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री गोरधन पुत्र श्री बस्तावर सिंह, नि० मण्डली खुर्द।

(भ्रन्तरक)

 मै० सहकारी समिति लिमिटेड, पाली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिट्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा वसा हैं॥

मनुसूची

भूमि सुमेरपुरा रोड, पाली जो उप पंजियक, पाली ढारा कम संख्या 84,4 दिनांक 22-6-82 पर पंजिबद्ध पत्र में स्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-82

प्रसप शाई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भाउत तहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० भा० ग्रर्जन/1511—यतः मुझे, मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी स० होटल ममता है तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25 जन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नार्म है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर म्यस्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफत । एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्तिवित उव्वस्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस को क्षीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुन्धित के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

नतः, अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की धास 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात-- मैसर्स बलवंत सिंह एण्ड कम्पनी, 118, बापूबाजार, उदयपुर।

(श्रन्तरक)

 मैंसर्स यूनाईटेड होल्डीग कारपोरेशन, 853, रामेश्वर, खीरा नगर के पीछे, एस० वी० रोड़, सान्ताऋूज, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाक्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

होटल ममता (ग्रब होटल यातं) उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1281 दिनांक 25 जून, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न मे ग्रीर त्रिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहर्निसह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर्।।

तारीख: 18-12-1982

प्रकृप बाई, टी. एन. एस.-----

.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० 'राज०/सहा० भा० भर्जन/1508--यतः मुझे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ०119 है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 मई 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तदिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्ध िकासी जाय की बाबत उक्त अभिनित्य के अभिन कर दोने के अभ्युक्त के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
- (का) ए'सी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिद्ध व्यक्तियों, अधित्:— 1. मैं० विनोद डाईग, पाली।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स मेहता इण्डस्ट्रीज, एफ०-119, मंडी रोड़, पाली। (ग्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस नुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उचत स्थायर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एफ०-119, स्थित मंडी रोड़, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 304 दिनांक 28-5-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में स्रौर विस्तृत रूप सेविवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीखा: 18-12-1982

प्रक्ष भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० गर्जन/1510—यतः मुझे मोहन सिंह

ध्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से ग्रीधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 23/173 है तथा जो भ्रजमेर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपायक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रजमेर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 3 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मल्य से कमके वृश्यमान प्रतिफ ल के लिए प्रस्तिरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनि वाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से प्रधिक हैं और धन्तरक (प्रस्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित छहेश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिकक छए से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिक नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए। बीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किमी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भ्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स अजय फूड इण्डस्ट्रीज, परबतपुरा, नसीराबाद रोड़, अजमेर।

(ग्रन्सरक)

 मैसर्स लक्ष्मी एन्टरप्राइजेज, परक्षतपुरा, नसीराबाद रोड़, भ्रजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनन सम्मत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (त) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति धारा;
- (ख) इम मूचना क राजपल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसर्ने प्रयुक्त मध्यो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि • नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छम ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 23/173, परवतपुरा, नसीराबाद रोड़, भ्रजमेर जो उप पजियक, भ्रजमेर द्वारा कम सख्या 781 दिनांक 3-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न मे श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/1505—यतः मुझे, मोहन सिंह

भायकर गृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन संभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृल्व 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पाली में रिजस्ट्रीकरण भिर्धिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 27 मई 1982

मों पृष्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिकल, जिन्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था दिण्याने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्भात्:—

- श्री सोहनराज पुक्ष श्री सन्तोक चन्द जैन, पाली।
 (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना <mark>चारी करकें पूर्वोक्तः संस्परित के अर्थन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 बिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शुक्तें और पदों का, जो जकत विधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अथ्याय में दिया गया है।

यगुतुची

कृषि भूमि 8 बींचा स्थित चक नं० 4, मडीया रोड़, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 300 दिनांक 27-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.------

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं राज / सहा श्रा० म्रर्जन / 1502---यतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपहित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (ब्रौर इससे उपाबद्ध बनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण ब्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन, तारीख 28 मई 1982

को पृशों क्त संपर्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंत्रह प्रतिक्षत से विधिक है और अंतरक (वंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अव्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

श्रतः मन, उपत प्रधिनियम, भी घारा 209-म के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सभति :---

- श्री सोहन राज पुत्र श्री संतोक चन्य जैन, पाली। (ग्रन्तरक)
- मैसर्स महाबीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं वृधि होगा जो उस अध्याय में दिवा वृदा हैं।

बृब्स्ची

कृषि भूमि 8 बीघा स्थित चक नं० 1, मंडी रोड़, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 302 दिवांक 28-5-82 परपंजिबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम,, 196! (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 सिदसम्बर, 1982

निर्देश सं० राजा०/सहा० आ० अर्जन/1504—यतः मुझे मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सँ० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिनित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मोहन राज पुत्र श्री मन्तोक चन्द जैन, पाली .

(अन्तरक)

 मैसर्स महाबीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिटिड, पाली।

(अन्बरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हैं।

उच्च सम्परित से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यश्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिझित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

7 बिघा 18 बिस्वा कृषि भूमि जो चंक नं • 1, मडीं रोड़ पाली में स्थित है और उप पजियक,पाली द्वारा कम संख्या 301 दिनांक 27-5-1982 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर।

सारीख: 18-12-19**8**2

ोहरः

प्ररूप डार्ड .टो .एन .एम . ------

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1503—यतः मुझे मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० चक नं० 1 है तथा जो पाली मे स्थित है, (और इससे उपावड अनुसुची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है' है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)य के अधीन, नारीख 28 मई 1982

को पूर्वो वित सम्पत्ति को उदित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 26—446 GI/82

- श्री रामा पुत्र श्री भूराजी पिखी, पाली। (अन्तरक)
- य भैसर्य महाबीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि चक नं० 1, मंडिया रोड़, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम मंया 305 दिनांक 28-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में ववरणित है।

> मोहन सिह, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर ।

तारीख: 18-12-1982

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

तिर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1507-पतः मुझे मोहन सिंह

आयकर लीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), को धार 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सप्परित, जिस्का उचित बाबार मृत्य 25,000/-रु. से विधिक है

और जिसकी सं॰ कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (और इससे उपागढ़ अतुपुची में और पूर्ग रूप से विणित है), रीजस्ट्रीकर्ता वीधवारी को जार्यालग, पाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 24 जून, 1982

को प्वोंवत संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंवत सम्पत्ति का उचित बाबार मृष्य उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यनान प्रतिफल का पन्दह प्रतियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नीविध्त उद्वेश्यों से उचत बन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्त में कभी करने या उससे बचने में मृतिया के निपए; और/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवरा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शंतिरती इंबार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, न्जिपाने में स्विधा के निष्

अतः थब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्रारण से, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मुस्समात हैंजा पत्नी श्री केसाजी जाट, पाती। (अन्तरक)

 मैसर्स महावीर गृह निम्राण सहकारी समिमित लिमिटेड, पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित: यह किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यखीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि 8 बीघा 2 बिस्वा, चक नं० 1, मंडिया रोड़, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संया 851 दिनांक 24-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पत में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 18-12-1982

प्रस्प आहे. टो. २न. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जुधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/1506—यत मुझे मोहन सिह

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत बिधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अवीन स्थाप प्रिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी ग० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुजूबी में और पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय पाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 24 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त नक्षीत का उधित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रीताल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वर्य से उक्त जन्तरण लिश्वित में वास्तियक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्त्रक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुमिधित व्यासियों अधीत ः— 1. श्री जयराम चीपराज पुत्न केमाजी जाट निवासी पाली ।

(अन्तरक)

2 मैसर्स महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड पाली।

(अन्तरिती,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नन्तम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीश में 30 दिन की बर्वायं, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, में भीतार पूर्वेक्त नाकियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६ म गुलना के राज्यन भी प्रकाशन की भारिक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी बन्य व्यदित द्याम अवोहस्तादारी के पास निवासत मा विमा जा मन्ते।

स्पट्टीकरणः — इगम प्रापृत कर्न्यों शिर पदा का, जो उनत अधिगिषा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्यास में विसा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8बीधा 2 जिस्वा, चक नं० 1 के पात, पंडीया रोड, पानी जो उप पिजयक, पानी द्वारा क्रम सख्या 853 दिनाक 24-6-82 पर पिजबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपूर

तारीख: 18 12 1982

मोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1515—यतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिल्लकी सं० म० नं० 913 है तथा जो श्रजमेर में स्थित है (श्रौर इतसे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजमेर में , रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और स्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री भ्रब्दुल भ्रजीज पुत्र श्री भ्रब्दुल शक्रूर, महात्मा गांधी मार्ग, बंगलोर।

(भ्रन्तरक)

 श्री चान्द कुमार पुत्र श्री रघुरमल सिंधी मोहला, नसीराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 913, स्थित द्धिया मोहल्ला, नसीराबाद श्रजमेर जो उप पंजियक, श्रजमेर द्वारा ऋम संख्या 1003 दिनांक 10-5 1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में ग्रौर विस्तृत है।

> (मोहन सिंह) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप आर्द्दरी.एन.एस. -----अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रजन/1516—यत: मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. मे अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० म० न० 913 है तथा जो अजमेर में स्थित है, (ग्रीर इनसे उपावद अनुमुजी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रजमेर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और म्फेयित िक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सपित्त का उिचत बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीन एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्दश्य से उक्त अन्तरण निस्तियां में वास्तिक रूप से किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- श्री ग्रब्दुल ग्रजीज पुत्र श्री श्रब्दुल शक्र महात्मा गांधी मार्ग, बंगलौर।

(श्रन्तरक)

2. श्री ईश्वरदास पुत्र श्री नथुरमल, सिधी मोहल्ला, नसीराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 913, दूधिया मोहल्ला, नमीराबाद, भ्रजमेर जो उप पंजियक, भ्रजमेर द्वारा ऋम संख्या 1002 दिनांक 5 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-1982

मोहर

प्ररूप. आहूर. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/महा० श्रा० ग्रर्जन/1517---यतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 913 है तथा जो नसीराबाद (ग्रजमेर) मे स्थित है (ग्रीर उससे एपाबड ग्रन्सुर्वा मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रिजर्ट्रीवर्ता शिधवारी के वार्यालय ग्रजमेर मे, रिजर्ट्रीकरण शिधिविदम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 17 मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एरो दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया वया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की प्रम्पानमा में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) श्री प्रब्हुत प्रजीज पुत श्री प्रब्दुल णकूर, महात्मा गावी मार्ग, बंगलौर।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहन लाल पुत्र श्री नत्थरमल, लिधी मोहल्ला, नसीराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीगर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यपित द्वारा;
- (म) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त राज्ये और पदो का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 913 दुधिया मोहल्ला, नसीराबाद, श्रजमेर जो उप पंजियक, श्रजमेर द्वारा क्रम संख्या 1005 दिनांक 17-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रप्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-82

प्रकृप बाहै. टी. एत. प्रत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सर्जेन रेंज, जयपुर जयपुर, जिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/ सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1518--यतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पदमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धाय 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं॰ म॰ नं॰ 913 है तथा जो नसीराबाद (अजमेर) में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय (अजमेर) में रिजट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितौं (अंतरितिंत्रों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मीलीबत उद्देश्व से उबत बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया जाता है:--

(क) जन्तरण से हुइ किसी बाय को बाक्षत उक्स सिध-नियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निये; और/या

(स्) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य अगिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-फर कोधीन्यम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनगर्थ अनिरिनो इवारा प्रयद्ध गर्ही किसा गया था या किया जाता चाहिए था, खिषाने में स्विधा है निस्ता

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री अब्दुल अजीज पुत श्री अब्दुल शक्र, महात्मा गांधी मार्ग, वंगलौर।

(अतरक)

 श्रीमती हापुल देवी पत्नी श्री नत्थरमल, सिंघी, दृधिया मोहल्ला नसीरावाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्बीस के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस बुक्ता के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वोंक्त ध्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किस्प जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रमृक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ द्योगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

मकान नं० 913 दृष्टिया मोहल्ला, नसीराबाद जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा कम संख्या 1001 दिनांक 29-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीब: 18-12-1982

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/1513—यतः मुझे ोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जि़सका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुमुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 मई

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :—

 श्रीमती भीलम कंवर पत्नी श्री थानचन्द मेहता निवासी जौधपुर, जालोरीबाड़ी।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती दुर्गा पत्नी श्री ण्यामसुन्दर सोनी शोरों का बास, जौधपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

रसाला रोड़ पर स्थित मकान का भाग, जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 968 दिनांक 1 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1514---यतः मुझे मोहन सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्ल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० दो दुकाने हैं तथा जो जौधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 मई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती भीलम कंबर पत्नी श्री ताराचद मेहता, जालोरी गेंट के बाहर, जौधपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री दिनेश कुमार एवं श्री मुकेश कुमार पुक्रान श्री श्याम सुन्दर सुनार, जौधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

दो दुकानें स्थित रसाला रोड़, औधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा,क्रम संख्या 967 दिनांक 3 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-12-1982

मोहर:

27-446GI/82

प्रस्प आर्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1512—यतः मुझे भोहन सिंह

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं भकान है तथा जो जौधपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीखा 3 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का. पन्द्रह् प्रतिष्त में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी थन या अन्य आस्तियों हो। जिल्हों भारतीय क्षायं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भतकर अधिनियम, या भतकर अधिनियम, या भतकर अधिनियम, वा भतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया में मूतिथा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:—— श्रीमती भालम कंवर पत्नी श्री तानचन्द मेह्नता,
 श्री हरीराम पुत्र जुगतीराम चौधरी, श्रीमती कमला पत्नी श्री हरीराम ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ण्याम सुन्दर पुत्र श्री रामभंवर सोनी, 537, रसाला रोड़, जौधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप:--

- (क) इस स्वन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक् सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

रसाला रोड़, जौधपुर पर स्थित सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 969 दिनाक 3-5-82 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 18-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 7 विसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1456—यतः मुझे मोहन सिंह

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 17) के श्रिधीन, तारीख 22 मई 1982

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का दारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है।:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः. अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अमृसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती तरुलता कोठारी पत्नी श्री चन्द्र कान्त कोठारी, उणियारा गार्टन, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सहेन्द्र म्नार० सर्राफ, 32 न्यूकालोनी, जयपुर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एक्द स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्य त्यवित द्वारा अधोहरूगाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, को अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

प्लाट नं० 8, उणियारा थाग जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संया 1103 दिनांक 22 मई, 1982 पर पंजिब विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 7-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1457—यत: मुझे, मोहन सिह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

 श्री किशन सहाय एवं रामदेव ग्राम नानूसर तह० जयपुर।

(ध्रन्तरक)

2. मैमर्स कैलाश इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, सी-स्कीम, जयपुर । (भ्रन्तरिती)

हसचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु~।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अभिनयम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि 5 बीधा 2 बिस्या स्थित ग्राम नानूसर तहसील जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1097 दिनांक 22-5-1982 पर पंजिबद्ध विक्रथ पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 7-12-1982

मोहर ः

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जयपुर जयपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1458---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृल्य 25,000 ∕-रः. से अधिक **ह**ै

भ्रोर जिसकी सं० प्लाद है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपूर मे, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपृत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच एपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अन्तः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 本 अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- श्री ठाकुर ग्रमर सिंह पुत्र ठाकुर बने सिंह निवासी ग्राम चौमू तह० शेरगढ़ जिला जौधपुर हाल नियासी 911, बगरवालों का रास्ता, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुमन्त खण्डेलवाल पुत्र श्री राजेश चन्द गुप्ता बी-22 शिवमार्ग, बनीपार्क, अयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प**ि**त मे⁻ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिल में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस शध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूतेड़ा हाऊस के पास स्थित प्लाट, बस्सी सीतारामपूरा, चौमूरोड, जयपुर द्वारा कम संख्या 1046 विनाक 22 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-12-1982

प्ररूप बार्ड ्टी. एन., एस., ----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1463—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो झूंझनू में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय झूंझनू में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 जून 1982

का पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनारी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती मणा देवी पत्नी स्वर्गीय श्री मथुरा प्रसाद टाबरेवाला, मोहल्ला टाबरवाला, फूटला बाजार के पास , शंबान ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री खुरणीद ग्रहमद पुत्र श्री रामसेन कायमखानील ब्रारा लिबर्टी इलेक्ट्रिक स्टोर्स, नेहरू बाजार, झूंझनू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कथ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थायः अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंने।

स्थव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 3, रेलवे रोड़, वार्ड नं० 3, झूंझनू जो उप पंजियक, झूंझनू द्वारा ऋम संख्या 277 दिनांक 26 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में झौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 नवस्वर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1464--यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात 'उमत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो झूझनू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय झूझनू में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषय जाना चाहिए था, दिस्सने में सविधा के लिए;

अतः लब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अभीत् :— 1. श्रीमती मणी देवी पत्नी स्व० श्री मधुरा प्रसास टीबरेवाला, मोहल्ला टीबरेवाला, फूटेला बाजार, मुझनु।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लिछमन राम पुत्न श्री दनीप सिंह, झूसनू। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित व्यथ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत मो किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ब्ह्री अध होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

भगसूची

प्लाट नं० 7, रेलवे स्टेणन रोड, वार्ड नं० 3, झूंझनू जो उप पंजियक, झूझनू द्वारा ऋम संख्या 283 दिनांक 26 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र मे श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 23-11-1982

मोहरः

प्रस्प माह^र. टी. एन. एक.----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश स० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1465—यत मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 6 है तथा जो अभूमनू में स्थित है (श्रौर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) राजस्ट्रीफर्ता श्रधिकारी के कार्यात्र श्रू सनू में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 मई 1982

को पूर्वोअस् सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मृभ्ने यह विदेशस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सपित्व का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयाजर अधिनियम, 19 2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, दिशान में सन्धिय के लिए;

नतः अव, अवत अधिनियम, की धारा 209-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् —— अभिनती मणी देवी पत्नी स्वर्गीय श्री मथुरा श्रसाद, टीबरेवाला, मोहल्ला टीबरेवाल, फूटेला बाजार, झझन्।

(भ्रन्तरक)

2 श्री श्रीम प्रकाण पुत्र श्री गोरधनलाल आहमण द्वारा पचायत समिति अक्षनु।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा पया है।

अनुसूची

प्लाट न० 6, रेलवे स्टेशन रोड, वार्ड न० 3, झूझनू जो उप पंजियक, झूझनू द्वारा क्रम सख्या 282 विनाक 26 मई, 1982 पर पजिबद्ध विकय पत्न मे श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख 23-11-1982 मोहर प्ररूपः आर्द्धः टीः एतः एसः -----ग्रायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के सधीन सुचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1982

श्रादेश सं० राज०/महा० थ्रा० श्रर्जन/1466—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ¹ उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिलका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है तथा जो झुंझुनू में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय झुंझुनू में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भवः थन, उपत प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त प्रधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---28-446 GI/82 (1) श्रीमती मनी देवी पत्नि स्वर्गीय श्री मधुरा प्रसाद टीबरेवाला, मोहल्ला टीबरेवाला, फूटेला बाजार के पास, भूंझुनू

(श्रन्तरक)

(2) श्री सालुद्दीन पुत्र उमरखान् कायमखानी, रोड नं० 3, झुंझुनू।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्यांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर गदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जा उन प्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1, स्थित रेलवे स्टेशन रोड़, वार्ड नं० 3, झुंझुनू जो उप पंजियक, झुंझनू द्वारा कम संख्या 9 281 दिनांक 26 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पद्म में ग्रोर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 23-11- 1982 मोहर : प्ररूप आइ^र.टी.एन्.एस.------

आवकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत स्ट्रकाट

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1982

म्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० म्रर्जन/1467—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थान पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो झुंझनू में स्थित है, (श्रीर हससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय झुंझनू में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 28 मई 1982 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रीमती मणी देवी पित्न स्वर्गीय श्री मथुरा प्रसाद टीबरेवाला मोहल्ला टीबरेवाला, फूटेला बाजार के पास, झुंझनू (ग्रन्तरक)

(2) श्री रामनिवास पुत श्री चुन्नी लाल द्वारा मैसर्स खयालीराम रोड नं० 3, मुझन्।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकु से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 वस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्तु अधिनियम, के मुख्याय 20-क में प्रिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुना हैं।

मन्स्ची

प्लाट नं० 4, रेलवे स्टेशन रोड़, वार्ड नं० 3, मुंझनू जो उप पंजियक, मुंझनू द्वारा ऋम संख्या 280 दिनांक 26-5-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपूर

दिनांक: 23-11-1982

मोहर:

प्रकप आई० टी• एत• एस•----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक स्नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1982

श्रादेश सं० : राज०/ सहा० श्रा० श्रर्जन/1468—-यताः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 5 हैं तथा जो झुंझनू में स्थित हैं, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय झुंझनू में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 26 -5-1982 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिश में वास्तविक इत्य से कार्य के निम्नलिखित

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम की वावत, सबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे अचने मो सुविधा के लिए; आर्./या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, जिन्मों सुविधा के दिनए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उच्चारा (1) के बुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मनी देवी पत्नि स्वर्गीय श्री मथुरा प्रसाद टीबरेवाला, मोहल्ला टीबरेवाला, फूटेला बाजार, झुंझनू । (श्रन्तरक)

(2) श्री कमल किशोर पुत्र श्री गोपीराम गादिया, रोड़ नं० 3 द्वारा कमल ट्रेडिंग कम्पनी, सुंसनू।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ता बारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, वो भी भविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (क) इस स्वभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्भ किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उसका जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5, रेलवे स्टेशन रोड़, वार्ड नं० 3, झुंझनू जो उप पंजियक, झुंझनू द्वारा कम संख्या 279 दिनांक 28-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 23-11-1982

मोहर:

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

मायुक्त र मिनियुम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के गंधीन सूचना

शारत सुरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 नवम्बर 1982

श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1469-- यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उम्रित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 2 हैं तथा जो झुंझनू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय झुझनू में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 26-5-1982 को

को पूर्वेक्सि संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निल्खित उद्वेश्य से उक्त् अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्देशी ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुन्धा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उन्धारा (1) के अधीन निम्ननित्वित का कित्त्वों, नुभीत :---

(1) श्रीमती मनी देवी पहिन स्वर्गीय श्री मथुरा प्रसाद टीबरेवाला, मोहल्ला टीबरेवाला, फूटेला बाजार के पास, झुंझनू। (ग्रन्तरक)

(2) श्री फूलाराम पुत्र श्री खयालीराम, हरी राम,

ग्राम एवं पोस्ट नयासर, जिला चूरू

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप;--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्युम् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाथ निश्चित् में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषिक हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या **ह**ै।

मनुसूची

प्लाट नं० 2, रेलवे स्टेशन रोड़, वार्ड नं० 3, झुंझनू जो उप पंजियक, झुंझनू द्वारा ऋम संख्या 278 दिनांक 26-5-1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 23-11-1982

मोहर:

प्रकप भाई॰ टी॰ एस॰ एस●---

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

भ्रादेश संख्या : राज०/सहा० भ्रा० म्रर्जन/---1469---यतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुः से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० बी-143 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित

हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 जून, 1982 को

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास **करने** का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसको उपयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में स्विधा के लिए; के लिए;
- (स) ऐसी किरसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--

(1) श्री प्रवीण चन्द्र छाबड़ा पुत्र श्री गुलाबचन्द्र छाबड़ा 2 न्यू कालोनी, जयपुर ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमदास पुत्र स्वर्गीय तुलजाराम सिंधी, 146 कंवर नगर, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वो कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर, न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा मकर्गा

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय म⁻ दिया ग्याहै।

प्लाट नं ० बी-143, मोतीष्ट्रगरी स्कीम, जयपुर जो उपपंजियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1174 दिनांक 1-5-82 पर पंजीबद्ध विकय पक्ष में श्रौर बिस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 8-12-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

स्रादेश संख्या : राज०/सहा० ग्र० मर्जन/1460—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं बी-143 है तथा जो जयपुर में स्थित हैं, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1 जून, 1982 को

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी कारने या उससे बचने में सूविधा के सिए; आर्ड/या
- (स) एसी फिसी आप या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्स्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थत् ाः—— (1) श्री प्रवीण चन्द छाबड़ा पुष्त श्री गुलाबचन्द छाबड़ा 2 न्यू कालोनी, जयपुर

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सुभाष चन्द गाह, 1309 गोपालजी का रास्ता, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

समसर्ची

प्लाट नं ० बी-143, मोतीडूंगरी स्कीम, जयपुर जो उप पूर्व जियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1173 दिनांक 1 जून, 82 पर पजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 8-12-1982 मोहर: प्ररूप अल्हें , टी. एन , एस , =======

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 विसम्बर 1982

म्रादेश संख्याः राज०/ सहा० म्रा० म्रर्जन/1461—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० बी-143 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान, प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्वित में वास्ति बिक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्री प्रवीणचन्द छाबड़ा पुत्र गुलाब चन्द छाबड़ा,
 2 न्यू कालोनी,
 जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा सुभाष चन्द शाह, पुत्र श्री भोंगी लाल जी शाह 1309, गोपाल जी का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्युष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाटनं व बी-143, मोती डूंगरी स्कीम, जयपुर जो उपपंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1364 15-5-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 8-12-1982 मोहर : प्ररूप आर्घ. टी. एनं. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

ग्रादेश संख्याः राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1469---थतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-143 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 15-6-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रवीण चन्द छाबड़ा पुत श्री गुलाब चन्द छाबड़ा 2 न्यू कालोना, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुरुपोत्तमदास पुत्र स्वर्गीय श्री तुलजाराम, 146, कंत्ररनगर, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पक्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-143, मोती ड्रंगरी स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1365 दिनांक 15-6-82 पर पंजीबद्ध विऋय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-12-1982

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 नवम्बर 1982

श्रादेश संख्याः राज०/सहा० श्रा० श्रर्णन/1440---यतः मृक्षे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी-81/सी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22-5-1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्कल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या .धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में मुविधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—446GI/82

- (1) श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री भीमसिंह जाति जाट निवासी ग्राम माछरोला, जिला रोहतक हलान, जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र मिर्धा एच० यू० एफ० पुत्र श्री राम निवास मिर्धा जाति जाट पी-1, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यास्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्रोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी-81 का सी भाग, श्राजाद मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1093 दिनांक 22-5-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रोर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

धिनांक: 11-11-1982

मोहर ः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 11 नवम्बर 1982

भ्रादेश संख्या : राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जेन/1441—यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000/- ६0 से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-81 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 22-5-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठिक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नंहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के जभीन, निम्निसिति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री भीम सिंह जाति जाट निवासी ग्राम माछरोली जिला रोहतक हाल निवासी जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र मिर्धा एष० यू० एफ० पुत्न श्रीराम निवास जी मिर्धा जाति जाट निवासी पी 1 तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(भ्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी-81 का भाग, श्राजाद मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1094 दिनांक 22-5-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक 11-11-1982 मोहर:

प्रकप बाई • डी • एन • एत •---

भ्रायकर ग्रविनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

श्रादेश संख्या : राज॰/सहा॰ ग्रा॰ ग्रर्जन/1443—यतः मुझे, मोहन सिंह,

मायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गुस्य 25,000/- ४० से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी-8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1 जून 1982 को

को पूर्वीक्त संपत्ति के उाचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नश्च प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के मृन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, शिवाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, व्यक्ति ध--- (1) श्रीमती किशोरी देवी पत्नि श्री नयूलाल, सी-8, ध्रमृतपुरी, ग्रागरा रोड़, जयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुगरा बेगम पत्ति श्री ग्रब्बुल मजीव, -चान्दी का ताकिया, जयपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी धन्य स्थक्ति द्वारा, अधोद्धस्ताबारी के यहन विश्वित में किए जा सर्वेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जा सकत धांधनियम, के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सी-8, श्रमृतपुरी श्रागरा रोड़, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1212 दिनांक 1 जून, 82 पर पंजीबद्ध विकथ पक्त में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 12-11-1982

मोहरः

प्ररूप आर्डः ेटी. एम., एस.-----

भायकर मिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर**क्षिण)** अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

श्रादेश संख्या : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1442—यतः मुझे, मोहन सिंह,

म्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 47 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1 जुन, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दिष्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) श्री बसरमल पुत्र श्री खुशाल वास, श्री होतचन्द, वासुधेन, रतनलाल पुत्रान बसरमल निवासी, भ्रादर्श नगर, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाण चन्द एवं श्री नारायणदास पुद्धान श्री तेजूमल, प्लाट नं० 721, श्रादर्श नगर, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मे किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रगुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 47, बापू बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1144 दिनांक 1-6-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 12-11-1982 मोहर : प्ररूप आइ.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कार्यालय, पुणे पूणे, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० सि० ए० 5/783/एस० ब्रार० नासिक/82-83-यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 सं० नं० 512/3, न्यू बाम्बे भागा रोड़ है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, नामिक में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नेलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--

- 1. श्री विलीप बेनीराम वाणी, जोगेश्वरी शरणपुर रोड़, नासिक। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गिरीश विनायक दाणी, रविउदय सोसायटी; कोलीवाड़ा ठाणे, (पश्चिम)। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित्त में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में विभा गया है।

अनुसूची

जमीन का खुला टुकड़ा नं० 9 सं० नं० 512/3, न्यू बाम्बे श्राग्रा रोड़, नासिक।

(जैसे कि द्रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ॰ 3911 जो 16-6-82 में दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख्र : 24-12-192

मोहार 🗈

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

1983

No. R-116/68-AD-V.—The Director/Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Mohan Lal, Crime Assistant as Office Superintendent, CBI on promotion, on ad hoc basis in the Central Bureau of Investigation for a further period from 10th December, 1982 to 6th January, 1983

The 11th January 1983

No. S-6/70-AD-V.—On attaining the age of superannuation Shri S. L. Setya relinquished charge of the office of the Sr. P. P., Central Bureau of Investigation, Jabalpur on the afternoon of the 31st December, 1982.

No. K-13/71-AD-V.—Consequent on his repatriation from the Commission of Inquiry to enquire into the murder of Jathedar Santokh Singh, Shari Kartar Singh, Dy. Supdt. of Police, joined CBI/H.O. in the same capacity on the afternoon of 21st December, 1982.

No. A-19036/8/77-AD-V.—On attaining the age of superannuation, Shri G. C. Sharma relinquished charge of the office of Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, with effect from the afternoon of 31st December, 1982.

The 12th January 1983

No. A-35013/7/82-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Mohammad Ashraf Bhatt an officer of Jammu and Kashmir State Cadre, as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st January, 1983, until further orders.

The 15th January 1983

No. M-97/68-AD.V.—On attaining the age of Superannuation, the services of Shri M. G. Mishra, Senior Public Prosecutor on deputation to Central Bureau of Investigation from Madhya Pradesh were placed back at the disposal of M.P. Government with effect from the afternoon of 31-12-1982.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E)

Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110003, the 12th January 1983

No. O.II-140/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government service in terms of FR-56(j), Shri K. L. Sachdev relinquished charge of the post of Commandant 12 Bn. CRPF on the afternoon of 26-12-82.

The 15th January 1983

No. O.II-686/71-Estt.—Consequent on his retirement from Government service in terms of F.R. 56(j), Shri Mangal Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 34 Bn., CRPF on the forenoon of 4-1-1983.

The 17th January 1983

No. O.II-1431/79-Estt.—Consequent on the expiry of his terms of re-employment in the CRPF, Major Sewa Singh relinquished charge of the post of OC AWS-II, CRPF, Rampur in the afternoon of 31-12-82 (AN).

A. K. SURI

Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th January 1983

No. 10/42/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Mahal Singh, Investigator in the office of the Registrar

General, India, New Delhi to the post of Research Officer, in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 14th December, 1982 or till the post is filled in on a regular basis whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Mahal Singh will be at New Delhi.
- 3. The above mentioned ad hoc appointment shall not bestow upon Shri Mahal Singh any claim for regular appointment to the post. The services rendered by him on ad hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade of Research Officer nor for eligibility for appointment to the next higher grade. The above mentioned ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of competent authority without assigning any reason therefor.

The 15th January 1983

No. 11/12/81-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 7th December, 1982, the President is pleased to extend the period of ad hoc appointment of Shri N. L. Gupta, an officer belonging to the Government of Uttar Pradesh, as Joint Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, for a further period upto the 28th February, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Gupta will be at Lucknow.

No. 11/12/81-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 7th December, 1982, the President is pleased to extend the period of ad hoc appointment of Shri T. V. Srinivasan as Joint Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, in an ex-officio capacity, for a further period upto the 30th November, 1982.

2. The headquarters of Shri Srinivasan will be at Madras.

The 18th January 1983

No. 11/11/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 26th November, 1980, the President is pleased to extend the ad hoc appointment of Shri R. N. Mukhopadhyay, an officer belonging to the West Bengal Civil Services, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, for a further period upto the 28th February, 1983 or till the post is filled in. on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Mukhopadhyay will be at

P. PADMANABHA Registrar General, India

CUSTOMS, EXCISE & GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 5th January 1983

No. 7-CEGAT/82.—Shri S. Moulik, Superintendent of Central Excise Collectorate, Calcutta, formerly working in the Directorate of Revenue Intelligence, New Delhi, assumed charge as Technical Officer, Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi, in the scale of Rs. 650—1200 plus Special Pay of Rs. 75/- per month, in the forenoon of 5th January, 1983.

F. S. GILL President

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 6th January 1983

No. A.19011/2/76-Admu.III.—Consequent on his relinquishing the charge of the post of Economist, Embassy of India (Economic Wing) Brussels with effect from 22-11-1982 (forenoon), the services of Shri B. Nanjundaiya, IES are placed at the disposal of Ministry of Civil Supplies, New Delhi, for appointment to the post of Chairman, Forward Market Corumission.

PREM PRAKASH Under Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 13th January 1983

No. CA.I/73-73.—On his attaining the age of superannuation Shri I. D. Mathur, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from Government service with effect from 31-12-1982 A.N.

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 14th January 1963

No. Adm.I/O.O. No. 508.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri Hira Singh, an officiating Audit officer of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-1-1983.

A. S. MOHINDRA Joint Director of Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th January 1983

No. Admn.I/8.132/82-83/363.—Sri C. Sreenivasa Rao Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-12-82 A.N.

B. MASON

Sr. Deputy Accountant General Administration

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 1st January 1983

No. OE.I/PF. PSK/431.—Shri P. S. Khedkar (01/221) an officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General-I, Madhya Pradesh, will retire from Central Government Service on 31st January, 1983 afternoon on his attaining the age of superannuation.

B. K. ROY Sr. Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 12th January 1983

No. Admn.I/II-144/Notn./7627.—(i) Shri H. L. Sharma, substantive Accounts Officer, in the Office of the Accountant General-I, Uttar Pradesh, Allahabad has retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31st December, 1982 (A.N.).

(ii) Shri N. B. Das Gupta, Substantive Accounts Officer in the Office of the Accountant General-I, U.P., Allahabad has retired voluntarily from the Government Service under rules 48 of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 with effect from 31st December, 1982 (A.N.).

S. J. S. AHLUWALIA Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 6th January 1983

No. AN/I/1894/5/Vol. I.—On attaining the age of 58 years, the following officers have been transferred to the Pension Establishment w.c.f. the dates shown against each and have

accordingly been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the same date.

SI. Name No.	Date of birth	Date of transfer to the Pension Estt./ date of struck off the strength of the Defence Accounts Department
S/Shri	 	
1. P. Banerjee .	26-6-1924	30-6-82 (AN)
2. R. L. Sehgal .	5-8-1924	31-8-82 (AN)
3. Jagdish Singh .	1-9-1924	31-8-82 (AN)
4. B. Narayana Rao	12-5-1924	31-5-82 (AN)

No. AN/I/1898/5/Vol.I.—Shri Parimal Chatterjee, IDAS on attaining the age of 58 years on 30-6-1982 (his date of birth being 1-7-1924) has been transferred to the Pension Establishment with effect from 30th June 1982 (AN) and has accordingly been struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 30th June 1982 (AN). in terms of FR 56 (a).

The 7th January 1983

No. AN/I/1870/5/Vol. I.—The following IDAS Officers on attaining the age of 58 years will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the dates shown against their names in terms of FR 56 (a):—

Sl. Name No.	Date of birth	Date of superannua- tion	Date of transfer to Pension Estt/struck off the strength of DAD
S/Shri	· _		
1. Khem Chand			
Agarwal	2-2-1925	1-2-1983	28-2-1983
2. R. K. Raina	1-5-1925	30-4-1983	30-4-1983
3. Shanti Swaroop Sharma	12-3-1925	11-3-1983	31-3-1983

R. K. MATHUR

Addl. Comtroller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE (DEPTT. OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR

HANDLOOMS

New Delhi, the 7th January 1983

No. A-19011/1/79-Admn.II.—The President is pleased to permit Shri R. S. Prayag, Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Bombay, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, (Deptt. of Textiles), Ministry of Commerce, to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st December. 1982 on attaining the age of superannuation.

P. K. DUTTA, Addl. Development Commissioner for Handlooms.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 14th January 1983

No. 12(227)/61-Admn.(G)Vol.III.—Consequent on his appointment on deputation basis in the Leather Industries Development Corporation of Andhra Pradesh Hyderabad Shri R. K. Bose, relinquished charge of the post of Deputy Director ((A/F) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 31st December 1982.

No. A-19018(596)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. Muthuswamy, Handicrafts Promotion Officer, Development Commissioner (Handicrafts) Tirupati (A.P.) as Asstt. Director (Gr. I) (IMT) at Small Industries Service Institute Cuttack, with effect from the forenoon of 20th December 1982 until further orders.

The 15th January 1983

No. A-19018(578)/82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. R. Mandal, Small Industry Promotion Officer (Chem.) Small Industries Service Institute, Ludhiana, as Asstt. Director (Gr. I) (Chem.) at the same station with effect from the forenoon of 13th December 1982 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 13th January 1983

No. A6/247(336).—Shri A. K. Ghosh, Permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Engineering) in Engineering Branch of Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st December 1982

2. Shri Ghosh relinquished the charge of the post of IO(E) on the afternoon of 31st December 1982.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 11th January 1983

No. A-1/1(742).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Chakravarty, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis for a period of 38 days from 30th December 1982 to 5th February 1983 in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The nd-hoc appointment of Shri K. K. Chakravarty as Deputy Director will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. BALASUBRAMANIAN Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 14th January 1983

No. A/17011/159-A6.—Shri M. Subramanian, Assistant Inspecting Officer (Engg) in the office of Director of Inspection, Calcutta expired on 13th November, 1982.

Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BURFAU OF MINES

Nagput, the 10th January 1983

No. A-19011(6)/80-Estt.A.—On his retirement on attaining the age of superannuation Shri G. V. Rao, Regional Controller of Mines is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 28th February, 1982 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

The 13th January 1983

No. A-19011(316)/83-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri G. S. Nagraj, Mineral Officer (Int.), Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Asstt. Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 31st December, 1982.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 10th January 1983

No. 105B/A-32014/2-AG(I)/81/19B.—Shri Mukesh Chandra Soti, Senior Technical Assistant (Geophysical W/S), Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Geophysicist (Insttn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th November, 1982, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 13th January 1983

No. 4(30) 782-S1.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Manindra Nath Roy as Programme Executive, All India Radio, Agartala in a temporary capacity with effect from the 13th December 1982 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

No. 4(31)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Prabha Damor as Programme Executive, All India Radio, Raipur in a temporary capacity with effect from the 14th December, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200/-.

The 14th January 1983

No. 4(22)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. Selvaraj as Programme Executive, All India Radio, Trivandrum in a temporary capacity with effect from 10th November 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

No. 4(27)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Bimal Kant Yende as Programme Executive, All India Radio, Jabalpur_in a temporary capacity with effect from 11th November, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

No. 4(47)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ram Swaroop Ratonia as Programme Executive, All India Radio, Chhatarpur in a temporary capacity with effect from 22nd November, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

No. 4(48) /82-SL.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum Suman Pal as Programme Executive. Radio Kashinir, Lammu in a temporary capacity with effect from the 18th November, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200

Dy Director of Administration for Director General

New Delhi-1, the 28th December 1982

No. 4/8/82-SII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Uma Kant Khubalkar, Research Assistant, Central Hindi Directorate, New Delhi as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-EB-810-FB-880-40-1000-EB-1200/- on ad-hoc basis with effect from 13th December, 1982 (FN) in the office of Station Director, AIR, Bombay.

S. V. SESHADRI Deputy Director Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 12th January 1983

No. A.35021/1/81-Admn1/PH(CD&L)—In continuation of this Directorate's Notification No. A.35021/2/80-RHTC)/Admn1 dated 6 11.1980 the Director General of Health Services is pleased to grant extension of deputation to Shri Satish Chander Sharma, Administrative Officer. Rural Health Training Centre, Najatgath for a further period of three months with effect from 15th October, 1982 or till a substitute is appointed in his place, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

SANGAT SINGH Dy. Director of Admn. (F&G)

New Delhi, the 13th January 1983

No. A.38012/5/82-Admn.l.—On attaining the age of superannuation Shri N. B. I all, Dy. Director, Administration, Directorate General of Health Services, retired from Government Service on the afternoon of 31st December, 1982.

No. A.12026/7/82-(HQ)ADMN.I.—The President is pleased to appoint Shri S D. Matange to the post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi on a purly ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 17th December, 1982 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Senior Architect Shri S. D. Matange relinquished the charge of the post of Architect in the Directorate General of Health Services with effect from 17th December, 1982 (F.N.).

Th 14th January 1983

No. A.12026/7/82-(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Panchal to the post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi on a purely adhoc basis, with effect from the foreneon of 17th December, 1982 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Senior Architect Shri B. B. Panchal relinquished the charge of the post of Architect in the Directorate General of Health Services with effect from 17th December, 1982 (F.N.)

No. A.13026/35/79(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shii A. G. Patil to the post of Assistant Director (Training) in the National Medical Library, Director to General of Health Services, New Delhi purely on an adhoc basis with effect from the forenoon of the 11th December, 1982 and until further ordes.

2. Consequent upon his appointment as Assistant Director (Training) Shri A G. Patil relinquished charge of the post of Librarian Grade 1 in the National Medical Library with effect from the 11th December, 1982 (forenoon).

No. A.19020 17/82-Admn.I.—Consequent upon his selection for the post of Senior Administrative Officer Grade-II 30—446 GI/82

in the Directorate of Technical Development and Production (Air) Ministry of Defence, Shri L. D. Vasishta relinquished charge of the pest of Industrial Estt. Officer (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of 31st December, 1982.

T. C. JAIN Deputy Director Admn, (O&M)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 4th January 1983

No. A-19023 24/78-A.III.—On completion of foreign service of Shri J. K. Bhattacharya on transfer out of India as Refrigeration Engineer with the Govt. of Libya at Tripoli for a period of one year w.e.f. 30 11.1981 (AN) to 30.11.1982. Shri Bhattacharya has assumed charge of the post of M.D.O. (CS) in this Directorate at Faridabad in the forenoon of 8.12 1982 consequent on his riversion to that post.

No. A-19025/1/83-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri V. K. Sharma has been appointed to officiate as Assistant Marketing Development Officer in this Directorate at New Delhi w.c.f. 24.12.1982 (FN), until further orders.

The 17th Tanuary 1983

No. A-19025/43/81-A.III.—The resignation tendered by Shri M. S. Dhillon from the post of Asstt. Marketing Officer in this Directorate, has been accepted w.e.f. 9.7.1982 (AN).

G. R. BHATIA

It. Agricultural Marketing Adviser
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 13th January 1983

Ref. DPS/23/1/81-Fst./1414.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated November 26, 1982, the Director. Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Gopal Sathe, a nermament Assistant Accountant and officiating Accountant (ad-hoc) to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-960 upto March 31, 1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Plant Site, P.O. NAPP Township, the 17th January 1983

No. NAPP/Adm/26(1)/82/S/566.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri N. K. Sharma. a quasi permanent Upper Division Clerk and Officiating Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-950/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of November 9, 1982.

M. S. RAO Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 4th January 1983

No. PAR/0704/7 —Competent Authority appoints Shri P. Rajagopalan. Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hec basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 27-11-1982 to 13-12-1982.

No. PAR/0704/8.—Competent Authority appoints Sri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant

Personnel Officer on ad-hoc basis from 17-12-1982, until further orders.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 13th January, 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division appoints Shri J. K. Sharma, a Permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from the forenoon of 18.10.82 to 18.12,82.

No. AMD-16/3/82-Rectt—Director, Atomic Minerals Division appoints Shri I. P. Sharma, a Permament Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from the forenoon of 25.10 1982 to 27 11 1982.

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. P. George, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as As-

sistant Personnel Officer in the same Division on an adhoc basis for a period of 40 days with effect from the forenoon of 3.1.82 to 11.2.83 vice Shri Bh. L. G. Sastry, Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division appoints Shri Ram Nath, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an adhoc basis with effect from the forenoon of 27-12-1982 to 27-1-1983.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 31st December 1982

No. RRC/A-32023/1/77/R/17298.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Killikulangara Maman Velavudhan, a permanent Assistant Accountant of the Reactor Research Centre, in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period from 11-12-82 to 9-1-83 vice Shri M. Gurusamy, Assistant Acounts Officer, proceeded on leave.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 3rd January, 1983

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Controller-VSSC hereby promotes the under-mentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an officiating capacity with effect from the dates and posts shown against each:—

SI.	Name o.							Promoted post	w.e.f.
1.	Shri John Mathew .							Asst. Purchase Officer	12-8-1982
2.	Shri C. K. Keraladasan							Asst. Accounts Officer	12-10-1982
3.	Shri N. Vijayanathan Nair							Asst. Stores Officer	13-10-1982
4.	Shri P. R. Balakrishnan				٠.			Asst. Admin. Officer	13-10-1982
5.	Shri P. Swaminathan .						-	Asst. Purchase Officer	22-11-1982
6.	Shri P. Sukumara Pillai		•					Asst. Accounts Officer	16-11-1982
	Jim 1: Sekullica 1 mai	·		 		'_			10-11-1702

K.P.R. Menon Admn. Officer-II (EST) for Controller-VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st December 1982

No. A.32013/7/81-EW.—The President is pleased to appoint Shri Harbans Singh, Assistant Director of Equipment to the grade of Deputy Director of Fquipment in the scale of Rs. 1500-60-1800 on ad hoc basis for a further period of six months with effect from the 30th September, 1982 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The continued ad hoc appointment of Shri Harbans Singh shall not bestow on him a claim for regular appointment and the service so rendered on ad hoc basis shall neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

Shri Harbans Singh posted at E & M Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi was posted to Headquarters Office with effect from 13-11-82.

No. A.32014/1/82-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. K. Nath, Chargeman to the grade of Assistant Electrical and Mechanical Officer on ad hoc basis for the period from 18th November, 1982 to 10th February, 1983 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

- 2. The ad hoc appointment of Shri S. K. Nath shall not bestow him a claim for regular appointment and the service so rendered on ad hoc basis will neither count or seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the pert higher grade.
- 3. Shri S. K. Nath is posted to E. & M. Workshop, Safdar-Jung Airport, New Delhi.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

New Delhl, the 31st December, 1982

No. A. 32013/10/82-EC —In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/10/82-EC dated the 4th Jan., 82, 28th Jan, 82 and 30th April, 82 and No. A 32013/7/81-EC dated the 7th Dec, 82, the President is pleased to continue the adhoc appointmen

of following eight officers in the grade of Senior Communication Officer for the period indicated against each officer in the Civil Aviation Deptt:—

S. Name & Designation No:		Station	Date from which extension granted	Extension upto	
S/Shri 1. Umesh Kumar 2. H. L. Srivastava 3. P. K. Kapoor 4. A. K. Gulati 5. S. G. Prasad 6. B. P. Bhagat 7. N. Muniandy 8. T.C.S. Moosad	 	. ACS, Delhi . ACS, Delhi . DGCA (HQ) . ACS, Calcutta . ACS, Bombay . ACS, Bombay . ACS, Madras . ACS, Madras	29-5-82 22-6-82 13-6-82 17-6-82 29-5-82 29-5-82 27-6-82 11-9-82	19-9-82 30-6-82 (Retd. on 30-6-82) 19-9-82 19-9-82 31-7-82 (Retd. on 31-7-82) 31-12-82 31-12-82 31-12-82	

The 3rd January, 1983

No. A. 32013/4/81-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/4/81-EC dated the 26th July, 82 and No. A. 32013/8/81-EC dated the 8th Dec, 82, the President is pleased to continue the adhoc appointment of the undermentioned officers in the grade of Senior Technical Officer for a further period upto the dates indicated against each or till the regular appointment to the grade is made whichever is earlier:—

S. No	Name						Station of posting	Date
	S/Shri							
1.	P. D. Khanna	_					O/o Director, RCDU, New Delhi	19-9-82
2.	S. Sundraraman	١.	_				O/o R.C.C., Calcutta	19-9-82
3.	M. K. Pal						ACS, Calcutta	19-9-82
4.	R. K. Singhla		_		_		CATC, Allahabad	19-9-82
5.	P. J. Iver						DGCÁ (HO)	19-9-82
6.	N. Shankar			-			O/o Director, RCDU, New Delhi	19-9-82
Ž.	S. P. Jain		-	Ė	_	_	ACS, Palam	19-9~82
8.	Kanahiya Lal						O/o R.c.D.U., New Delhi	19-9-82
9.	S. C. Dureia				-		ACS, Palam	19-9-82
10.	S. K. Sharma		_				ACS, Palam	19-9-82
	Ravi Prakash	-			-		O/o R.D. CAD, New Delhi	19-9-82
12.	D. K. Sharma				•		O/o R.D. CAD, New Delhi	31-12-82

No. A. 32014/2/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants at present working as Assistant Technical Officer on adhoc basis at the stations indicated against each to the grade of

Assistant Technical Officer on a regular basis w.e.f. 30-4-1982 and to post them to the same station:—

S. Name No.			Station of posting	
S/Shri 1. C. S. Abluwalia 2. Balbir Singh 3. K. L. Kapur 4. S. S. Grewal	:	:	. R.C.D.U., New Delhi . A.C.S. Delhi . A.C.S. Delhi . A.C.S. Kud	•

No. A. 38013/8/82-EC.—The undermentioned two officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished change of their office of appointment on attaining the age of superannuation with effect from the date and stations of posting indicated against each:—

S. Name & Designation No.					Date	Station of Posting
S/Shri 1. S. Subramanian, Assistant Technical Officer 2. Lakshmon Paliot, Assistant Technical Officer .	:	:	•	•	30-6-82 (AN) 30-9-82 (AN)	A.C.S., Madras A.C.S., Madras

The 6th January, 1983

No. A. 32014/2/81-EC(pt).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on adhoc basis w.e.f. the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

S. Name No.		•	 		Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
S/Shri 1. A. N. Paranjpe 2. H. C. Sachdeva 3. R. N. Mehta 4. N. Jayaraman 5. S. S. Grewal	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	 •	ACS, Ahmedabad ACS, Delhi ACS, Bombay ACS, Bangalore ACS, Delhi	ACS, Keshod ACS, Jammu ACS, Bombay ACS, Tiruputi ACS, Kud	1-3-82 (FN) 20-3-82 (FN) 24-2-82 (FN) 25-2-82 (FN) 30-4-82 (FN)

PREM CHAND

No. A. 31011/1/81-EC.—The President is pleased to appoint the following four officers in a substantive capacity in the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. the dates mentioned against each:—

S. Name No.			 Date
S/Shri			
1. H. L. Srivastava	•		. 7-8-78
2, I. D. Sharma			. 7-8-78
3. P. K. Kapoor			. 30-11-78
4. A.K. Gulati			. 9-1-80

The 10th January 1983.

No. A. 32013/4/80-EC(Pt).—In continuation of this Department's Notification No. A 32013/4/80-EC(Pt) dated the 1st Oct., 1981, the 21st January, 1982 and the 5th February, 1982, the President is pleased to sanction the continunace of ad-hoc appointment of the undermentioned five officers in the grade of Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department for a further period upto the dates indicated against each or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

S. Name			Date
	 	 · — - ·	
1. S. K. Maheswari			. 29-10-1982
2, B. N. M. Rao			. 31-10-1982
3. S. K. Saraswati			. 31-10-1982
4. Sushil Kumar			. 31-10-1982
5. P. S. Mullick			. 31-10-1982

PREM CHAND Assistant Director of Admn

New Delhi, the 27th December 1982

No. A-38013/1/82-EA.—Shri C. V. Raisinghani, Acrodrome Officer, Office of the Regional Director, Delhi retired from Government service on 30-11-1982 on attaining the age of superannuation.

The 12th January 1983

No. A.19011 22/82-El.—On attaining the age of superannuation Shri M. M. Malik, Senior Aerodrome Officer in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the alternoon of 31st Decmeber, 1982.

The 12th January 1983

No. A,32013, 10/82-EI.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Chandramouli, Deputy Director of Air Routes and Aerodromes at present working on an adhoc basis as Director of Air Routes & Aeodromes to the same grade on a regular basis with effect from 23.11.1982.

O. P. JAIN Assistant Director of Administration

OVERSHAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 14th January 1983

No. 1 111/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. A. Kamble, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officinting capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 1st December, 1982, and until further orders.

No. 1/426/82-FST—The Director General, Overseas Communications Service; hereby appoints Shri U. A. Rizvi, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of 16th December, 1982 and until further orders.

No. 1/430/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Narain Singh, Assistant Administrative Officer, New Delhi Branch, as Adminis-

trative Officer, in an officiating capacity, in Madras Branch with effect from the forenoon of the 30th December, 1982, and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th January 1983

No. 2/83.—Shri Durge Prasad lately posted as Assistant Collector of Central Fxcise, Allahabad on transfer to the Delhi bench of the Appellate Tribunal, Customs, Excise and Gold Control vide Ministry of Finance, Department of Revenue order No. 207/82 F. No. A 32012 8/82-Ad.H dated 6-12-82 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi w.c.f. 18-12-82 (FN).

S. B. SARKAR Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 15th January, 1983

No. A-19012/989-82-Estt, V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shti S. C. Chaudhuti, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 26th March, 1982.

No. 19012/1016/82-Estt.V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. R. Sivaraman, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Fngg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 10th December, 1982.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEVILOPMENT)

New Delhi, the 1st December, 1982

No. 33/3/81/CIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominers of the U.P.S.C. against temporary posts of Assistant Director of Horticulture, in General Central Service (Group B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 in the Directorate of Horticulture, CPWD, New Delhi, from the dates shown against each until further orders:

Sl. Name No.			Date of appoint- Remarks ment as Assis- tant Director of Horticulture
S/Shri		 	
1. Zilc Ram			25-8-1982 (A.N.)
2. Bankey Lai (S/C) .	•		30-8-1982

- 2. Both the officers are placed on probation for a period of two years from the dates of their appointments as Assistant Director of Horticulture as shown above.
- 3. They will draw pay at the minimum of the pay scale viz Rs, 650/- P.M. as per rules.

A. K. NARANG Dy. Director of Admn. Commercial and the commercial an

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

PRAPTIKAR SADAN 60-61 FRANDAWANA, KARVE ROAD,

PUNE

Poona-4, the 24th December 1982

Ref. No. CA-5/783, SR-Nasik/82-83.—Whereas 1 Shashikant Kulkarni

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 9, S. No. 512/3, New Bombay Agra Road, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on 16-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Deelip Bonitan Wani, Jogeshwari Sharanpur, Road, Nasik

(Transferor)

(2) Shri Gush Vinayak Dani, Ravudaya Society Koliwada, Thane (West)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 9, S. No. 512/3, New Bombay Agia Rd.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3911 in the office of the sub-registrar Nasik on 16-6-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date 24-12-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/61 FRANDAWANA, KARVE ROAD,

PUNE

Puna-411004, the 22nd December 1982

CA-5/780/SR-Maval/82-83.-Whereas, Shashikant Kulkarni,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 114/1 Village Kune Waksai situated at Maval, Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Mavai on 15-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Rajmachi Area Development Corp. a partnership firm by its partners:
 - (1) Krishnarao Dhondhiba Bhegade,
 - (2) Hazibhai Hiraji Solanki
 - (3) Anna Mahadeo Shelar all residing at Telegaon Dabhade, Taluka Maval Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) Happy valley Corporation, a partnership firm by its
 - (1) Narendrasinghji Chudasama
 - (2) Dr. Shamrao Kalmadi(3) Mrs Sunita Yogendra Trivedi

 - (4) Sawailal Sethi (5) Mrs. B. R. Patel C/o Poona Coffee House, 1250 J. M. Road. Pune-411004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land situated at S. No. 114/1, Village Kune, Waksai, Maval Dist. Punc. (property as descirbed in the sale deed registered under document No. 848 in the office of the sub-registrar, Maval on 15-5-82)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune.

Date: 22-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,

Puna-411004, the 22nd December 1982

CA-5/779/SR-Maval/82-83.—Whereas I, Shashikant Kulkarni,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 110, Village Kune (Nane Maval) situated at Maval, Dist. Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Maval on 15-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought t be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Rajmachi Area Development Corpn. 'a' Partnership, firm its partners.
 Krishnarao Dhondiba Bhegade,

 - (2) Haribhai Hiraji Solanki,(3) Anna Mahadeo Shelar, all residing at Telegaon Dabhade, Taluka Shelar, all residing at Tele-(Transferor)
- (2) Happy Vally Corporation, a partnership firm by its partners :
 - (1) Narendrasingji Mansinhaji Chudasama,

 - (2) Dr. Shamrao Kalmadi (3) Mrs. Sunita Yogendra Trivedi,

(4) Sowailal Seth,
(5) Mrs. B. R. Patel:
C/o Poona Coffee House, 1250 J. M. Road, Pune-411004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agrl. land bearing S. No. 110, Situated at Village Kune, (Nane Maval) within the limits of Gram Panchayat Waksai Panchayat Samiti Maval, Dist. Poona. (property as described in the sale deed registered under document No. 847 in the office of the Sub-Registrar Maval on 15-5-82).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 22-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,

PUNE

Puna-411004, the 22nd December 1982

Ref. No. CA-5-781/SR-Nasik/82-83.—Whereas, I. Shashikant Kulkarm,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12, S. No. 512/3, situated at New Bombay Agra Rd. Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nasik on 28-6-82

for apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss. Shobha B. Wani, Jogeshwari, Sharanpur Road, Nasik-2

(Transferor)

(2) Mr. N. H. Joshi, 9, Adwait Colony Sharanpur Road, Nasik-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 12, S. No. 512/3, New Bombay Area Road, Nasik (Property as described in the sale deed registered under document No 4323 in the office of the Sub-Registrar Nasik on 28-6-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date: 22-12-82

(Transferor)

FOR ITN'S-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60 61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,

PUNE

Pune-4, the 6th December 1982

Ref. No. CA-5/SR Haveli-1/776.-Whereas, I, Shashikant Kulkarni,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 732A, H No 2&3, Pune Satara Road situated at Bibwe wadi, Pune 9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Haveli I, Pune on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

31-446 G1/82

Name of the transferor M's. Sanghar Enterprises, 8-2, Sanghar Apartments, Opp Laxminarayan Theatre, Pune Satara Road, Pune-411009. Name of the partners in the firm -- Shi Kumaipal Managldas Shah.
 Sou. Taramati Jayantilal Shah.
 Sou. Jasumati Jayantilal Raychand Shah. 4. Sou Suvarana Ramesh Shah. Sou. Varsha Deepak Shah. All residing at 1181, Shukiawar Peth, Pune-2.

Name of Transferees:

1. Leela Premises Co-op. Society Ltd.

Leela Chambers,

S. No. 732/A, Hissa No. 2 & 3, Pune Satara Road, Pune-9

Member of Society:
1. Shri Kumarpal Mangaldas Shah,

Chief Promotor.

Shri Jayantilal Mangaldas Shah. Sou. Taramati Jayantilal Shah.

Ushaben Kumarpal Shah.

Shri, Anna Nakura Shah, Shri, Goutamraj Champalal Tulesara, Shri Nathalal Venidas Patel, Shri Ramesh Babaji Kadam.

Shri Suresh C. Bhandari.
Shri. Amarchand B. Mulchandani. 10. Shri.

11. Shi, Gindraj S. Dhanwani.
12. Dr. Ashok D. Sathe.
13. Dr. Shri S. V. Madkikar.
14. Dr. Vijay P. Bngade.

M/s. Carmen Transport Co., Partner Shri S. P. Pardeshi

16. Shri K. S. Pardeshi

All residing at Leela Chambers Pune Satara Road, S. No. 732A, Hissa No. 2&3, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building known Leela premises Co-op. Society Ltd., Leela Chambers, Situated S. No. 732A, Hissa No. 2& 3. Pune Satara Road, Pune-9.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2485 in the office of the Sub-Registrar, Havel I. Pune on May 82).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune,

Date: 6-12-82

Scal :

I. T. N. S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,

PUNE

Poona-4, the 24th December 1982

Ref. No. CA-5/782/SR-Karvir/82-83.—Whereas, I Shashikant Kulkarni.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 1731/36 B. Ward, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Karvir on 11-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suresh Vishnupant Aitwadekar C. S. No. 1731/36, B-Ward, Kolhapur (Transferor)
- Mrs. Tanubai Mahadeo Patil,
 Shri Jashwant Mahadeo Patil,
 Both residing at Kasba Bid, Tal Karvir, Dist. Kolhapur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

I and and Building C. S. No. 1731/36, B. Ward, Kolhapur (Property as described in the sale deed registered under documer. No. 2184 in the office of the sub-registrar, Karvir on 11-6-82).

SHASHIKANT KUI KARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date 24-12-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,

Poona-4, the 14th December 1982

CA-5/SR-Kalyan/770/82-83.—Whereas, I No. Shashikant Kulkarni

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 327-A H. No. 1/2 Thakurlı situated at Dembivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Kalyan on 9-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Vinayak Nilkonth Patwardhan (2) Smt. Vrunda Manohar Patwardhan (3) Kum. Bhavana Manohar Patwardhan (4) Kumar Harish Manohar Patwardhan Patwardhan House, Mahatma Ganri Road,

Dombivlı (West) Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Samarpan Co-op. Housing Society 13 Usha Aparments, Mahatma Ĝandhi Road, Dombvli (West) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building bearing S. No. 327/A Hissa No. 1/2 (Part) Thakurligaon Tal. Kalyan Area 658, Sq. ft. (Property as described in the sale deed registered under document No. yan on 9--7-82) 1383 in the office of the Sub-registrar, Kal-

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Pune.

14-12-82 Date Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. R. K. Mission, Belleur Math, Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lawlys Enterprises (P) I.td. Exhibition Road, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 27th December 1982

Rcf. No. 111-643/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 173, Circle No. 9, Ward No. II

situated at Exhibition Road-Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 19-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 45293 Sq. feet with building situated at Exhibition Road Patna morefully described in deed No. 3815, dated 19-5-82 registered with D. S. R. Patna.

P. K. DUBEY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar.

Date : 27-12-1982. Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Paina-800 001, the 27th December 1982

Ref. No. III-642/Acq/82-83.—Whereas, 1, P. K. DUBEY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ond bearing No.

Survey Plot No. 722 (Part) Holding No. 213/191 (Part) Circle No. 9, Ward No. 2, Sheet No. 32 situated at Braj Kishore Path (Exhibition Road) Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patra on 17-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Smt. Asha Prasad W/o Sri Shyam Nandan Prasad R/o Village Masapur, P.O. & P. S. Samastipur Distt. Samastipur.

Present Address: Bakerganj, Patna-4.

(Transferor)

(2) Shri Waramchand Thapar and Brothers (C. S.) Ltd. Thapar House, 25 Brabourne Road Calcutta-1 At Present Exhibition Road, Patna-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha with newly constructed godown situated at Mohalla Braj Kishore Path (Exhibition Road) Patha described in deed No. 4683 dated 17-5-82 registered with D.S.R. Patha.

P. K. DUBEY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 27-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ol-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 24th December 1982

Ref. No. III-637/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Khata No. 5 Plot No. 728, 729, 730 Mouza Hirapur No. 7 situated at Dhanbad, Mohalla Hirapur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahendra Narain Singh S/o Shri Ranjit Singh At Hirapur P.O. & Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shii Shambhu Sharan Thakur2, Shii Shanker Sharan Thakur3, Shii Sunil Kumar Thakur

 Shri Ashok Kumar Thakur of Hitapur P.O. Dhanbad Dist. Dhanbad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Kathas situated at Mohalla Hirapur, Dhanbad described in deed No. 6262 dated 20-5-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date 24-12-82, Seal:

FORM I.T.N S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 24th December 1982

Ref. No. 11I-639/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

old Holding No. 14 New Holding No. 17 Circle No. 8 Ward No. 5, situated at Urdu Bazar Road, Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 14-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Rameshwar I.al, S/o. Jate Mangi Lal Jain
 - (ii) Sri Padam Kumar Jain, S/o Sti Rameshwar Lal Jain
 - (n) Sri Binod Kumar Jain, S/o Sti Rameshwat Lal Jain
 - (iv) Sri Raj Kumar Jain, minor S/o. Su Rameshwar Lal Jain
 - (v) Sri Dharam Chand Iain, S/o. Late Mangilal Jain
 - (vi) Sri Dilip Kumar Jain, S/o Dharam Chand Jain, Sri Pradeep Kumar Jain, Sanjay Kumar Jain, Rajesh Kumar Jain, Anil Kumar Jain, all four minor Ss/o Sri Dharam Chand Jain, Sujaganj, Bhagalpur.

(Transferors)

(2) Smt. Geeta Devi Khemka, W/o Sri Badri Prasad Khemka R/o. Urdu Bazar Road, P.O. Bhagalpul City, Bhagalpur,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULF

I and measuring 11725 Square feet with one old house situated at Urdu Bazar Road, Bhagalpur details morefully described in deed No. 5926 dated 14-5 82 registered with D.S.R Bhagalpur

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar

Date 24-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 27th December 1982

Ref. No. III-640/Acq/82-83 -- Whereas, 1, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 - and bearing No. Holding No. 6 situated at Kalimati Road, Sakchi, Jamshed-

pur, Dist-Singhbhum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamshedpur on 19-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Lal Chand Maganlal S/o fate Manganlal Kalidas Doshi R/o Holding No. 6 & 7, Kalimati Road, P. S. Sakchi, Jamshedpur

(Transferor)

(2) 1. Sint. Kantı Devi Smt. Anju Devi

Sri Raju Kumar Burman, All R/o Gurdawara Basti, P.S.-Mango, Jamshedpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

As described in deed No. 4277 dt 19-5-82 registered with S. R. Jamshedpur,

> P. K. DUBEY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 27-12-1982.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 24th December 1982

Ref. No. III-636/Acq/82-83.--Whereas, I. P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tauji No. 228, Khata No. 533, Khashra No. 69, Holding No. 99C, situated at Mauja Dhakanpura, Lodipur, Boring Canal Road, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—32—446 GI/82

(1) Smt. Savita Devi W/o Srl Sunil Kumar Banerjee, R/o Belan Bazar, P.O. Dist. Monghyr.

(Transferor)

(2) Smt. Ajit Singh, W/o Sri Ram Autar Singh, R/o Ajit Niketan, Boring Canal Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one khatha 1272 dhur with double storied pucca building situated at Mauza Dhakanpura, Lodipur, Boaring Canal Road, Patna described in deed No. 4823 dated 20-5-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar.

Date 24-12-82, Seal :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 27th December 1982

Ref. No. III-641/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 7 situated at Kalimati Road, Sakchi Bazar, Jamshedpur, Dist-Singhbhum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 19-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lal Chand Maganlal S/o Late Maganlal Kalidas Doshi R/o. Holding No. 6 & 7, Sakchi Bazar, P. S. Sakchi, Jamshedpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Geeta Devi 2. Smt. Kunti Devi

3. Sri Rajendra Kumar, All R/o—Gurudwara Basti, P.S. Mango, Jamshedpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 600 Sq. Ft. with house situated at Kalimati Road, Sakchi Bazar, Jamshedpur, Dist.—Singhbhum and more fully described in deed No. 4278 dated 19-5-82 registered with S. R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bihar.

Date: 27-12-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 24th December 1982

Ref. No. III-638/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 111/1 Holding No. 82 (Old), 52/68(New). Circle No. 235 situated at Harding R

52/68(New), Circle No. 235 situated at Harding Road, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy:—

(1) Shri Nikhil Bandhu Bhawmik S/o Late Rai Bahadur Jagat Bandhu Bhawmik R/o At present residing at U-118, Green Park Extension, New Delhi-110016.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Jain S/o Padam Singh Jain R/o Jain Niketan, Lalji Tola, Thana-Kadamkaun P.O. Patna G.P.O. Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1560 square feet with building situated at Harding Road than Kotwali, P.O. Patna G.P.O. described in deed No. 4934 dated 24-5-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Piba.

Date: 24-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Savita Devi, W/o Sri Sunil Kumar Banerjee, R/o Belan Bazar, P.O. Dist. Monghyr.

(Transferor)

(2) Shri Ram Autar Singh, S/o Jitan Singh, R/o Ajit Niketan, Boring Canal Road, Patna. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD

Paina-800 001, the 24th December 1982

Ref. No. III-635/Acq/82-83,---Whereas, I. P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauji No. 228 Khata No. 533, Khasra No. 69, Holding No. 99C situated at Mauja Dhakanpura, Lodipur, Boring Canal

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land measuring one katha 121 dhur with double storied pucca building situated at mauza Dhkanpura, Lodipur, Boring Canal Road, Patna described in deed No. 4824 dated 20-5-82 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar.

Date: 24-12-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 22nd December 1982

Ref. No. III-634/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

TISCO holding No. A situated at Imperial Bank Area (Contractor's Area) P. S. Bistupur, town Jamshedpur, Dist. Singhbhum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jamshedpur on 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Smt. Amita Roy, D/o Late Dr. S. M. Dutta;
 2. Smt. Anita Guha, D/o Late Dr. S. M. Dutta All at present residing at Mahalla Bisturpur, Jamshedpur.

(Transferor)

(2) Shri Durga Prasad Sarawgi, S/o Late Rameshwar Lall Sarawgi of 1 Garua Road, Kaiser Bunglow, P. S. Kadma, Jamshedpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0.192 acres with two storied pucca house situation on TISCO holding No. 'A' of Imperial Bank Area (Contractor's Area). P. S. Bistupur, Town Jamshedpur district Singhbhum and morefully described in deed No. 4647 dated 26-5-82 registered with D.S.R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar.

Date: 22-12-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD

Patra-800 001, the 22nd December 1982

Ref. No. III-633/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Tauzi No. 91, Khata No. 251, Plot No. 311 and 340,
Holding No. 316 situated at Pakur, Dist. S. P.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pakur on 12-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

1. Ilahi Bux S/o Late Haji Nabi.
 2. Md. Rahamtullah S/o Late Chedi Mian.
 3. (a) Jamila Khatoon W/o Kamruddin

(b) Md. Nejamuddin (c) Md. Amiruddin

(c) Md. Amiruddin
(d) Md. Samiuddin All Ss/o Late Abdul Aziz.
(a) Md. Khalilur Rahman
(b) Md. Jalil
(c) Md. Dildar Hussain
(d) Md. Anwar Ali
(e) Ainul Haque
(f) Md. Fida Hussain All Ss/o Late Piyar Mohammad Mohammad.

(g) Most Latifan Bewa W/o Late Piyar Mohammad

(h) Md. Is-rfil S/o Md. Rahman. All R/o village Pakur, Harin Unga Bazar, Thana Pakur, Dist. S.P.

(Transferor)

(2) M/s. Shyam Biri Works At & P.O. Manis Banda, U.P. through its partners Shri Shyama Charan Gupta S/o Shri Tirath Prasad Gupta, Manikpur. Village Manikpur P.O. & P.S. Manikpur, Banda, U.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Bighas 3 Kathas and 5 Dhur with Duble pucca house situated at Pakur, Dist. Santhal Pargana and morefully described in deed No. 1876/1862 dated 12-5-82 registered with Dist. Sub-registrar, Pakur, Distt. Santhal Pargana.

> P. K. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar

Date: 22-12-82.

FORM I. T. N. S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1983

Ref. No. 17249.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 36, Cenotaph Road, situated at I Lane, GS Colony, Madras-14

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 899/82) on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the <u>Mabrilly</u> of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Ramaswamy 67, Seethamma Road, Madras-18.

(Transferor)

A. N. Sivaraman,
 36, Cenoteph Road I I ane, GS Colony,
 Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 36, Cenotaph Road, I Lane, GS Colony, Madras-14.

(Doc. 899/82).

R. P. PILLAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-1-83

Seal

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 A. P. Eswaran, A. P. Kannappan, 15, Lalithapuram St., Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) K. Ramanathan Servai, S/o Kuppuswamy Servai, Adamboor, Avudayar Koil Tk. Pudukottai State.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 5th January 1983

Ref. No. 17262.—Whereas, I, R, P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15, Lalithopuram St., Royapattah, situated at Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 976/82) on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Lalithapuram St., Royapettah, Madras-14.

(Doc. 976/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 5th January 1983

Ref. No. 17208.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 198/24, Veetabadia Tyer St. situated at Nungambakkam, Madias

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1624/82) on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—33—446 GI/82

 Mrs. K. Chandrakumar, Kantharey W/o Di. K. Kantharey, Santhome High Read, Madras-4.

(Transferoi)

(2) M/s Gowri Enterprises,3, I Lane, Nungambakkam High Road,Madras-34

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 198/24, Veerabadia Iyer St, Nungambakam, Madrus-34.
(Doc. 1624/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-1-83

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madros-600 006, the 7th January 1983

Ref. No. 17198.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4, Kothari Road, Madras-34 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 936/82) on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. Sambandam, 12, Memorial Hall St., 1st Floor Park Town, Madras-600 003.

(Transferor)

(2) Sathy Bharathan Jamna Bai Tulsidas Jyoti Bai Lachmanda Kavita S. Bajaj Piakash II. Hemdev Jayanti Bhai R. Patel 1/4, Kothari Road. Madras-600 034.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Land and building at 1/4, Kothari Road, Madras-600 034. (Doc. 936/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-1-1983

Scal:

I. T. N. S.---

(1) Heeral Constructions (P) Ltd. 839, Mount Road, Madws-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Padma J Khiani, 10, Pantheon Road, Madras-8

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGL-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th January 1983

Ref. No. 17224.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 13 and 93/1, Mount Road, situated at Madras-2

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 447/82) on May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS No. 13 and 93/1, Mount Road, Madras-2 (1478/600 share). (Doc. 447/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-83 Seal : I. T. N. S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, tthe 10th January 1983

Ref. No. 17226 — Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 41, Anna Salat, Madras-2 (101/600 Share) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Triplicane (Doc. 416/82) in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Heeral Constructions (P) Ltd. 839, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) U. Suryanarayana, N. Namala Devi P. Ihansi Lakshmu Bai, V. Rama Devi U. Swalantra, Kavuru Sesha Giri Rao, Vemuru Pitchaiah AC 66, Shanthi Colony, Madras-40,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 41, AAnna Salai, Madias-2 (101/600 share) (Doc. 416/82).

R. P. PILLAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-1-83

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1983

Ref. No. 17419.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,060/- and bearing No. 194, Bells Road, Madras-5 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1791/82) in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Estate of late Iswardas Navalrai Thadhani by Executors Hashmatrai Mesaram Thadhani, Dowlat Moittam Thadhani & Ishwardas Hashmatrai Thadhani Tulsi Nivas D Road, Bombay-20
- (2) Shri Laxmi Pritamdas Thadhani 1, Harrington Avenue, Chetput, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 194, Bells Road, Chepauk, Madras. (Doc. 1791/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 6-1-83

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madrus 600 006, the 7th January 1983

Ref No 12104 —Whereas I R. P PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No GS No 384/1 Teluncupalayam situated at Combatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore

(Doc 2109/82) in May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

- (1) R Muniappin S/o V. Rangaswamy V Rangasamy Naicker S/o Venkitaswamy Naicker Thirumalamasckenpulayam, Telungupulayam, Combatore
- (2) Banwarilal 60A, West Sambandam Road, RS puram, Combatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Lind at GS No 384/1, Telungupalayam Combatore. (Doc 2109/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date 7-1-1982 **Seal**:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madros-600 006, the 7th January 1983

Ref. No. 12105,-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
GS No 384/1, Telungupalayom situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Coimbatore (Doc. 2108/82) in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid troperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely ;--

(1) V. Rangaswamy Naicker S/o Venkitaswamy Naicker R. Muniappan S/o V. Rangaswamy Naicker Thirumalamaickenpalayam, Telungupalayam, Coimbatore-Tk.

(Transferor)

(2) SN Somasundatam 66, Sukrawarpet St., Coimbatore Vimala Palaniswamy 14-G-1. Perumanallui Road, Thuppur-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 1mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The telms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Land at GS No. 384/1, Telungupalayam. (Doc. 2108/82).

> R. P. PHLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-lax, Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 7-1-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th December 1982

Ref. No. 9808.—Whereas. I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 350, 351, 1.351.2, 3992.402 1A, 402, 2,402.3, situated at Valikandapuram, Ariyalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Valikandapuram (Doc. 942/82) in May 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Krishnamachari, Doraiswamy,
 Muthuswamy Asari, Mahalakshmi,
 Vijaya, Sheela, Kumar, Siva,
 Kalavathi, Murali, Prakash, Geetha
 32, Vandikkaru St., Namakkal, Salem Dt.
 (Transferor)
- (2) Oli Mohammed, Mohd. Sathakathullah, Mohammed Zackria, Bazeera Beevi C/o Mohammed Sultan, Sanarpettai St, Lebbaikudikadu, Perambalur Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptei.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 350, 351, 13512, 399.2, 402.1A, 402, 2402.3, 408.1 Valikandapuram, Ariyalur. (Doc. 942/82).

R. P. PILLAI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range-III, Madras-600 006.

Date: 24-12-82

...

FORM ITNS----

(1) 5mt. Aleka Bala Sadhukhan.

(2) Su Balaram Sadhukhan.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd January 1983

Ref No. 1203/Acq. R-III/82-83...-Whereas, I, M. AHMED being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 88 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

121/4, situated at Raja Dinendra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

31 -446 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I NPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in that piece or parcel of land (with structure) measuring 7K 8 Ch. 9 sft. being premises No. 121 'D, Raja Diuendra Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Culcutta

Date: 3-1-1983.

(1) Smt. Bela Sen.

(Transferer

(1) Mis. Mukje & Associates.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III. CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1983

Re. No. 1204|Acq. R-JII|82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the lanmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21, situated at Mullen Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saled Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

All that piece or parcel of land measuring 13K 3 Ch. 23 Sq. ft. together with building being portion of the premises No. 21, Mullen Street, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta

Date: 6-1-1983

Scol

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th January 1983

Ref. No. 1205/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43, situated at Jodhpur Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 5mt. Parimal Kar.
- (1) Smt. Dipannita Mitra.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat at ground floor with proportionate share of land having total area 2K 11 Ch. 2 S ft. being situated at 43, Jodhpur Park. Calcutta.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Date: 10-1-1983

Scal:

FORM ITNS

(1) Nursing Sahay Mudun Gopal (Engineers) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Smt. Ganga Devi Agarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. 1206/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M-AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 17, situated at 55, Ezra Street ,Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 17 on fourth floor, being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-III,
Calcutta

Date: 11-1-1983

Calcutta on 14-5-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th January 1983

Rcf. No. $1207/\Lambda$ cq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

55, Shop No 12 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nursing Sahay Mudun Gopal (Engineers) Pvt.

(Transferor)

(2) Smt. Tailuna Shah (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Shop No. 12, being Piemises No. 55, Ezia Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-1-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 11th January 1983

Ref. No. 1208/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 55

Shop No. 26 situated Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Nursing Sahay Mudungopal (Engineers) Pvt. Lt. (Transferor)
- (2) Mrs. Pramila Sobti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Shop No. 26, being premises No. 55 Ezra Street, Calcutta.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16 Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 11-1-1983

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutto, the 11th January 1983

Ref. No. 1209/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55 (Apartment No. 3) situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nursing Sahay Mudur Gopal (Engineers) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Ghan Shyam Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that appartment No. 3 on 4th floor being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 11-1-1983

Scal:

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 6th January 1983

Ref. No. AC-41/Acq.R-IV/Cal/82-83.--Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52 situated at Dharmatala Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Howrah on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kedar Nath Inte Manufacturing Co. Ltd., 5/1, Russel Street, Calcutta,
- (2) Sri Sajjan Kumar Chowdhury, 144 46, Dharmatola Road, Dt. Howrah.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

Land 10 cottahs 7 chittacks 5 sq. ft.
Address—52, Dharmatola Road, P. S. Malipanchghora.
Dt. Howrah. Deed No. 1251 of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-1-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mollabar, P.S. Scrampore, Dt. Hooghly.

(1) Shri Bahadur Mollick.

(Transferor)

(2) Sri Srish Chandra Agarwalla, 11, Clive Row, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 6th January 1983

Ref. No. AC-42/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza-Bamunari, Dt. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Scrampore on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—34 satak,Address—Mouza Bamunari, P.S Serampore, Dt. Hooghly.Deed No. 2668 of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-1-1983

Seal:

35-446 GI/82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA 54, RAFI AHMLD KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 6th January 1983

Ref. No. AC-43/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing No.

situated at Moura-Bamunari, Dt. Hooghly

(and more fully described in the Schedu'e annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Serampore on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Bimal Kumar Sarkar,

(2) Sri Saroj Kumar Sarkar—both of at Mahesh, Dt. Hooghly.

(Transferor)

(2) M/s. Indus Services Limited, 11, Clive Row, Calcutta-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—.42 satak,
Address—Mouza-Bamunari, P.S. Serampore, Dt. Hooghly.
Deed No. 2675 of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 6th January 1983

Ref. No. AC-44/Acq.R-IV/Cal/82-83.--Whereas, J. M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

at Mouze-Bamunari, Dt. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Serampore on 24-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Benod Behari Mallik
- (2) Lakshman Ch. Mollik
- (3) Sri Sidshaswar Mollick(4) Sri Lakshmi Narayan Mollick
- (5) Sri Bidyut Kumar Mollick (6) Sri Mujari Mohan Mollick

All of Bamunari, P.S. Serampore, Dt. Hooghly

(Transferor)

(1) M/s. Indus Services Limited, 11, Clive Row, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—.44 Satak Address—Mouza-Bamunari, P.S. Serah, pore, Dt. Hooghly. Deed No. 2825 of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond, Calcutta-16

Date: 6-1-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 24th December 1982

Rcf. No. AC-56/R-II/Cal/82-83.--Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 43, Adhar Ch. Das Lanc, situated at Ultadanga, Calcutta-

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 5-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely :-

(1) Smt. Malati Chandra & Ors., 43, Adhar Chandra Das Lane,

P.S. Ultadanga, Calcutta-67.

(Transferor)

(2) Sri Prasad Ranjan Kundu & Ors, 35/3, Adhar Ch. Das Lane, Ultadanga, Calcutta-67.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area:—3 kg. 8 ch. (two storied Bldg.) at 43, Adhar Ch. Das Lane, P.S. Ultadanga. Calcutta-67. More particularly described in deed No. 3812 of R.A. Calcutta of 1982.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-12-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Onkar Prasad Kanoi, P-7, Block 'H' New Alipore, 24-Pgs.

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Chadha, J-215, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-700016, the 24th December 1982

Ref. No. AC-55/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 241/196, situated at S. N. Banerjee Road, P. S. Behala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 4k. 4ch. (with bldg.), being prem. No. 241/196, S.N. Banerjee Rd., Behala, 24 Pgs. More particularly described in deed 4175 of R.A. Calcutta of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date . 24-12-1982 Seal :

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-700016, the 24th December 1982

Ref. No. 54/R-II/Cal/82-83,—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 743 situated at Lake Town, Block 'A' Calcutta-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Bela Rani Basu, P-744, Lake Town, Patipukur, Calcutta-89.
- (2) Sri Guru Das Ghosh, 14-A, Guruprasad Roy Lane, Shyampukur, Calcutta-5.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2k (with bldg.) at being plot No. 743, Lake Town, Block 'A', Calcutta-89. More particularly described in deed No. 4155 dt. 15-5-1982 of R.A. Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-12-1982

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Promod Kr. Agarwal, Bamrauli, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Meeta Agarwal,4, Leonard Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-700016, the 24th December 1982

Ref. No. AC-53/R-Π/Cal/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 2, St. Georges Gate Road, (3rd Floor) situated at Hastings, Calcutta-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Covered Arev. 75.25 Sq. mtr. at Prem. No. 2, St. Georges Gate Road, (31d floor) P.S. Hastings, Calcutta-22. More particularly described in deed No. 3864 of R.A. Calcutta of 1982

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rasi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-12-1982

(1) Sri Shiba Prosad Roy Choudhury.

(Transferor)

(2) Sri Birendra Prosad Roy Choudhury

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-700016, the 18th December 1982

Ref. No. 1200/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Suhasini Ganguli Saranl, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3k 12 sq. fi with building being premises No. 8, Suhasini Ganguly Sarani Caclutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1982

Scal:

(1) Smt. Mina Rani Chakraborty.

(Transferor)

(2) Smt. Sommati Das.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-700016, the 18th December 1982

Ref. No. 1201/Acq.R-III/82-83.--Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 279 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:--

36-446 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2k 4 Ch. 25 sq. ft. being premises No. 279, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta,

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-12-1982 Senl:

(1) Smt. Mina Rani Chaktaborty.

(Transferor)

(2) Smt. Sova Saha,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th December 1982

No. 1202/Acq R-III/82-83.--Whereas I. Ref. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece or purcel of land 20 sq. ft. being premises No Chandra Bose Road, Calcutta measuring 2 K 2 Ch 279, Netaji Subhas

. **强则强**. .

M. AHMAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54 Rali Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700016

Date : 18-12-1982 Scal :

(1) Vijoy Gouri Chaturbhuj & Ors., 4. Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Piova Devi Lohia & Ors. 32B, East End Garden Lane, Calcutta-19.

(Transferee) *

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 20th Decembe: 1982

Ref. No. AC-51/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, MAHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F/No. 8(4th floor) Prem. No. 23A/142 D.H. Rd. Block 'G' situated at New Alipore, Calcutta-53,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.A. Calcutta on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namedy:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1200 sq. ft. being=flat No. 8, (4th floor) Prem. No. 23A/142 D.H. Rd, Block 'G' New-Alipore, Calcutta-53. More particularly described in deed No. 5575 of S.R.A. Cal. of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 20-12-1982

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd December 1982

Ref. No. AC-52, R-TI/Cal/82-83.—Whereas I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Imporme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

P-275, C.I.T. Rd, Sch. No. IV(M), situated at Phulbagan, Calcutta

(and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.A. Calcutta on 7-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Tarun Kr. Banerjee r/o 7A, Sitaram Ghosh St. Calcutta-9. Constituted Attorney for Asit Kr. Pal & Ors.

(2) Smt. Madhabilata Pal & Ors. 93/3, Bedon St., Calcutta-6,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 3 k. 1 ch. 39 sq. ft. (with Bldg) at P-275, C.I.T. Rd, Sch No. IV(M), P.S. Phoolbagan, Calcutta. More particularly described in deed No. 3879 of S.R.A. Calcutta, of 1982.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 22-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th December 1982

Ref. No. AC-49/R-II/Cal/82-83.---Whereas, I. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

58, D, Alipore Road, situated at Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.R. Alipore, 24 Pgs. on 5-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby laitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Khagenra Nath Das, 58D, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Smt. Santi De. 58D, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: Undivided 1/31d share of land 5 cottah. 5 ch. at 58D, "Alipore Road. Calcutta-27. More particularly described in deed No. 5657 of D.R. Alipore, 25-Pgs. of 1982.

M. AHMAD:
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutte, the 18th December 1982

Ac-50/R-U/Cal/82-83.---Whereas I, Ref. No. M. AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F/No. 1 on 1st floor, situated at 8B, Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 13-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) Swaraj Paul, 13A, Alipore Road, Calcutta-27.

(2) Shri Satya pal Scthi & Ors. 8B, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1981 Sq. ft being b/No. 1, on 1st floor, Preni. No. 8B, Alipore Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 4035 of R.A. Calcutta of RA. Calcutta of 1982.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 54 Rafi Ahmed Kidwal Road, Acquisition Range-II. Calcutta-700016

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta the 9th December 1982

Ref No AC-46/R-II/Cal/82-83 —Whereas I, C ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able 'property, having a fail marker value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

22/1, situated at Fkbalpore, Calcutta-23

(and more fully described to the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer by

DR Alipoie, 24 Pargs 15 5 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shahadi Hussain, Mrs Anwara Hussain, 22/1, Dent Mission Road Lkba'pore Cilcutta-23

(frantuo)

(2) M. Samsuddin Ambed and live others 24, Dent Mission Road P.S. Lkbalpore, Calcura 23

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULL

Atea 4 K 1 Ch 29 sq ft with Euilding being Premises No 22/1, Dent Mission Road, PS Ekbalpote, Calcutta-23 More particularly described in deed No 6434 of DR Alipore 24 Pags of 1982

C ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Ringe-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutt 116

Date 9-12 1982 Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-32/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

67, situated at 'F'-Road, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Howrah on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) Sri Uma Kant Ghosh,
 (ii) Sri Shyam Sunder Ghosh,
 3, 'G'-Road, Belgachia,
 Dist. Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Nripen Majunrder, 75, 'Y' Road, P.S. Liluah, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land .56 Decimal only.
Adress: 61, 'F' Road, Belgachia,
P.S. Liluah,
Dist. Howrah.
Deed No. 1168 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (i) Sri Uma Kanta Ghosh, (ii) Sri Shyam Sunder Ghosh,3, 'G'-Road, Belgachia,P. S. Liluah, Dist. Howrah.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable

cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

property within 45 days from the date of the publi-

(T) ansferor)

(2) Sri Nripen Majumder, 75, 'Y' Road, P.S. Liluah, Dist. Howrah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-33/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

68, situated at 'F' Road, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Howrah on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

37-446 GI/82

THE SCHEDULE

Land 62 Decimal only.

Address: 68, 'F' Road, Belgachia, P.S. Liluah,

Dist. Howrah. Deed No. 1182 of 1982.

C. ROKYAMA Competent A thority Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax, Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kashiswari Samanta, 119/1, Benaras Road, Howrah-6.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Renuka Ghosal, (ii) Sri Heramba Ghosal, 67, Jaliapara Lane, P.S. Golabari, Dist. Howrah.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

AC-34/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I. Ref. No. A C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119/1, situated at Benaras Road, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 Cotteh 10 Chattaks with building. 119/1, Benaras Road, Salkia, P.S. Golabari, Address : Dist. Howrah.

Deed No. 2582 of 1982.

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-36/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at

Mouja & P.S. Uttarpara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Serampore on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ely:—

(1) (i) Sri Tapan Kumar Chatterjee, (ii) Sri Santosh Kumar Chatterjee, Uttarpara, P.S. Utterpara, Dist. Hooghly.

(Transferor)

(2) Sri Haragobinda Chakravorty,
 28, Joy Krishna Street,
 Uttarpara,
 Dist. Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 K 8 Ch.—19 Sq. ft. with building, Address: Mauja & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly. Deed No. 2735 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-23/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. situated at Sasanka, Palli Durgapur

situated at Susanka, Palli Durgapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 28-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Talsi Mukherjee, of Sasanka Palli, Durgapur, Dist. Burdwan.

(Transferor)

 Sri Asis Kumar Bandopadhyay, of Gopalpur, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3.07 Cottahs with building. Address: Sasanka Palli, Sagar Bhanga, Durgapur, Dist. Burdwan. Deed No. 3668 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-24/Acq. R-IV/Cal/82-83,—Whereas I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000_/- and bearing No.

89/323, situated at Bangur Park, Dist. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Setumpore on 24-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Anil Kumar Chatterjee, of 128, Hazra Road, Calcutta-26.
- (2) Smt. Chandralekha Pramanick, of 47/A, Sosthitala Street, Rishra Dist. Hooghly.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 2 Cottahs, 11 Chattaks, 22 sq. ft. with building. Address: 89/323, Bangur Park, P.S. Serampore, Dist. Hooghly.

Deed No. 2810 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta,

Date: 17-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-25/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6, situated at Ratan Halder Lane, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ashutosh Ghose of 74/1, Durga Charan Mitra Street, Calcutta.

((Transferor)

(2) Smt. Gouri Rani Das of 5/3-A, Nutan Para, Liluah, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10 Cottahs with building. Address: 6, Ratan Halder Lane, Mauja-Liluah, Dist. Howrah. Deed No. 1228 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
pecting Assistant Commissioner of Icome-tax
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date : 17-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-26/Acq.R-IV/Cal/82-83.--Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 81, situated at Kshetra Mitra Lane, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the registering officer at Howrah on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Si Manick Chandra Banerjee,
 21/2, Kshetra Mohan Road, Saikia,
 Dist. Howrah

(Transferor)

(2) Smt. Arati Ganguly, W/o Sri Swadesh Kumar Ganguly, 21/2, Kshetra Mitra Road, Howrah-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1.63 cottans with building. Address: 81, Kshetra Mitra Lane, Salkia, Dist. Howrah. Deed No. 1240 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Raju Nath, W 'o Sri Arun Chandra Nath, Village Nepati, P.S. Bally, Dist, Howrah

57 & 58, Panchanantola Road,

(1) Smt. Radha Rani Jana,

Dist. Howrah

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONIER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-27/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, J. C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at vill. Nept at, Distt. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-5-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Isadian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha, 2 Cottahs only. Address: Basukati Road, Village Nepati, P.S. Bally, Dist. Howrah. Deed No. 1296 of 1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Icome-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-28/ACQ.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Sitanath Bose Lane, Dist. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 26-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—446 GI/82

 Smt. Aruna Mondal of 164/1, Benaras Road, Salkia, Dist. Howrah.

((Transferor)

(2) Sri Rakhal Chandra Das of 14-Hasan Bibi Lane, Salkia Dist, Howrah

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I.and: 1.5 Cottahs with building.
Address: 15, Sitanath Bose Lane, Salkia, Dist. Howrah.
Deed No. 1356 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. AC-29/ Λ CQ.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

53/1/3/1/5/1, situated at Dharmtola Lane Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely:—

(1) The Shibpur Co-operative Bank Ltd. of 173, 174 Shibpur Road, Dist. Howrah.

((Transferor)

(2) Sri Biswanath Das of 109/1, Lollapara Lane, P.S. Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1.95 Cottahs with building.

Address: 53/1/3/1/5/1, Dharmotala Lane, P.S. Shibpur,

Dist. Howrah

Deed No. 2549 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1983

Ref. No. AC-30/ACQ.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I. C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/7 situated at Abinash Banerjee Lane, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ^fIndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bijan Kumar Pal, 22/2, Abinash Banerjee Lane, P.S. Shibpur, Howrah.
 Smt. Mina Pal, W/o Sri Harendra N. Pal of Baguipati 24-Pargs.
 Smt. Chinu Dey W/o Sachin of 22/2, Abinash Banerjee Lane, Shibpur, Dist. Howrah.
- (2) Sri Kanailal Sadhukhan of 95/7, Abinash Banerjee Lane, Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3.49 Cottahs with building. Address: 22/7, Abinash Banerjee Lane, P.S. Shibpur, Dist. Howrah. Deed No. 2601 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date: 17-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. No. 31/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Kedar Nath Mukherjee Lane, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 5-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sri Nirmal Kumar Bhattacherjee, Sri Pran Ballav Chakravorty,
 4-Kedar Nath Bhattacherjee Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah.
- (2) Sri Manindra Math Dube of Acapara, P.S. Nandigram, Dist. Midnapore.

(Transferce)

((Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 2 cottahs with building. Address: 4, Kedar Nath Mukherjee Lane, P.O. Belur, Dist. Howrah. Deed No. 2369 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1JI, CALCUTTA

Calcutta, the 4th October 1982

Ref. No. 1128/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26 stuated at Ashutosh Choudhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 8-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- ((1) Smt. Brojobala Bhattacharjee,
- (2) Ellenbarrie Investment Private Ltd.

((Transferor)

ua. (Trancloree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1B 4K 12Ch 8Sft, with building situated at 26, Ashutosh Choudhury Avenue Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 4-10-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Mohd, Khurshid. 2. Smt. Akila Begum.

3. Shri Mohd. Sadik.

((Transferor)

(2) 1. Shri Mohd, Abrar,2. Shri Mohd, Ayub.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th November 1982

G.I.R. No. M-147/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Baghamba Khasra No. 343 situated at Mauza—Bhagatpur Tanda, Teh. & Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Moradabad on 15-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Bagh Amba Khasra No. 343, measuring 5 acres 8 decimals, situated at Mauza-Bhagatpur Tanda, Teh. & Distt. Moradabad, and all theat description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4263/82, dated 15-3-82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-11-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 21st October 1982

G.I.R. No. S-244/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. 146 situated at Chaukhandi, Keetgani, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed here), hus

(and more fully described in the Schedule annexed here), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Allahabad on 6-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ruder sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Mohan Das Tandon.

((Transferor)

(2) Shri Sita Ram Pandey, Secretary, The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited, Allahabad.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 146, measurnig 1612 sq. metres, (free hold) situated at Chaukhandi. Keetgani, Pargana and Tehsil-Chail, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2068, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 6-5-1982,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Lucknow

Date : 21-10-1982

Sen! :

(1) Smt. Roshanara Begum.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahmood Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd. Through Shri Mubin Ahmad, Secretary. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 5th August 1982

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. M-141/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

publication of this notice in the Official Gazette.

Plot No. 39 stuated at Mahbubganj Gulshanbagia. Sahadatganj, Lucknow

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 29-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 39, measuring 5135 sq. ft. situated at Mahboobganj Gulshanbagia, Sahadatganj, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4716/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 29-5-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1982

G.I.R. No. S-240/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Arazi No. 422, Ismailganj, situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 28-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following

(1) Shri Surajbali S/o Shri Manku, R/o Ismailganj, Lucknow.

((Transferor)

- (2) 1. Smt. Saroj Kapoor Wo/ Dr. P. S. Kapoor, R/o 1/18, Rajendra Nagar,
 - Lucknow 2. Smt. Mithilesh Kumar W/o Shri Ganesh Dutta, R/o 734, Mahanagar, Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 422, measuring 10 Biswa 15 Biswansi situated at Ismailganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4683/82 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 28-5-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 5-8-82 Seal:

persons, namely :-- 39-446 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. AYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsor, the 23rd December 1982

Ref. No. ASR/82-83/468.-Whereas, I, ANAND SINGH,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Acti), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One p opc ty No. 1825/VIII-17 MCA Kila Bhangian, Amrit-.702

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amribeer on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair main t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than b't in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of ins.er with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afereed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following T "YOU'S DAMENY :---

(1) Smt. Daropti w/o Shi Duni Chand, r/o B-229, Ashok Vihar, Delhi, through Shri Duni Chand s/o Shri Kanshi Ram, Mukhtar.

(Transferor)

- (2) Smt. Leela Wat: Wd/o Shii Madan Lal, r/o Kila Bhangian, 🕰 di Guru Ram Das, Amritsar. (Transferee)
 - (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property and be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1825/VIII-17, MCA, measuring 98 2 sq. yds.. s'tuated in K'la Bhangian. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6159 dated 2-7-82 of the registering authority Amrit-Sar

ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Amritsar.

Date: 23-12-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/409.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property No. 1943—1947 Behind SSP's residence, Off. Mall Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsa, on May, 1982.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khem Kaur Wd/o Dr. Amrit Singh, H. No. P-67, South Exn. P. II, New Delht. Though Shri Rabinder Singh s/o Shri Pritpal Singh, 384 Green Avenue, Amritsar.

Transferor)

(2) Sm. Nirmal Kanta w/o Shri Mohan Lal Chawla. r/o Plot No. 5. Ram Bagh, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable p. eperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1943—1947 measuring about 251 sq. yds., situated at Behind SSP.'s residence, Off. Mill Road, Amritsar, as mentioned in sale 3955 dt. 31.5.82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH. I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amrits:

Date: 27-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/410.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property No. 1943—1947 Behind SSP's residence, Off. Mall Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Khem Kaur wd/o Dr. Amrit Singh, House No. P-67 (South Extension, Part II, New Delhi. Through Rabinder Singh s/o Shri Pritpal Singh, 384, Green Avenue, Amritsar. Attorney.

(Transferor)

- (2) Shri Mohan Lal Chawla s/o Shri Bhagwan Dass Chawla, Plot No. 5, Ram Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1943—1947 measuring about 251 sq. yds., situated at Behind S.S.P.'s residence, Off. Mall Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3954 dt. 31.5.82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd December 1982

Rcf. No. ASR/82-83/411.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
One property situated at Chowk Phullan Wala, Amritsar,

One property situated at Chowk Phullan Wala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Om Kumari w/o Shri Bhagwan Dass, r/o Gali Gandan Wali, Nimak Mandi, Amritsar—Presently 15 Suthra Shahi, Srinagar.

(Transferor)

(2) M/s. Ghanaya Lai Satish Kumar, r/o Chowk Phulanwala, Amritsar through Shri Satish Kumar, partner of the firm.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 71.11 sq. metres, situated in Chowk Phullanwala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7380 dated 22.7.82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-12-1982.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsur, the 1st January 1983

Ref. No. ASR/82-83/412.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land smooted at Vill. Ghanya ke Bangher,

Agricultural land situated at VIII. Ghanya ke Banghei, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Hazara Singh s/o Shii Partap Singh, Vill. Ghanya ke Bangher, Batala.

(Transferor)

- (2) Shri Makhan Singh s/o Shri Dalip Singh, Vill: Ghanya ke Bangher, Batala.
- (3) As at S, No. 2 above & tenants if any,
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, sha'l have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of agricultural land, measuring 31 kanals—14 marlas, situated in vill: Ghanya ke Bangher, as mentioned in sale deed No. 1196 dated 27.5.82 of the registering authority, Battala.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 1-1-1983.

FORM LTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR**

Amritsar, the 23th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/413.—Whereas, I, ANAND SINGH, TRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One property No. 2547/4058 situated at Abadi Kot Mangal Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). 1908 (16 has been transferred under the Registeration Act, of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which or ohl to be a coord by he is esteree too the purposes of the Iudian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 - 27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Bhola Ram s/o Shri Sunder Dass R/o Vill. Pandori Sidhwan, Teh: Jhabal, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kantar Kaur W/o Shu Putam Singh, R/o Katra Mahan Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 and tenants as under:— (1) Sh. Charan Singh Rs. 65/-
 - (2) Sh. Manjit Singh Rs. 100/-
 - (3) Sh. Vijay Kumar Rs. 100/-(4) Sh Raj Kumar Rs. 115/-

 - Sh. Sukhdev Singh Rs. 125/-

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propoerty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of Property No. 2547-4058, measuring about 82 sq. yds., situated at Kot Mangal Singh, Amritsar, as mention in sale deed No. 6288 dt. 8-7-82 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH I. R. S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR**

Amritsar, the 23th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/414.--Whereas I, ANAND SINGH. IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property No. 2547/4058 situated at Abadi Kot Mangal Singh, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1. Shri Bhola Ram S/o Shri Sunder Dass, R/o Vill: Pandori Sidhwan, Teh: Jhabal, Distt. Amritsar.

(Transferor)

2. Shrimati Manit Kaur W/o Shri Surjit Singh, R/o Katra Mahan Singh,

(Transferee)

- 3. As at S. No. 2 & tenants as under :—
 (1) Sh. Charan Singh Rs. 65/(2) Sh. Manjit Singh Rs. 100/-

 - (3) Sh. Vijay Kumar Rs. 100/ (4) Sh. Raj Kumar Rs. 115/-
 - (5) Sh. Sukhdev Singh Rs. 125/-

(Person in occupation of the property)

(4) Any other .

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propoerty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of Property No. 2547-4058, measuring about 82 sq. yds., situated at Kot Mangal Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6177 dt.2-7-82 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH I. R. S. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-12-1982

And described and section of the section of the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR**

Amritsar, the 23rd December 1982

Ref. No. ASR/82-83/415.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. One propocrty No. 1942/53 situated at Behind SSP's residence, Off Mall Rd. ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

A.S.R. Amritsar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Champa Wati W/o Sh. Jai Krishan Narang, Sh. Kahan Chand S/o Sh. Jai Krishan Narang, Through Sh. R. A. Boga, S/o Sh. A. E. Boga, G. T. Road, Hide Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Harvinder Kaur W/o Sh. Daljit Singh, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propoerty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property khasra No. 1942/53, situated at Behind SSP's residence, Off Mall Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2771 dt. 10-5-82 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH I. R. S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—446GI/82

Date: 23-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURJ, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd December 1982

Ref. No. ASR/82-83/416.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property No. 1942/53 situated at Behind SSP's residence, Off Mall Road, ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Champa Wati
 D/o Sh. Jai Krishan Narang, Sh. Kahan Chand
 S/o Sh. Jai Krishan Narang, Through Sh. R. A. Boga, S/o Sh. A. E. Boga,
 G. T. Road, Hide market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Harvinder Kaur W/o Sh. Daljit Singh, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Property Khasra No. 1942/53, situated at Behind SSP's residence, Off Mall Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2770 dt. 10-5-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I. R. S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dato: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th December 1982

Ref. No. M-342/82-83.—Whereas I, BIBEK BANERJI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kapur on 2-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Indra Kumar Mishra S/o Ram Narain, R/o 111A/32 Ashok Nagar, Kanpur. Smt. Subhdra Mishra W/o Ram Narain Mishra, R/o 40/74 parad, Kanpur.

(Transferor)

 Smt. Shakuntala Devi Gupta W/o Late Shri Ram Chand R/o 111A/32 Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Shakuntala Devi (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable proporty No. 111A/32 Ashok Nagar, Kanpur has been sold for Rs. 1,50,000/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 27-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notic No. C.R. No. 62/469/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1/2 situated at Malewadi, Tq: Gulbarga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 317/82-83 on 1-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Shri Madhukar Rao
 S/o Manik Rao Kale,
 R/o Brahmapur, Gulbarga.

(Transferor)

 Santosh Consumers Welfare Society through Its President, Bhimashankar S/o Shivasharnappa, R/o Brahmapur, Gulbarga.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication, of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 317/82-83 dated 1-5-82] Sy. No. 1/2 situated at Malewadi, Tq: Gulbarga, Agricultural land measuring 10-Acres out of total land measuring 12-Acres & 34-Gunthas.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Ref. No. C. R. No. 62/468/Acq/B/82-83.—Whereas I SMT. MANJU MADHVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. C. S. No. 1291/B

situated at Ward No. III, Bijapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bijapur Under document No. 362/82-83 on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Gajarabai,
 W/o Hariba Bhoj alias Teli,
 R/o Pune—At present staying at Shahapet Galli,
 Bijapur.

 (Transferor)
- (2) Sri Kashinath Channamallappa Sajjan, Shahapetgalli, Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 362/82-83 dated 12-5-1982 Structure on C.S. No. 1291/B measuring 222 sq. yards in Ward No. III, Bijapur,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-83.

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. C. R. 62/467/82-83/ACQ/B.—Whereas, SMT. MANJU MADHVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Coffee lands bearing S. No. 499, 187, 477 and 487 situated at B, Hosahally village, Bankal Hobli, Mudigere Taluka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere Under document No. 120/82-83 on 13-5-1982 for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namly:—

 1. Shri H. N. Chandregowda.
 2. Shri H. C. Manjunath.
 3. Shri H. C. Sathyanarayana.
 All R/o Halehally of B. Hosahally, Mudigere Taluka.

(Transferor)

(2) 1. Shri B. Abdul Rahiman.2. Smt. Fathumma.3. Shri B. Mohammed.

4. Shri B. Shamasuddin of B. Hosahally, Mudigere Taluka.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 120/82-83. Dated 13-5-1982.

9 Acres and 12 Gunthas of Coffee Estate situated at S. No. 449, 187, 477 and 487 situated at B. Hosahally, Village, Banakal Hobli, Mudigere Taluka.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. C. R. 62/465/82-83/ACQ/B.—Whereas, SMT. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 151 and 152 situated at Halebelur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sakaleshpur Under document No. 251/82-83, on 19-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. T. Keshavashetty. S/o Belur B. D. Thimmasetty, Sarswathipuram Extn, Sakaleshpur.

(Transferor)

(2) Mr. Justus Gajetan Pinto, S/o L. H. Pinto, Annuvilla Mission Compound Balmatt Extn. Mangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 251/82-83 dated 19-5-1982) Coffice estate bearing Sy. No. 151 and 152 situated at Halebelur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Bangalore-560001, the 10th January 1983.

Notice No. C. R. No. 62/466/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. No. 67, situated at Santhekadur Village, Nidigey Hobli, Shimoga Taluka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Shimoga Under document No. 546/82-83 on May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri P. Manjunatha Holla.

Shri P. Narayana.
 Shri P. Padmanabha, S/o P. Narasimhaiah,

R/o B.H. Road, Shimoga.

(Transferor)

(2) Shri Marulappa S/o Kamanna, R/o Santhekadur, Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 546/82-83.

Dated May 1982

6 Acres and 19 Gunthas of Agricultural Wet land situated in Sy. No. 67 of Santhekadur Village, Nidigey Hobli Shimoga Taluka.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 22nd November 1982

No. 458/82-83.—Whereas, I. Mrs. Manju Madhavan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C. S. No. 3378-C. situated at Haveri.

Under document No. 270/82-83.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveri Under document No. 270/82-83 on 24-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-41-446GI/82

(1) 1. Smt. Parvathibai. W o Shri Shankatappa Bulagannavar, Davanagere.

(Transferor)

(2) 1. Shii Shiyabasappa Veerppa Tonkad Fertilizer Merchants, Near Bus-Stand, Haveri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Registered Document No. 270/82-83. Dated 24-5-1982 Property bearing No. C. S. No. 3378-C situated at Haveri.

MANIU MADHAVAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange, Bangalore

Date: 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore 560001, the 22nd November 1982

C.R. No. $62/4^{\circ}$ 0. 82-83/ACO/B.--Whereas, I, MRS. MANU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. C.T.S. No. 1665, situated at Ramalingkhind Galli, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Beleaum Under document No. 514/82-83 12-5 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fair a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Laxmibai D. Dhopeshwar, 1615/C, Ansurkar Galli, Belgaum, and others.

(Transferor)

1. Shri Gopal Shrinivas Kamat
 2. Shri Narayan Shrinivas Kamat
 1665, Ramalingkhind Galli, Belgaum.

(Transferee)

(3) The Transferees—Shri Gopal and Shri Narayan, sons of Shri Shrinivas Kamat.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULF

[Registered Document No. 514/82-83 dated 12-5-1982] The property bearing C.T.S. No. 1665, situated at Ramalingkhind Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th September 1982

Notice No. 449/82-83/Acq./D.-Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. Old 652, 1532 situated at

Jail Road, Chikkamagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkamagalur Under document

No. 331/82-83 on $2\overline{5}-5-1982$

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tinnsier with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. R. V. Seethamma, W/o Late Shri R. V. Ramaswamy, 71, Upstairs, Ranga Rao Road, Shankarpuram Bangalore-560004.

(Transferou)

(2) Smt. M. Aparna Heggade, W/o M. Ganapathi Heggade, M. K. Hegade & Sons, M. G. Road, Chikkamagalur-577101.

(Transferee)

(3) Shri S. R. Govindaraj Shetty. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 331/82-83 dated 25-5-1982)

House property bearing Municipal No. Old 652, 1532 Khata o. 1553, Asst. No. 1584/2439/2724 in Western Road of Jail Road, Chikkamagalur.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 15-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th September 1982

Notice No. 453/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Door No. Old 1687/A Old Khata No. 2357, 3351, and New No. 4452, 2864, 1236, New No. 4450/3750, situated at Basayanahalli Main Road, Chikkamagalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkamagalore Under document No. 365/82-83 on 10-6-1982

on 10-6-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sh. B. K. Rama Rao,

Sh. R. Sridhar,
 Sh. Papu All R/o Shimoga.
 Sh. R. Krishnamurthy, and his Sons.

5. Sh. Dattatri, Koratagere, Tumkur Dist.

(Transferor)

(2) Sh. C. Srinivas Murthy, Basavanahalli Main Road, Chikkamagalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANA

THE SCHEDULE

· (Registered document No. 365/82-83 dated 10-6-1982) All that property situated at Basavanahalli Main Road Chikkamagalore, bearing Door No. Old 1687/A Old Khata No. 2357, 3351, and New No. 4452, 2864, 1236, New Nos. 4450/3750.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 5th January 1983

Ref. L.C. 600/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode in 17-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Ratnavallay Vijayan Nagaram Amson & Desom, Kozhikode.

(Transferor)

(2) Sh. R. Gopalakrishnan, S/o Late R. Ramakrishna Chettiar, Annie Hall Road, Kozhikode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.50 acres of land with two buildings in survey No. 333 and 334/2 ward 16 block 16 Kozhikode.

V. R. NAIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 5th January 1983

Ref. L.C. 602/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 21-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. K. P. Ravindran 47/765 Puthiya Road, Kaloor, Cochin-682 017.

(Transferor)

(2) Sh. A. S. Gangadharan 27/135 (Old) 27/260 (New), Chimbukavu, Trichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $87~{\rm cents}$ of land with a building in survey Nos. 195/1, 2, 3, 194/1, 210/2, 209/2 and 196 in Trichur village.

V. R. NAIR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date . 5-1-1983 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AHMEDABAD--380009.

Ahmedabad-380009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 1978 Acq 23-II/82-83.—Whereas I, R. Shah.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nodh No. 442, Wd. No. 10 situated at Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.

Shri Amratlal Jivraj Gandhi
 No. 18, P & T Society,
 Ist Floor, Maninagar,
 Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Dahvabhai Durlabhbhai Muvawala 10-2335, Chok Bazar, Chargali, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nodh No. 442, Gandhi Chowk, Bhansali Falia, Ward No. 10 registered in May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
'Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Ruthben Lavjibhai Kota (Rajasthen).

 Rubinaben Lavjibhai Mission area, Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Amar Builders Valsad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD--380009.

Ahmedabad-380009, 1st December 1982

Ref No. P. R. No. 1979 Acq 23-II/82-83.—Whereas I, R. R. Shah,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 2120, S. No. 72/A/1/1/3 situated at Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 2120, S. No. 72/A/1/1/3 Valsad registered in May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD--380009,

Ahmedabad-380009, 1st December 1982

Ref. No. P. R. No. 1980 Acq 23-II/82-83.—Whereas I, R. R. Shah,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 4918, Tithal Road situated at Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evazion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—446GI/82

(1) Smt. Maki Sevaksha Dhanbhoora 'Hornby View', Gunbow Street, Fox, Bombay-400001.

(2) Dr. Dwijendra R. Khandhali St. Paul's Eye Hospital Livepool, England (UK). (Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 4918—Tithal Road, Valsad registered in May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dayaram Bhagwandas Balsara Jasvantiben Dayaram,
 3rd Cross Lane, Tithal Road,
 Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Narottamdas Karsandas Mechant 98-A Parekhvadi, 202 V. P. Road, Bombay-400004.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD--380009.

Ahmedabad-380009, 1st December 1982

Ref. No. P. R. No. 1981 Acq 23-II/82-83.—Whereas I, R. R. Shah.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 4918/A/1 situated at Tithal Road, Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valsad on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property C. S. No. 4918/A/1 Tithal Road, registered in May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD--380009.

Ahmedabad-380009, 1st December 1982

Ref. No. P. R. No. 1982 Acq 23-II/82-83.—Whereas I, R. R. Shah.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 1169-Street No 28 situated at Vapi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhikbiben Ishvarlal, wife Nathubhai Rana, self-and Guardian of minor Jayesh Kumar Ishvarlal, wife Nathubhai and others, Vapi, Taluka, Pardi. (Transferors)
- (2) (1) Shri Dilip Jogibhai Damania
 - (2) Shri Keshavbhai Kikabhai Damania, Nani Daman.
 - Kumari Kalavatiben Jogibhai Damania, Rajubhai Govindbhai Damania, Nani Daman.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 1169 (P), Vapi registered in May, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Ahmedabad

Dato: 1-12-1982

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 1983/Acq./23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 267, situated at Karcli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Kamrej on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ishvarbhai Gokulbhai Patel, Tundi Taluka: Palsana, Dist.: Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rajubhai Dalpatbhai Patel, at Bharthana, Taluka: Choriyasi, Dist.: Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at block No. 267-Kareli registered in May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-11-82

ical :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND I-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 1983/Acq./23-II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 231, Kareli situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Nathubhai Durlabhbhai Patel, Tundi, Taluka: Palsana, Dist.: Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dalpatbhai Kanjibhai Patel, at Bharthana, Tal.: Chryasi, Dist.: Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 231, Kareli, registered in May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date: 29-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 1983/Acq./23- Π /82-83.—Whereas, I. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 232, Karoli situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Narendrabhai Mulchandbhai Patel, Tundi, Taluka: Palsana, Dist.: Surat.
- (Transferor) (2) Shri Chandubhai Dalpatbhai Patel, at Bharthana (vesu), Tal.: Choryasi, Dist.: Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 232, Kareli-registered in May 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ahmedabad

Date: 29-11-82

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1984/Acq./23-II/82-83.---Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 220, Kadodara situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrei on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bapubhai Bhimbhai Desal, at Kadodara Taluka: Kamrej Dist.: Surat.

(Transferor)

(2) Shri Milankumar Morarbbai Patel, Rampura Main Road Natyar Nivas, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 220, Kadodara registered in May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date: 29-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref., No. P. R. No. 1985/Acq./23-II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 551, Wd. No. 10 situated at Khapaatia chakla, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kamrej on May 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandangauri wife of Vithaldas Lavjibhai Khapaatia Chakla, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pravinchandra Jitendralal Gandhi & others Dhingli Falia, Badekhan Chakla, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at nondh No. 551, Khapaatia Chakla, Wd. No. 10, registered in May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date: 29-11-82

FORM LT.NS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 1986/Acq./23-II '82-83 —Whereas, I. R. R. SHAH

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 23, Vareli situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——43—446GI/82

(1) Shii Mohanbhai Govindbhai at Haripura

Tal: Palsam Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Prakaschandra Amichand Shah at Vareli Village.

Tal: Palsana Dist. Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 23—Vareli registered in May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ahmedabad

Date . 29-11-82

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri Nathabhai Kuberbhai Patel at Sheyani Tal: Palsana Dist: Surat.

Transferor(s)

(2) Shti Chhotul/hai Manibhai Falil, Vijaykumar Chhotubhai Patel at Kathor Tal: Kamrej Dist: Surat.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) UF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1987 Acq 23-II '82.83 --- Wheeias, I. R. R. SHAH, . . .

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 272, Kareli situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Kamrej on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 272. Kareli-registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Date: 29-11-1982.

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1988 Acq 23-II 82-83.—Wheeras, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 96 & 113 situated at Kadodara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrei on May '82

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Dahyabhai Narottambhai Patel Shri Girishkumar Dahyabhai Patel & others at Kadodara Tal: Palsana Dist: Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dhirubhai Lhandubhai Vashi at Tanti-Thaiya Tal: Palsana Dist Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 96-113—kadodara—registered in May '82.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ahmedahad.

Date: 29-11-1982

Scal :

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1989 Acq 23-II/82-83.—Wheeras, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 95, Kadodura situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Kamrej on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by rable than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dahyabhai Narottambhai Patel Shri Girishkumar Dahyabhai Patel & others at Kadodara Tal: Palsana Dist: Surat.

Transferor(s) (2) Shri Ramanlal Khandubhai Vashi

Shri Hareshkumar Batubbai Vashi at Tanti-Thaiya Tal: Palsana Dist: Surat

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

FYPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: Block No. 95-Kadodara-registered in May

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 29-11-1982,

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Kanjibhai Zinabhai Garior.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dahyabhai Mavjibhai Shri Mohanbhai Gokulbhai Patel Shri Ganeshbhai R. Patel Shri Shankerlal Mahashanker Raval. Surat.

Transferce(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Rcf. No. P.R. No. 1990 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 59-1 Garior situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunt on May 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 500---59-1, Garior—registered in May '82. Ahmedabad.

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29-11-1982.

FORM 1.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1991 Acq 23-II/82-83.—Whereas, f, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S No. 464-A, T.P.S. 12, F.P. 3, situated at Adajan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reasons to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Lilavati Manharlal Manharlal Sundarlal Moti-Chhip Ved, Gopipura, Surat.

Transferor(s)

(2) President of: Ganga Apartment Co.-op. Housing Society. Shri Vijubhai Devjibhai Patel, Vaanki-Bordi, Saiyedpura, Surat.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERRIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 464-A, T.P.S. 12, F.P. 3, Adajan, registered in May '82.

> R. R. SHAH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29-11-1982,

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Maganlal Ranchhoddas—Borivali, Bombay. Transfevor (n)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(1) hhri Kamubhai Dullabhbhai Shri Lallubhai Dullabhbhai & o beis Chakavala Sheri, Vadi-Falia, Surat

Transferec(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1982

Ref. No. P.R. No. 1993 Acq 23-II/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 22, Wd. No. 8, Sanghadiavad, situated at Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May '82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at: Nondh No. 22, Ward No. 8, Sanghadiavad, Kumbhaaivad, registered in May '82.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 14-12-1982

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FROM ITNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1993 Acq 23-II/82-83.—Wheeras, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 9-A, Parsivad, Gopipura, Surat situated at Nondh No. 10-A, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on May '82'

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dhanmai Dorasha Udhanawala—29, Ganesh Bhavan, Noori-bava-road, Thana 400601.

Nāriman Dorabsha Udhanawala—Sheth House, 4.

Navroji road, Thakurbar, Bombay 2.

Gersis Dorabsha Udhanawala—29, Ganesh bhavan, Noori-bava-road, Thana.

Viraaf Dorabsha Udhanawala—Paarsivad, Gopipura, Surat

Transferor(s)

(2) Aminabai daughter of Shri Yahyabhai Abdulhusain Pupar Dipti Nagar, Opp.: Maharaja Cinema. Salabatpura, Surat.

Transferee(s)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 9A and 10A, Paarsivad, Wd. No. 8, Gopipura, Surat, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Admedabad.

Date: 29-11-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1982

Rof. No. P.R. No. 1994 Acq 23-II/82-83,—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Nondh No. 551—Wd. No. 5, Haripura, Surat situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on May '82

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44-446GI/82

(1) (1) Shri Kantilal Harikishandas Gandhi

 Smt. Prabhavati Kantilal Gandhi
 Shri Dilipkumar Kantilal Gandhi Haripura, Mashidiya Sheri, Surat.

Transferor(s)

(2) Shri Babalal Chimanlal Mehta Haripura, Gurjor Falia, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 551, Wd. No. 5, Haripura, Surat, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 14-12-82

FORM LT.N.S.---

(1) Shri Abdul Rehman Mohammedbhai Bardoliwela Chaugaan Sheri, Sagrampura, Surat.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Hulimabai wife of Ibrahimbhai Abdul Sattar Chandiwala, Sindhiyad, Bhaga, Tulay, Surat. Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1995 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2850-B Wd. No. 2, Surat situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here the surant forest the surant tables.

Nondh No. 2830-B Wd. No. 2, Surat situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May '82

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at: Nondh No. 2850-B. Wd. No. 2, Golkivad, Kaachia sheri. Surat, registered in May '82,

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 'Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29 11 82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1996 Acq 23-11/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 25/8, Bholav situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on May' 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Saiyed Iqbahusam Husainmiya Mashhadi, Saiyedvad, Maktampur, Broach.

Transferor(s)

(2) Shri Bhashkerbhai Bhailalbhai Patel at Kavitha (via; Nabipur) Tal; Broach.

Transferec(5)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: S. No. 25/8 (P) Bholav, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1997 Acq 23-IJ/82-83.—Wheeras, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 1940-A-8, Anandnagar Co.-op. Housing Society cituated at Sagrampura, Wd. No. 2, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Pushpaben Dhirubhai Mehta

(2) Bhartiben J. Mehta as a guardian & Con. party

(PART III-SEC. 1

(3) Minor Anish

4) Mona I. Mehta.

(5) Nitinkumar Dhirubhai Mehta, Anandnagar Society, Sagrampura, Surat.

(6) Rajniben Nalinchandra Kapadia, Balaji 10ad,

Surat.

(7) Harbala Gunvantrai Desai, Jalalpor, Navsari.

Transferor(s)

(2) Shri Mithalal Hiralal Rathod & others Javahannagar, Society, Nr. 1 ambe Hanuman, Surat Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: Nondh No. 1940-A-8, Anandnagar Society, Sagrampura, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Ahmedahad.

Date : 29-11-82 Scal :

2517

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kalidas Ravjibhai Prajapati Nanubhai Ravjibhai Prajapati Pani-ni-bhit, Surat.

Transferor(s)

(2) Shii Gopaldas Umershi Dhamani Iada-khadi, Mahidharpura, Surat.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ret. No. P.R. No. 1998 Acq 23-II/82-83.—Wheeras, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Nondh No. 507-1, Wd. No. 10, Nagar Falia, situated at Surat

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No 507-1, Wd. No. 10, Nagar Falia, registered in May '82

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date 29 11 82

FORM ITNS~

(1) M/s. Sarkar Associates, M. G. Engineers & Builders, Bhaga Talay, Surat.

(Transferor (s)

(Transferee (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pankaj Kumar Hasmukhlal Kapadia, Navchetan Society, Ring Road, Majura, Surat.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 1999 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 2799, 1798, Sumangal Apartment, situated at Athava Lines, Surat,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property at flat No. 3, 1st floor, Sumangal Apartments, Athava Lines, S. No. 2799, 2798, Surat, registered in May 82

R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29 11 82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2000 Acq. 23-11/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 195(D) plot No. 4 & 1-Udhana 3 & 4 situated at Udhana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on May '82,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shekahr Ramanbhai Desai, 22, Subodhguru Society, Bombay Shantakruz, Bombay.

(Transferor (s)

(2) Partners firm of Rumanand Corporation 3/6, Resham Bhavan, Lal-Darwaju, Surat.

(Transferee (s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: S. No. 195(P) plot No. 4, 1, 3 & 2 Udhana, registered in May '82.

R. R. SHAH, Computent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29,11,82, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2001 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/an bearing No.

Nondh No 2343, Wd. No. 3, Salabatpura, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pravinchandra Natvarlal, Minor Anilkumar Pravinchandra, Minor Janakkumar Pravinchandra, Sagrampura, Surat. Minor's guardian Kailashbea Pravinchandra.

(Transferor (s)

(2) Shri Ramanlal Hiralal, Shri Mahendra Hiralal, Khangad sheri, Salabatpura, Sarat.

(Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: Nondh No. 2343, No. 3, Salabatpura, registered in May, 82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29.11.82.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2002 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 34, A. 10, situated at Broach, (and more fully-described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——45—446GI/82

- (1) Shri Narsinh Somchand Nakum, Shri Khumaniuh Somchand Nakum, Ali, Dist: Broach.
 (Transferor (8)
- (2) Partner of: Narayannagar, Shri Nathubhai Trikambhai Prajapati Ali, Broach. (Transferee (4)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: S. No. 34, All, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 29.11.82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2003/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

S. No. 108, Nandelay,

(and 'more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Broach on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Amthiben Maganlal wd/o Bhailal Amrataial Hargovinddas Mistry, village: Chavaj, Taluk: Broach. (Transferor (s)
- (2) Shri Adam Suleman Mohammed, Village: Nandelav, Tal: Broach.

 (Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: Nandelav S. No. 108, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Ahmedahad.

Date: 29.11.82,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009 the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2004 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, J. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 30(P) Bholay, situated at Bholay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Ramjibhai Naianbhai Soianki, Shu Ishvaibhai Naranbhai Solanki & others, village: Zadeshvar, 7al:

(Transferor)

(2) Shri Shardulbhai Prafulchandra Dive, Acharvad Khadki, Broach, Shii Hasinukhbhai Kashibhai Patel, Nikora, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 30(P) Bholay, registered in May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29.11 82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2005 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 26, Bholav, situated at Bholav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Shankerbhai Savjibhai Pa'el, Bholay, Broach.
 (Transferor)
- (2) Shri Laxminarayan Co. op. Housing Society C/o. Muktanand Tiles, Maktampur, Broach.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: S. No. 26(P) Bholav, registered in Many '82.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29.11,82.

PART IU-Sec. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2006 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 818, Wd. No. 8, C.S. No. 10/2 Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsati on May '82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

(1) Shri Chunilal Vallabhbhai, Dasturvad, Naysari.
(Transferor)

(2) Shri Ishvarlal Harkishandas Rana, Shi: Parbbubhai Harkishandas Rana, Narimaan vad, Navsaii.

(Transferce)

2525

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I.APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: House No. 818, Wd. No. 8-Navsari, registered in May '82,

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 29 11 82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Babaji Bhagaji Radesan Tal: Gandhinagar. (Transferor)

(2) Budhhidhan Purshottam Thakker, Nanalal Chambers, Ashiam Road, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2007 Acq. 23-11/82-83.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 150 situated at Radesan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandbinagar on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not bren or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the

Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

THE SCHEDULE

Land at Radesan being block No. 150 admeasuring A.1 Gun. 15. registered with S. R. Gandhinagar, vide No. 1104/May '82.

R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 15-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHME DABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2008 Acq. 23-II/82-83.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Block No. 149, situated at Radesan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Baldevji Manganji, Radesan Tal; Gandhinagar.
- (Transferor)
 (2) Buddhidhan Purshottam Thakker, Nanalal Chambers,
 Ashram Road, Abmadaladad Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that (hapter.

THE SCHEDULE

Lund at Radesan being block No. 149 admeasuring Acre.2 -Guntha 2 for which document of transfer registered with S.R. Gandhinagar, vide No. 1097/May '82.

> R. R. SHAH. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 15-12-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Rcf. No. P. R. No. 2009 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 135 situated at Radesan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sabraji Madhiji-Radesan, Tal: Gandhinagar.
- (2) Buddhidhan Purshottam Thakker. Nanalal Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Radesan Block 135 admeasuring Acre. 2 and Gundha—22 document of transfer registered with S.R. Gandhinagar, vide No. 1091/May '82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ahmedabad

Date: 15-12-82.

FORM ITNS ...

(1) Hamtuji Jawanji, Radesan—Tal: Gandhinagar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Piatap Laghubhai Thakker, Nanalal Chambers, Ashtam Road, Ahmedabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P, R. No. 2010 Acq. 23-II/82-83.---Whereas, I, R. R. SHAH,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block No. 130/1, and 130/2, Radesan situated at Radesan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May '82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Radesan bearing block No. 130/1, and 130/2, admeasuring Acre. 4 & Guntha 21 document of transfer registered with S.R., Gandhinagar under No. 1093, 1094/May '82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——46—446OI/82

R. R. SHAH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 15-12-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1951)

(1) Kisorji Mandhiji-Radesan Tal: Gandhinagar. (Transferor)

(2) Pratap Ladhu Thakker Nanalal Chambers, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2011.Acq.23-II/82-83.--Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Block No. 137/1 situated at Radesan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Radesan block No. 137, admeasuring Acre, 5 and Gun. 9 document of transfer registered with S. R. Gandhinagar, under No. 1101, 1101, 1102 in May 1982.

> R. R. SHAH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. -2012.Acq.23-II/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block No. 126 situated at Radesan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinggar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shivanarayanpuri Guru Karasanpuri Radesan Tal: Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Buddhidhan Purshottam Thakker Nanalal Chambers, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Radesan bearing Block No. 126, admeasuring Acr. 2 & Gun. 11 document of transfer registered with S. R. Gandhinagar under No. 1098/May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date . 15-12-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2013.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 128, 137, 138, 139, 127, 12 situated at Radesan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dahyabhai Prahladbhai
 Jayantibhai Prahladbhai
 Kantilal Prahladbhai
 Radesan Tal: Gandhinagar.

(Transferor)

Part III-Sec. 1

(2) Buddhidhan Purshottam Thakker Nanalal Chambers, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Radesan bearing block No. 128, 137, 138, 139, 127, 12, admeasuring Acre, 13 and Guntha 25. Document of transfer registered with S. R. Gandhinagar, under No. 1081, 1082, 1083, 1084, 1085 and 1086/May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(1) Vadilal Bababhai & others Radesan Tal: Gandhinagar

(2) Dilip Chandrasen Asar

(Transferor)

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDΛΒΛD

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2014.Acq.23-II/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 87 situated at Radesan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Nanalal Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Radesan bearing block No. 87 admeasuring Acre. 1 and Gun. 27. Document of transfer registered with S. R. Gandhinagar under No. 1088/May 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2015.Acq.23-II/82-83.---Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 46, TPF. Plot No. 52, Baroda

situated at Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay wax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Smt. Revaben Motibhai Patel, Dayal Bhou's Khancho, Rajmahal road, Baroda.

(Transferor)

 Shri A. P. Mahadevia—G. M. & Director Bundy Tubing of India Limited.
 G.I.D.C.—Makarpura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 335 sq. m. at S. No. 46, T.P.F. No. 52 at Alqota (Beroda). Document of transfer registered under S. R. Baroda's No. 3045, 3046/May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2016.Acq.23-II/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R. S. No. 638, Gorva (Baroda) situated at Gorva Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shashi Prabha Vrajlal, Refinery Township,
 - Jawaharnagar, Baroda Jayantibhai Dahyabhai Piajapati, Gorva, Baioda. 3. Kantibhai Babubhai Shrimali, Swaminarayan Society, Gorva, Baroda.

(Transferors)

(2) Shri Sanjay Tuli Gurukrupa Co-op, Housing Society Limited, Reginag road, Gorva, Baroda.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 638 admeasuring 1400 sq. m., 1454 sq. m and 1454 sq. m. at Gorva, Baroda, Document of transfer registered under S. R. Baroda's No. 3268, 3269 and 3270/ May 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jayandarsinh Vankatrao Gorpade—'Kamalji' Vishwamitri road, Baroda.

(Transferor)

2) Shri Ratansinh Ibji Zaveri

(2) Shri Ratansinh Ibji Zaveri 'Gayatri' Race Course Circle, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2017.Acq.23-II/82-83.--Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 159 plot No. B. I, situated at Jetalpur (Baroda) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Jetalpur S. No. 159 plot admeasuring 8235 sq. ft. and area of construction 3294 sq. ft. Document of transfer registered with S. R. Baroda under No. 3280/May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 15-12-1982

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND 1-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2018.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 106/1, 109, 140, 131, 132, and plot 11B, situated at Saij (Kalol)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely:—47—446 GI/82

- (1) M/s. H. B. Gum Industries
 11, G.I.D.C. Industrial Estate, Kalol Dist.
 Mahsana
 (Transferor)
- H. B. Gum Industries Pvt. Ltd. 86, Masjid, Baroda road, Bombay-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expuss later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX' of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saij (Kalol) bearing S. No. 106/1, 109, 140, 131, 132 and plot No. 11B. admasuring 3379 sq. m. Document of transfer registered with S. R. Kalol under No. 1662/May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2019, Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 993 F. P. 53 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chauhan Umarbhai Kalubhai & others—Kalol (Tran.feror)
- (2) Vishat Co. op. Hosuing Society (proposed)
 Promotor: Hitendrakumar Vithalbhai.—Kalol
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Kalol S. No. 993, F. P. No. 53, admeasuring 2107 sq. m. Document of transfer registered with S. R. Kalol in the month of May 1982 (15-5-82).

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2020.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 124/1, and 124/2, situated at Radesan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1)1. Mohanbhai Maganbhai
 - 2. Revaben Mohanlal
 - Girishbhai Mohanlal
 Surendra Mohanlal

 - Rameshbhai Mohanlal
 Shakarabhai Maganlal
 - Shardaben Shakarabhai 8. Kantilal Maganlal

All of at Radesan Tal: Gandhinagar

(Transferors)

(2) Dilip Chandrasen Asar Nanalal Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Radesan bearing S. No. 124/1, and 124/2, admeasuring Acr. 5 and Guntha 18. Document of transfer registered with S. R. Gandhinagar, under No. 1077, 1078, 1079/May 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th December 1982

Ref. No. 2021.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing S. No. 1995, situated at Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Prajapati Mafatlal Joitaram

2. Mohanlal Kevaldas Prajapati

Rasulmiya Nathumiya
 Bhikhubhai Rasulmiya

5. Rahmanbhal Rasulmiya All of at: Mehsana

(Transferors)

(2) Suvidh Co-op. Housing Society Limited Mahendrakumar Chimanlal Shah, Mehsana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be said in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S, No. 1995 of Mehsana admeasuring 7139 sq. m. Document of transfer registered with S. R. Mehsana under 1711, 1712, and 1781/May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 16th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2022, Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 48, 49, 60, 61 Wd. No. 12 situated at 7th floor, 'D' type Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narottam Panachand Shah P.A. holder of Smt. Dheliben Panachand Shah Rani Talav, Dabgarwad, Surat.

(Transferors)

(2) Smt. Ramanben Champaklal Pastagia Shantilal Champaklal Pastagia Rameshchandra Champaklal Pastagia Raj Ratna—Apartment. 7th floor, 'D' type Rani Talav, Surat.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at: Raj Ratna Apartment, 7th floor, 'D' type Surat, registered in May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 16th December 1982

Ref. No. P.R. No. 2023/Acq/23-Π/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. Property as described in 37G, form registered vide No. 2900 dt. 13-5 82 situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nathubhai Vallabhbhai Desai at Limbacha Falia, Katoram, Surat.

(Transferor)

(2) Shu Nitinkumar Mafatlal Shah, Sccretary: Mahavir Apartment, Athava Gate, Surat. President Shri Sumatilal Dahyalal Shah, 1st Floor, Samraat Apartment. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property as described in 37 G. form registered vide No. 2900 dt. 13-5-1982 admeasuring 894 5 sq. yds.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 16th December 1982

Ref No. PR No 2024/Acq-23-II/82-83 --- Whereas, I, R R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No

Tike No. 4/1, S. No. 93-B, H. No. 887 Gadkari Road situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Harikrishna Mugatiam Bhatt, Gitanjali Society, Station Road, Navsaii. (Transferor)
- (2) (1) Shri Ninubhai Rambhai Gandhi (2) Shantaben Nanubhai Gandhi,
 - (3) Kaushikkumar Nanubhai Gandhi,

(4) Mahendrakumar Nanubhai Gandhi, (5) Rajendarkumar Nanubhai Gandhi Shantiniketan Apartment No 1, Gadkaij Road, Navsarı

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

FXPLANATION -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tika No 4/1, CS No 93-B, H No 887, Property at Gadakari Road, Navsan, registered in May 1982

> R R SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date · 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 16th December 1982

Ref. No. P.R. No. 2025-Acq-23-11/82-83,---Whereas, f, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

R. S. No. 618/3(P) Land situated at Station Road, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deviambhai Hirjibhai Chavda, Ashanagar, Navsari.

(Transferor)

(2) Shii Hasmukhbhai Rambhai Patel, Shri Gulabbhai Rambhai Patel, Shri Thakorbhai Rambhai Patel, Laxmiben Rambhai Patel, Narayan Niyas, Near : Golvad Gate, Navsari.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 618/3(P) at Station Road, Navsari, registered in May 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 16-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2026-Acq-23-II/82.83.—Wherens, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 694, Wd. No. 2-Ajit Street situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
48—446 GI/82

- (1) Shri Dinshaw Harmauji Vandariwala, Smt. Jaru Dinshaw, B. J. Devsukhkar Road, Dadar, Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Haribhai Paragjibhai Kalsaria & Others, 694/Wd, No. 2 Ajit Street, Navsari, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 694, Ajit Street, Navsari registered in the month of May, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10-1-83

- --- -

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1529.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Agri. land situated at Ajmer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Taju, S/o Shri Lalu, Vilage Ratti Danga, Via, Aimer,

(Liansteror)

(2) Mitra Nagar Sudhar Samit through Shi Marari Lal Sharma, C/o Office of the Labour Commissioner, Civil Lines, Ajmer.

('fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Criticial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land situated in Chok-Teliyan, Regional College Rival, Africa measuring 3 bigha 7 biswa, and more fully described in the sale doed registered by the S. R. Africa vide registration No. 1032 dated 5-5-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Inform

Date: 20-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUÉ CIRCLE, JAIPUR

Jaiput, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1533.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. situated at Juipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :- -

(1) Wing Com. Baldev Singh, Power of Attorney of Karnal Mahendra Singh Kohinoor Kothi, Climent Town, Dehradoon (U.P.).

(2) Shri Prem Singh & Smt. Harpreet Kaur, W/o Shri B. D. Singh, Jamnalal Bajaj Marg, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Imnalal Bajaj Marg, Civil Lines, Railway crossing, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 996 dated 12-5-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jainur

Date: 23-12-1982

(1) Shri Richpal Singh, Power of Attorney of Karnal, Mahendra Singh, Gandhi House, Adarsh Nagar, at present Sawaimadhopur,

(Transferor)

(2) Shri Inderjeet Singh, Jamnalal Bajaj Marg, Civil Line, Railway crossing, Jaipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1534.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Jamnalal Bajaj Marg, Civil Line, Railway crossing, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 950 dt. 12-5-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1540.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot, situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Karan Singh S/o Shri Bhoorsinghji.
 Smt. Krishna Kumeri W/o Sh. Karan Singh, (3) Kumari Kalpana. Kumari Kamini, Kumari Kunjali, D/o Shri Karan Singh, Shri Ajai Singh S/o Shri Karan Singh, Jaipur.
- (2) Shrimati Ravindra Singh, W/o Shri Hestimal Singhyi, Tilak Nagar, Jaipur.

(liansferce)

Objections, \vec{n} any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. II, situated at Pilwa Garden, Moti Doongii Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1037 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date : 23-12-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1541—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market-value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Inderjeet Singh, Power of Attorney of Karnal Mahendra Singh, Gandhi House, Adarsh Nagar at present Sawaimadhopur.
- (2) Shri Richpal Singh, Jamnalal Bajaj Marg, Civil Line, Railway crossing. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, situated at Jamnalal Bajaj Marg, Civil Line—Railway Crossing, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 970 dt. 12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date . 23-12-1982

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej./IAC(Acq.)/1542.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. C-63, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid—property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent—consideration therefor—by—more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said—instrument—of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chiranjilal Patni, S/o Shri Hiralal Mishra Rajan Ka Basta, Jaipur.
- (2) Shri Shyam Narain Saxena S/o Sh. Sadhunatati, C-53, Parabhu Marg, Tilak Nagar, Jaipur. (Trandere.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-53, situated at Prabhu Marg. Tilak Nagar, Iaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1049 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date : 23-12-1982

Seul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

W/o Shri Manghnamal, R/o Usrigate, Ajmer.

(1) Smt. Rtkmani Bai

(Transferor)

(2) Sudhar Sabha, Ajmer through Shri Deepchandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1547.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 936-C situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 11-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 936-C situated in Ward No. 25, Pahar Ganj, Ajmer (measuring 180 sq. metres), and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 1073 dated 11-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, o the following persons, namely.—

Date: 23-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1548.-Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 936-C situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajmer on 11-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-49---446 GI/82

(1) Shri Dayal Das S/o Shri Bhag Chand, Inside Usrigate, Ajmer.

(Transferor)

(2) Sudhar Sabha, Ajmer through President Shri Deepchandra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 936-C situated in Ward No. 25, Pahar Ganj, Aimer (measuring 180 sq. metres), and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Aimer vide registration No. 1175 dated 11-5-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) /1549.---Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 62-A, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concedenant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt, Hamida Begum
 W/o Shri M. M. Umer
 12th D-Road, Saidarpura,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Jethanand S/o Shri Jagat Ram Sindhi Sonar, 62-A/12th D-Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on plot No. 62-A, situated at 12th D-Road, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1102 dated 12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. R2j/IAC(Acq.) /1550.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 62-A, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Hamida Begum W/o Shri M. M. Umer 12th D-Road, Saidarpura, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Shri Jay Kishan S/o Jethanandji, Shri Mohan S/o Jethanandji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on plot No. 62-A situated at 12th D-Road, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1103 dated 12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1551.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 62-A, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hamuda Begum W/o Shri M. M. Umer 12th D-Road, Sardarpura, Jodhpur.

(2) Shri Vimal Kumar and Shri Jayant Kumar, Sons of Shri Jethanandji, Sardarpur. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on plot No. 62-A situated at 12th D-Road, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1104 dated 12-5-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1553.—Whereas, I, MOHAN SINGH

MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop situated at Dansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dansa on 3-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Phoolchand S/o Shri Kesarlal, Shri Rajendra Kumar, Shri Tarachand, Shri Rajesh Chand, Sons of Shri Kajodmal Jain, Shri Swaroopchand, Shri Premchand, Shri Ramesh Chand. (Transferor)
- (2) Smt. Savitri Devi W/o Shri Girraj Pd. Agarwal R/o Geejgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated in Mandi Mangani, Dausa and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Dausa vide registration No. 62 dated 3-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1554.—Whereas, I. MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 95 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

((1) Shri Bansidhar Taneja S/o Shri Bhagwandas Taneja, PAO Smt. Goverdhan Devi W/o Shri Govind Dasji Dhawan, 244 Frontier Colony, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Anandpur Trust, Shri Anandpur Teh. Ashok Nagar, Distt. Guna (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 95, situated at Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. vide registration No. 1088 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1555.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No.

Plot No. 95 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bansidhar Taneja
 S/o Shri Bhagwandas Taneja,
 POA Smt. Goverdhan Devi
 W/o Shri Jeevandas Dhawan,
 Frontier Colony, Adarsh Nagar,
 Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Anandpur Trust Shri Anandpur Teh. Ashoknagar, Distt. Gune (M.P).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 95, situated at Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. vide registration No. 1087 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1556.--Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 9-10-S situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Birdhi Chand Shri Purshottam, Shri Rameshwar Pd. sons of Shri Govindnarain Sharma, Village Shrirampura.

(Transferor)

(2) Babulal Yadav, S-7-8, Krishna Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9-10-S situated at Krishna Marg, Bapu Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1020 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1982.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1558.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gokha situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1947);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
50—446 GI/82

Smt. Krishnadas Haldiya
 S/o Shri Rae Bahadur Gopinathji Haldiya,
 R/o Haldiya House, Johari Bazar,
 Jaipur.

(2) Shri Ramchander S/o Shri Gappulelji Saraf Agarwal, R/o Chaudharion-ka-Darwaza,

MSB Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Gokha, situated in Haldiya House, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the SR. vide registration No. 1070 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 24-12-1982

(1) M/s Crushing Put. Ltd., Pali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUF BUILDING. STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1522—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Land situated at Pali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 19-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 447 Sq. Yds. situated at Himat Nagar, Near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed togistered by SR. Pali vide No. 833 dated 19 6-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982.

Seal

(1) Shri Bhim Sen Garg, Shri Chand Singh Brar, 6 KHA 12, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Japur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1527.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 6 Kha 12 situsted at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 25-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said let to the following persons, namely:—

(2) Shri Salendra Garg, Minor son of Shri Bhim Sen Garg, 6 Kha 12, Jawahai Nagar, Jaipur. (Transferce)

(3) Shri Bhim Sen Garg.
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 6kha 12, situated at Jawahar Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the 5 R. Jaipur vide registration No. 1462 dated 25-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date . 20-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1528.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 6Kha 12 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhim Sen Garg, Shri Chand Singh Brar, 6 Kha 12, Jawahar Nagar, Jaipur. (Transferor)
- (2) Smt. Manju Garg W/o Shri Bhim Sen Garg, 6 Kha 12, Jawahar Nagar, Jaipur.
- (3) Shri Bhim Sen Garg.

 (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6 Kha 12, situated at Jawahar Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1463 dated 25-6-1982.

MOHAN SINGII
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaiput

Date: 20-12-1982.

as the 'said Act')

FORM ITNS-

(1) Shri Vasudev Goswami, S/o Shri Badri Narain Goswami, J-109, Siwaji Chowk, Adsrsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sita Ram Soni, S/o Shri Gopiram Soni, 1257. Khowawalon Ka Chowk, Gopalji Ka Rasta, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipur, the 23rd December 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1535.—Whereas, I. MOHAN SINGH, reing the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

have reason to believe that the immovable property having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1257 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jaipur on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1257 situated at Mohra Khowa walon ka Chowk, Gopalji ka Rasta Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1286 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1536.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 244 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jaiput on 15-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Lal Chand Rajoria, son of Shri Bhagwandas Rajoria S-18, Bhawani Singh, Road, C-Schome, Jalour.
- (Transferor) (2) Shri Raj Bahadur, S/o Shri Lal Chand Bajoria, House No. 365, Nandi Khatikon, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 244, situated at Chaura Rasta, Jaipur (Hind Hotel Building) and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1424 dated the 15-6-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. K. Somani, S/o Shri Choganlal, B-76, Saket Colony Adarsh Nagar, Jaipur Power of attronev holder Shri Satyanarainji Kabra.

(2) Shri Ram Chand Yadav, S/o Shri Dularamji, Vill Addoyaka. District Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1537.—Whereas 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 31-A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japan on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31-A measuring 445.88 Sq. mtr. situated at Nahari Ka Naka (East), Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1170 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1538.--Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shrimati Pushpalata Sharma, W/o Shri Sharama Johanyoki Gali Gopal ji Ka Shri Malram Jaipur.
- (2) Shrimati Johraj Devi, W/o Shri Kanhiya Lal Ghatiwala, Smt. Ritu Kasliwal, W/o Shri Sudhamsu Kasliwal SB-14 Bhawanisingh Marg, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 666.66 Sq. Yds. situated at Takhteshai Road, Near Rambagh, Jaipur and more described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1397 dated 15-6-1982,

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shiimati Mukund Kumaii, W/o Shri Swarup Naiainji Purohit, 20, Gopinath Purohit Marg, Jaipur

(Transferor)

(2) Shrimati Nisha Purohit, W/o Shri Dhruva Narainji Gopinath Marg, New Colony, Jaipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE JAIPUR

Japur, the 231d December 1982

Ref No Rej/IAC(Acq)/1539—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Plot No 20 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japuar on 1 6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 20, situated at Gopinath Purohit Marg, New Colony, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the SR Jaipun vide registration. No 1275 dated 1 6-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — 51—446 GI/82

Date: 23-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Kamla Metha, W/o Shri Dr. S. R. Metha 5, Hospital Road, Jaipur,
- (2) Dr. S. R. Metha, S/o Shri B. R. Metha, 5, Hospital Road, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1543.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, situated at Ganesh Colony, Jawaharlal Nehru Marg, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1288 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1544.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. C-63 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jainur on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Gopilal, S/o Shri Dudaram Gothwal, C-63, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Rewa Chand, S/o Shri Gopal Dasji, Plot No. 724, Sindhi Colony Rajapark, Jaipur.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-63, situated at Saket Colony, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1329 dated 15-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, IAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1552,—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Dausa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dausa on 15-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income orising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranges or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Prakash Chand Shri Mahavir Pd., Shri Mahaendra Kumar, Shri Surendra Kumar, Sons of Shri Kastur Chand, Smt. Vimla Devi, W/o Shri Kasturchans Jain.
- (2) Shrimati Savitri Devi, W/o Shri Girraj Pd. Agarwal R/o Geejgarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated in Mandi Mangang Dausa, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Dausa, vide registration No. 174 dated 15-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1530.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-254 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hakum Ali, S/o Dine Khan, Ratangarh, POA holding Shri Noor Mohd. S/o Shri Dine Khan Ratangarh.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Madhu Devpura, W/o Shri Ganpat Devpura, & Smt. Janki Devi Devpura.

 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-254, situated at Devi Marg, Bani Park, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1531 dated 6-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1531.—Whereas, $\,$ I, $\,$ MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D-254 situated of Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hakum Ali, S/o Dine Khan, Ratangarh POA holder of Shri Noor Mohd. S/o Shri Dine Khan, Ratangarh.
- (2) Shrimati Pushpa Sharma, W/o, Shri Bajranglalji Sharma.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-254, situated at Devi Marg, Bani Park, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1576 dated 6-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE, CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref. No. Rej/JAC(Acq.)/1532.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Rajasthan Packing Co. C/o, Indra Durlabhji, Durlabh Niwas, C-Scheme, Jaipur. (Transferor)

(2) M/s Bhagwanti Metals, B-13, Industrial Estate, South, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial constructed shed measuring 1600 Sq. feet situated at B-13, Industrial Estate, Jaipur South, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1825 dated 22-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Insepting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd December 1982

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1545.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Agri. land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jeewanram, S/o Shri Mangikilji, Vill. Harnatpura Teh, Jaipur.

 (Transferor)
- (2) M/s Shreeji Paliwal Udyog, Ganga Bhawan, Arvind Marg, Jaipur, Shri J. C. Paliwal, S/o Shri K. L. Paliwal, C-Scheme, Jaipur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions meed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 bigha 5 biswa situated in Village Harnatpura, Teh. Jaipur, and more fully described in the deed registered by the S.R., Jaipur, vide registration No. 1813 dated 22-7-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-12-1982

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE, CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 24th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1557.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gokha situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japur on 21-8-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—446 GI/82

(1) Shrimati Kesar Devi, W/o Pandit Jagananth Pd. Sharma R/o Mehandi Ka Chowk, Chokadi Ghat Gate, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Suraj Devi, W/o Shri Gappulalji Saraf Agarwal R/o Chaudharion Ka Darwaza, MSB ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chupter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gokha situated at Haldiya House, J.B., Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1908 dated 21-8-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 24-12-1982

Soal ;

FORM I'MS---

(1) Shr' Bhuraram, S/o Shri Harji Sirvi, College Road, Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Punamchand, S/o Shri Khusalchand Purohit, Busi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, CPNTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1494.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Agri. land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facil.tating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferse for the purposes of the Indian Income- av Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 bigha, situated at College Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by S R., Pali vidè No. 908 dated 6-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Crushing Fit Ltd., Pali.

(Transferor)

(2) Meena Kumari, D'o Shri Mohal Lal Rajpurohit, Vill. Moharahi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1,961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) /1521.—Whereas, I MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 19-6 82

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- tb) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1034 Sq Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide No. 836 dated 19 6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 20-12-82

Seal : ·

(1) M/s. Crushing Pvt. Ltd., Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jain Singh S/o Laxman Singh Rajpurohit, Village Narva, Distt. Jalore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/AIC(Acq.) /1520.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 29-6-82 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 800 Sq. Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide No. 868 dated 29-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 20-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1519.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Pali

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pali on 29-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Crushing Pvt. Ltd., Pali.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Ramchordas Rajpurohit, Vill. Maharali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Faid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1200 Sq Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide No. 867 dated 29-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

Scal:

(1) M/s. Crushing Pvt. Ltd., Pali.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar, S/o Shri Mohal Lal Rajpurohit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1523.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Pali

(and mole fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 19-6-82

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1034 Sq. Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide No. 834 dated 19-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Crushing Pvt. Ltd., Pali.

(T ansferor)

(2) Shii Mohan Lal Seo Shii Ramebled Singh Rajpurchit

Tium feree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTPAL REVENUE BUILDING, STATUL CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No Rej/fAC(Λcq.)/1524.—Whereas, 1, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 19-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not oeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 447 Sq. Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S R. Pali vide No 833 dated 19-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Comrai sioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

(1) M/s. Crushing Pvt Ltd., Pali.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal, S/o Shri Mohanlal Rajpurohit, Vill. Moharali.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1526.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Pali on 19-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 997 Sq. Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide No. 835 dated 19-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

Scal:

FORM I.T.N.S..

(1) M/s. Crushing Pvt. Ltd., Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Naraini Bai, W/o, Shri Mohan Lal Rajpurohit, Vill. Maharai, Distt. Pali.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUI BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Juipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1525 —Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 18-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53-446 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 447 Sq. Yds. situated at Himat Nagar, near Police Line (Labour Colony), Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R., Pali vide No. 831 dated 18-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax
Acquisition Range Jaipur

Date: 20-12-82

Seal ;

FORM TINS-

(1) Shri Bhuraram, S/o Shri Harji Sırvi, College Road, Pali.

College Road, Pali. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Bhikam Chand Hastimal, Teh. Maiwar Junction Pali

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1495.--Wherens, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. Land situated at Palı

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any shoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 8 bigha, situated at College Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by S. R. Pali vide No. 865 dated 28-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 20-12-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Gordhan Singh, S/o Shri. Bakhatawar Singh, Mandli, Khurd.

(Transferor)

(2) Kalpyriksh Sahkori Samiti Ltd. Pali.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jainur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1493.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pali on 22-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 10 Bighas & situated at Sumerpur Road, Pali, and more fully described in sale deed registered by the Sub-Registrar, Pali vide Registration No. 843 dated 22-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

Scal:

(1) Shii Gotdhan, S/o Shri Bakhtawar Singh, Mandli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kalpviiksh Şahkori Samiti Ltd. Pali.

Objections, it any, to the acquisition of said may be made in writing to the undersigned:—

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ·

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th December 1982

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1470.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, Land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pala on 22-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Sumerpur Road, Pali (11 bighas), and more fully described in the sale deed registered by the S. R Pali vide registration No. 844 dated 22-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Jaipur

Date: 18-12-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISTION RANGE, CENTRAL REVINUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1511.- Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. Hotel Mamtha satuated at Udapun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 25-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Balwant Singh & Co. 118, Bapu Bazar, Udaipur.
- (2) M/s United Holding Corporation, 853
 Rameswar, Opp. Khira Nagar, S: V. Road,
 Santaciuz Bombay. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hotel Mamiha (Now Hotel Yatri), Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Udaipur vide registration No 1281 dated 25-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Jaipur

Date . 18-12-82

(1) Shri Vinod Dying, Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mehta Industries, F- 199, Mandi Road,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th December 1982

Ref. No. Rej, IAC(Acq.)/1508.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

and bearing
Plot No. F. 119 situated at Pali
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at Pali on 28-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F-119 Situated at Mandie Road, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali, vide registration No. 304 dated 28-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CFNTRA! REVENUE BUILDING, STATUE CIRCI E, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAV(Acq.)/1510.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Plot No. 23/173 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Aimer on 3-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ajay Food Industries, Prabatpura, Nasirabad Road, Ajmer.

(Transferor)

(2) M/s Laxmi Enterprises, Parabatpura, Nasitabad Road, Aajmer

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 23/173 stuated at Parabatpura, Nasirabad Road, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 781 dated 3-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CINTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.), 1505.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. Land situated at Pali

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 27-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Shri Sohan raj S/o Shri Santok Chand Jain, Pali (Transteror)
- (2) Mahavir Grah Nirman Sahkati Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 8 bigha situated at Chak No. 4 Mandia Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S R Pali vide registration No. 300 dated 27-5-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1502.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 28-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—54—446 GI/82

(1) Shri Sohan Raj, S/o Shri Santok Chand Jain, Pali.

(Transferor)

(2) Mahaver Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 bigha situated at Chak No. 1, Mandi Road, Pali. and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali. vide registration No. 302 dated 28-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-82

Shri Sohan Raj,
 S/o Sh. Santok Chand Jain,
 Pali.

(Transferor)

(2) Mahavir Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Pali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 18th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1504.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 27-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 7 bigha 18 biswa situated at Chak No. 1 Mandia Road, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Pali vide registration No. 301 dated 27-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-12-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Rama, S/o Shri Bhuraji Sirvi, Pall.

(Transferor)

(2) Mahavir Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1503.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Chak No. 1 situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 28-5-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land situated at Chak No. 1, Mandia Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 305 dated 28-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982

Soul :

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE - INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/AC (Acq)/1507.--Whereas,], MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Pali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 24-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hanja, W/o Shri Kesaji Jat, Pali.

(Transferor)

(2) Mahavn Grah Numan Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bigha & 2 biswa, ner Chak No. 1 Mandia Road, and more fully described in the sale deed registered by the SR, Pali vide No. 851 dated 24-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date 20 12-1982 Scal FORM LT.N.S.-

Shri Jayaram Khaevraj, Shri Kesajee Jat,

(Transferor)

(2) Mahavir Grah Nirman Samiti Ltd. Pali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/LAC (Acq.)/1506.--Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No

Agri. land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Pali on 24-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 6 bigha and 2 biswa, near Chak No. 1, Mandia Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Pali vide registration No. 853 dated 24-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Abdul Aziz S/o Shri Abdul Shekur, Mahatma Gandhi Marg, Bangalore.

(2) Shri Chand Kumar S/o Shri Nathurmal, Sindhi, Mohalla, Nasirabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th December 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.)/1515.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 913 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 10-5-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 913, situated at Dodia Mohalia, Nasirabad and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Ajmer vide registration No. 1003 dated 10-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 18-12-1982

(1) Shri Abdul Aziz S/o Shri Abdul Shakur, Mahatma Gandhi Marg, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Ishwardas, S/o Sh. Nathur Mal, Sindhi Mohalla, Nasirabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej /IAC (Acq.)/1516.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 913 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aimer on 5-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are dfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 913, situated at Dodia Mohalla, Nasirabad and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Ajmer vide registration No. 1002 dated 5-5-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Mohau Lai, S/o Shri Nathurmal, Sindhi Mohalla, Nasirabad.

(1) Shri Abdul Aziz S/o Shri Abdul Shakur,

Mahatma Gandhi Marg,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) /1517.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 913 situated at Nasirabad (Ajmer)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aimer on 15-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 913, situated at Dodia Mohalla, Nasirabad and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Ajmer vide registration No. 1005 dated 17-5-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982

Seel :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

L. T. N. S --- - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Abdul Aziz S/o Shri Abdul Shakur, Mahatma Gandhi Maig, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Hapul Devi, W/o Sh. Nathurmal Sindhi Mohalla, Nasirabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1518.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 913 situated at Nasitabad (Ajmer)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 29-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 913, situated at Dodia Mohalla, Nasirabad and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar Aimer vide registration No. 1001 dated 29-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—55—446GH82

Date: 18-12-1982

Scal:

I, T. N. S,-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japan, the 20th December 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq)/1513—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jodhpur

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arms from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or high ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Not, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shumat Bhilam Kanwai W/o Sh. Thanchand Metha
 - 2 Shri Haii Piasad S/o Sh. Jugat Ram & Smt. Kamli W/o Shri Haii Prasad

(Tiansferoi)

(2) Shrumati Duiga W/o Sh Shvam Sunder Soni, R/o Soharon ka bas, Jodhpui.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F-XPLANA'TION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Rasala Road, Jodhpur (area 79.8 Sq. Mtr.), and more fully described in the sale deed registered by the S.P. Todhpur vide registration. No. 968 dated 1-5-8?

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistan* Commissioner of Income-tax Acquisition Frange, Jaipur

Date : 20 12-1982 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej./IAC (Λαμ)/1514—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two shop situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Todhpur on 3-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhilam Kanwar W/o Shri Trachand Mehta, Outside Jalore Gate, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Kumar & Shri Mukesh Kumar sons of Shri Shyam Sunder Sonar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 65 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shop situated at Rasala Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 967 dated 3-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-12-1982

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 20th December 1982

Ref. No. Rej/JAC (Acq.) 1512.—Whereas, I, MQHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 3-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lumbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferentid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shrimati Bhilam Kanwar W/o Sh. Thanchand Sh. Hari Ram S/o Sh. Jugatram Choudhary, Smt. Kamla W/o Sh. Hari Ram.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder S/o Shri Ram Bhanwar Soni, 537, Rasala Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the property situated at Rasala Road, Jodhpin, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 969 dated 3-5-82.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-12-1982

(1) Shrimati Taru late Kothari, W/o Shri Chander Kant Kothari, Uniara Garden, Jaipur,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mahendra R. Saraf. 32, New Colony, Lainur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAJPUR

Jaipur, the 7th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1456.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 8 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Japour on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, meanly:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8. situated at Uniara Garden, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1103 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th December 1982

Rcf. No. Rcj/IAC (Acq.), 1457.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument o

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishan Sahal & Shri Ramdeo, Vill. Nanusar Teh. Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Knilash Engineering Industries (Pvt.) Ltd. Bhagat Bhawan, Bhagat Marg, C-Scheme. Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bigha 2 biswa in Village Nanusar, Teh. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1097 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) / 1458.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Jainur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Jaipur on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely :---

- Thekur Amai Singh, S/o Thekur Bane Singh, Vill. Chomo, Teb. Shergarh, Distt, Jodhpur
- (Transferor) (2) Shri Sumant Khandelwal, S/o Shri Rajesh Chand Guota, B-22, Shiv Marg, Banipark, Jaiour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) hy any immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated near Bhutera House Bassi Sitarampura, Chomu Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the SR. Jaipur vide registration No. 1046 dated 22-5-82,

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-12-1982 Seal :

I. T. N. S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd November 1982

Ref. No. Rej/IAC/(Acq.)/1463.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Jhunjhunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jhunihunu in 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mani Devi W/o late Sh. Mathura Pd.
 Tibrewala Mohalla Tibrewala, Near Phutla Bazar,
 Jhunihunu.
- (2) Sh. Khurshid Ahammed, S/o Ramsen Kayankhani, C/o Liberty Electric Stores, Nehru Bazar, Jhunjhunu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, situated at Rly. Station Road in ward No. 3, in front of Govt. Higher Secondary School, Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jhunjhunu vide No. 277 dated 26-5-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-11-82

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 231d November 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1464.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having p fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing No.
Plot No. 7 situated at Jhunjhunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhunjhunu in 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---56-446GI/82

(1) Smt. Mani Devi, W/o late Sh. Mathura Pd. Tibrewala, Mohalla Tibrewala, Near Phutla Bazar, Jhunjhunu.

(Transferou) (2) Sh Lichhman Ram, S/o Sh. Dalip Singh, Jhunjhunu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 situated at Rly. Station Road in ward No. 3 in front Govt. Higher Secondary School, Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered by the SR. Jhunjhunu vide registration No. 283 dated 26-5-82.

> MOHAN SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd November 1982

Ref. No. Rej/JAC(Acq.)/1465.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6 situated at

Jhunjhunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhunjhunu in 26-5-82

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mani Devi, W/o late Sh. Mathura Pd. fibrewala, Mohalla Tibrewala, Near . Phutla Bazar, Jhunjhunu.
- (Transferor)
 (2) Sh. Om Prakash, S/o Sh. Gordhanlal Brahmin,
 C/o Panchayat Samiti, Jhunjhunu,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Rly. Station Road in ward No. 3, in front of Govt. Higher Secondary School, Ihunjhunu and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jhunjhunu vide registration No. 282 dated 26-5-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur,

Date: 23-11-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd November 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1466.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1, situated at

Jhunjhunu

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jhunjhunu on 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid two perty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Smt. Mani Devi, W/o late Sh. Mathure Pd. Tibrewala, Mohalla Tibrewala, Near Phutla, Bazar Jhunjhunu.

(Transferor)

(2) Sh. Saluddin, S/o Umarkhan Kyamkhani, Road No. 3, Jhunjhunu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, situated at Rly. station Road in ward No. 3, in front of Govt. higher Secondary School, Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jhunjhunu vide registration No. 281 dated the 26th May, 82.

MOHAN SINCH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-11-82

FORM LTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japun, the 23rd November 1982

Ret No Rej/IAC(Acq)/1467—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ps the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot No 4, situated at

Jaunghunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jhumhunu in 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said natrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Smt Mani Devi, Woo late Sh Mathura Pd Tibrewala, Mohalla Tibrewala, Near Phtula Bazar, Jhunjhunu

(Transferor)

(2) Sh Ramniwas, S/o Sh Chunnilal C/o
M/s Khyaliram, Road No 3, Jhunjhunu
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 4 situated at Rly Station Road in ward No 3, in front of Govt Higher Secondary School, Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered by SR Jhunjhunu vide registration No 280 dated 26 5-82

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 23-11 82 Scal: -----

2613

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd November 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1468.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 1995 on to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5, situated at

Jhunjhunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Thunjhunu on 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mani Devi, W/o late Sh. Mathura Pd. Tibrewala Mohalla Tibrewala, Near Phutla Bazar, Jhunjhunu.

(2) Sh. Kamal Kishore S/o Gopitam Gadia, Road No. 3, C/o Kamal Trading Co. Jhunihunu.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, situated at RIv Station Road in ward No. 3, in front of Govt. Higher Secondary School, Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered by S.R., vide registration No. 279 data the 26 5-1982

MOHAN SINGH,
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-11-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMÉ-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd November 1982

Rel. No. Rej/JAC(Acq.)/1469.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2 situated at Jhunjhunu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jhunjhunu in 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is a meed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not need or which ough, so be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mani Devi W/o late Sh. Mathura Pd. Tibrewala, Near Phutla Bazar Jhunjhunu.
- (2) Sh. Phoolaram S/o Sh. Khyaliram, Harirem, V. & P.O. Nayasai, Churu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Rly. station Road in ward No. 3, in front of Gov. higher Secondary School, Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered vide No. 278 dated 26-5-82 by the S.R., Jhunjhunu.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-11-82

the first terminal and terminal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1459.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

bearing No. Plot No. B-143 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Sh. Parveen Chand Chhabra, S/c Sh. Gulabchand Chhabra 2, New Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Purshottamdas, S/o late Sh. Tuljaram Sındhi, 146, Kanwar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-143, Moti Doongari Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1174 dated 1-6-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jainut, the 8th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1460.—Whereas, I, MO HAN SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot B-143 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-6-82

for apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, a hearby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely:—

- (1) Sh. Parveen Chand S/o Sh. Gulabchand Chhabre, 2, New Colony, Jaipur.

 (Transferor)
- (2) Sh. Subhash Chand Shah, 1309, Gopalji Ka Rasta, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said \ct, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-143 Moti Doongn Scheme, Jaipur and more fully described in the sele deed registered by the S.R., Jaipur, vide registration No. 1173 deted 1-6-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jajour.

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Vipu the 8th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Λcq.)/1461.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the im-novable property, having a fair market

B-143 situated at

Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name's:—

57-446GT/82

(1) Sh. Parveen Chand Chhabra, \$/o
Sh. Gulab Chand Chhabra, 2, New Colony,

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand Shah, S/o Bhogilalji Shah, 1309, Gopal ji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within ,45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-143, M.D. Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1364 dated 15-6-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-12-82

- (1) Sh. Parveen Chand Chhabra, S/o Sh. Gulabchand Chhabra 2, New Colony, Jaipur.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Purshottamdas, S/o Late Sh. Tuljaram, 146, Kanwar Nagar, Jaipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1462.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-143 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at of 1908) in the Jaipur on 15-6-82

Japur on 15-6-82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transfero rto pay tax under the could Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating th econcealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating th econcealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B-143, Moti Doongri Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1365 dated 15-6-82.

MOHAN SINGH. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-12-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th November 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1440.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. C-81/C situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalour in 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought t be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Shyam Sunder S/o Sh. Bhim Singh Vill. Mochrol, at present at Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Rajendia Mirdha, HUF, S/o Sh. Ram Niwas Mirdha, P-1, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-81/C, situated at Ajad Marg, C-Scheme, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1093 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 11-11-1982

Scal:

[PART III—SEC. 1

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Rajendra Singh S/o Sh. Bhim Singh, Vill. Machroli, Distt. Rohtak, at present at Jaipur. (Transfer or)

(2) Sh. Rajendra Mirdha, HUF, S/o Sh. Ramniwas Mirdha, P-1, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th November 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1441.-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. C-81 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Japur on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-81, Part of the plot situated at Ajad Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1094 dated 22-5-1982.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range, Jaipur.

Date: 11-11-1982

2621

FORM I. T. N. S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1413.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. C-8 situated at Jajpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration A.t., 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur in 1-6 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeszid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeszid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufor with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax wader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kishori Devi W/o Sh. Natulal, C-8, Amritpuri, Agra Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sugra Begum W/o Sh. Abdul Majid, Chandi Ka Tajia, Jaipur.

(Transferce)

bjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-8 situated at Amritpuri, Agra Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1212 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 12-11-1982

Shal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1982

Ref. No. IAC(Acg.)/1442.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop No. 47 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur in 1st June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Basarmal S/o Sh. Khushal Dass, Sh. Hotchand, Vasudeo, Ratanlal S/o Sh. Basarmal.

(Transferor)

(2) Sh. Prakash Chand & Sh. Naraindas, Sons of Sh. Tejumal, Plot No. 721, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 47 situated at Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1144 dated 1-6-1982.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 12-11-1982